{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
मंगलवार 14 अप्रैल 2026
वैशाख कृष्ण 12 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 199
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	76,847.57
निफ्टी	-	23,842.65
सोना	-	1,52,460
चांदी	-	2,55,000
डॉलर	-	93.81

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

एनकाउंटर में महिला नक्सली लीडर ढेर

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के छोटे बेठिया क्षेत्र के जंगलों में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें एक महिला नक्सली ढेर हुई है। मारी गई नक्सली की पहचान वांटेड (एरिया कमेटी मेंबर) रूपी रेड्डी के रूप में हुई है, जो लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों के रडार पर थी। मौके से उसके पास से एक पिस्टल बरामद हुई है। पुलिस के मुताबिक, उसे लगातार सरेंडर के लिए कहा जा रहा था, लेकिन वह सक्रिय रूप से नक्सली गतिविधियों में शामिल रही। बस्तर में बड़े कैडर के कई नक्सलियों के मारे जाने या सरेंडर के बाद वह प्रमुख सक्रिय कैडर में गिनी जा रही थी। पुलिस को इलाके में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। जिसके बाद तडके 4 से 5 बजे सुरक्षाबलों ने छोटे बेठिया थाना क्षेत्र के माचपल्ली के जंगल में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। इसी दौरान नक्सलियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग शुरू कर दी। जिसके जवाब में जवानों ने भी मोर्चा संभाला।

ट्रक ने श्रद्धालुओं को कुचला, 7 की मौत

सुरेंद्रनगर। गुजरात के सुरेंद्रनगर में सोमवार सुबह लखतर-विरामगाम नेशनल हाईवे पर एक ट्रक ने पैदल चल रहे श्रद्धालुओं को कुचल दिया। हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि चार घायल हो गए। घायलों को सुरेंद्रनगर के अलग-अलग हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया है। घायलों की हालत भी गंभीर बनी हुई है। लखतर पुलिस इंस्पेक्टर योगेश पटेल ने बताया कि घटना लखतर-विरामगाम हाईवे पर रात करीब रात करीब 1:30 बजे हुई। तीर्थयात्रियों का एक ग्रुप पैदल राजकोट से बहुचराजी माता मंदिर जा रहा था। तभी पीछे से आ रहे एक ट्रक ने सभी को कुचल दिया।

अशोक खरात पर कसा ईडी का शिकंजा

मुंबई। महाराष्ट्र के नासिक से सामने आया भोंदू बाबा उर्फ अशोक खरात का मामला अब देश के सबसे बड़े सेक्स और ब्लैकमेलिंग स्कैंडल्स में शामिल हो गया है। तंत्र-मंत्र और भविष्यवाणी के नाम पर महिलाओं का यौन शोषण, अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेलिंग और करोड़ों की ठगी के आरोपों ने इस केस को बेहद गंभीर बना दिया है। अब इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय की एंट्री हो चुकी है, जिसने जांच को और तेज कर दिया है। ईडी ने अशोक खरात के कई ठिकानों पर छापेमारी की है। ईडी ने अशोक खरात और उसके कुछ साथियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इसी के तहत नासिक में पांच, पुणे में तीन और शिरडी में तीन ठिकानों पर छापेमारी की गई। इन छापों के दौरान दस्तावेज, डिजिटल सबूत और संपत्ति से जुड़े अहम कागजात खंगाले जा रहे हैं।

कुछ ना कहना

ईरान को ट्रंप की खुली धमकी

होर्मुज पर बढ़ी तनातनी

'नाकाबंदी के पास भी आए तो ईरानी जहाजों को कर देंगे तबाह'

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर ईरान को सख्त चेतावनी दी है। इस बार ट्रंप ने ईरान को होर्मुज में अमेरिकी नाकाबंदी से जुड़े मामले में चेताया है। इतना ही नहीं उन्होंने ईरान के जहाज को इस नाकाबंदी के आसपास से भी ना गुजरने तक के लिए चेताया है। पूरी बात ऐसे समझिए कि ट्रंप ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर पोस्ट कर कहा कि ईरान की सेना अब पूरी तरह से समुद्र के तल में पड़ी है और उसके कुल 158 जहाज समुद्र के नीचे पूरी तरह से तबाह हो चुके हैं।

ट्रंप के अनुसार समुद्र में अब ईरान के कुछ ही जहाज बचे हुए है, जिसे फास्ट अटैक शिप्स के नाम से जाना जाता है। हालांकि ट्रंप ने इस खतरा नहीं बताया, लेकिन यह जरूर कहा कि अगर ईरान के ये छोटे युद्धपोत अमेरिका की घोषित नाकाबंदी (ब्लॉकेड) के करीब आते हैं, तो उन्हें तुरंत नष्ट कर दिया जाएगा।

वेनेजुएला की तरह कार्रवाई के संकेत दिए

अपने पोस्ट में ट्रंप ने सख्त और कड़ी चेतावनी देते हुए यहां तक कह दिया कि अगर ईरान के ये जहाज नाकाबंदी के आसपास भी आते हैं, तो अमेरिका वही तरीका इस्तेमाल करेगा, जो समुद्र में इससे पहले ट्रंप प्रशासन ने ड्रग तस्करों के खिलाफ अपनाया जाता है। बता दें कि यहां ट्रंप का इशारा वेनेजुएला पर की गई कार्रवाई की तरफ था।

पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स

ट्रम्प की धमकी- डोनाल्ड ट्रम्प ने चेतावनी दी कि जो भी ईरानी जहाज अमेरिकी नाकाबंदी के पास आएगा, उसे तुरंत और सख्ती से तबाह कर दिया जाएगा।

भारतीय जहाजों की मदद- ईरान ने कहा कि वह भारत के जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित निकालने में मदद करेगा, बातचीत जारी है।

ट्रम्प से बहस से इनकार- पोप लियो ने ट्रम्प से बहस से इनकार करते हुए कहा कि उनका काम राजनीति नहीं, बल्कि दुनिया में शांति फैलाना है।

ईरान की चेतावनी- ईरान ने चेतावनी दी कि अगर उसके बंदरगाहों पर हमला हुआ, तो फारस की खाड़ी और ओमान सागर में कोई भी पोर्ट सुरक्षित नहीं रहेगा।

फिर सीजफायर वार्ता की उम्मीद- पाकिस्तान ने उम्मीद जताई कि अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर वार्ता फिर शुरू हो सकती है और अगली मीटिंग में कोई ठोस नतीजा निकल सकता है।

ड्रग्स को लेकर भी ट्रंप ने किया बड़ा दावा

ट्रंप ने यह भी दावा किया कि समुद्र के रास्ते अमेरिका में आने वाली ड्रग्स में से 98.2त्न को रोका जा चुका है। उन्होंने इसे अपनी नीति की बड़ी सफलता बताया। उनके बयान में ईरान को सीधी चेतावनी दी गई है कि अमेरिका की नाकाबंदी के खिलाफ किसी भी तरह की कार्रवाई को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और उसका जवाब तुरंत और कड़े तरीके से दिया जाएगा।

पश्चिम बंगाल में एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट का चुनाव आयोग से सवाल

चुनाव में जीत का अंतर 2 प्रतिशत रहा और 15 प्रतिशत मतदाता वोट नहीं कर सके तो क्या?

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची ने सोमवार को पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया पर चिंता जताई। उन्होंने मतदाता सूची से हटाए गए व्यक्तियों द्वारा दायर अपीलों पर विचार करने के लिए एक मजबूत अपीलीय तंत्र की आवश्यकता पर जोर दिया।

न्यायमूर्ति बागची ने विशेष रूप से इस बात पर प्रकाश डाला कि पश्चिम बंगाल के मामले में चुनाव आयोग ने अन्य राज्यों की प्रक्रिया से अलग तार्किक विसंगति (लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी) नामक एक नई श्रेणी पेश की। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार एसआईआर मामले में लिए गए रुख से भी चुनाव आयोग भटक गया। इसमें कहा गया था कि 2002 की मतदाता सूची में शामिल व्यक्तियों को दस्तावेजों को अपलोड करने की आवश्यकता नहीं होगी।

न्यायमूर्ति बागची ने चुनाव आयोग से पूछे सवाल

लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक न्यायमूर्ति बागची ने चुनाव आयोग से कहा, अगर 10 प्रतिशत मतदाता मतदान नहीं करते हैं और जीत का अंतर 10 प्रतिशत से अधिक है... तो क्या होगा? मान लीजिए कि अंतर 2 प्रतिशत है और मतदान के लिए चिह्नित 15 प्रतिशत मतदाता मतदान नहीं कर सके, तो शायद हमें इस पर निश्चित रूप से विचार करना होगा। उन्होंने साफ किया कि हम इस मामले पर कोई राय व्यक्त नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा, कृपया ध्यान रखें कि एक सतर्क मतदाता की चिंता, जिसका नाम सही या गलत तरीके से सूची में नहीं है, हमारे लिए मायने नहीं रखती है।

एसआईआर का काम देख रहे न्यायिक अधिकारियों पर भी की टिप्पणी

न्यायमूर्ति बागची ने कहा कि एसआईआर का कार्य कर रहे न्यायिक अधिकारियों से अत्यधिक दबाव वाली परिस्थितियों में 100 प्रतिशत सटीकता की उम्मीद नहीं की जा सकती है। उन्होंने कहा कि जब कोई व्यक्ति कम समय सीमा के भीतर प्रतिदिन 1000 से अधिक दस्तावेजों से निपट रहा हो, तो 70 प्रतिशत सटीकता को भी उत्कृष्ट माना जाएगा। इसलिए, उन्होंने एक मजबूत अपीलीय तंत्र की आवश्यकता पर जोर दिया।

सडक़ हादसे में 11 की मौत

मृतकों में 3 महिलाएं, 2 की हालत गंभीर

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे में सोमवार को सडक़ हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई। दो गंभीर घायल हुए हैं। पुलिस के मुताबिक हादसा सुबह करीब 10:45 बजे मुर्बाड के गोविली गांव स्थित रैता ब्रिज पर हुआ। कल्याण से मुर्बाड जा रही वैन की सामने से आ रहे सीमेंट मिक्सर ट्रक से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन में सवार 11 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मुर्बाड के तहसीलदार अभिजीत देशमुख ने बताया कि घायलों को उल्हासनगर के सेंट्रल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मरने वालों में 8 पुरुष और 3 महिलाएं हैं। अब तक 6 मृतकों की पहचान हो चुकी है, बाकी की पहचान जारी है। हादसे के बाद कुछ घंटों तक कल्याण से अहिल्यानगर रोड पर लंबा जाम लगा था। वैन रोजाना की तरह सोमवार सुबह भी पैसेंजर्स को लेकर कल्याण से मुरबाड जा रही थी। वैन में ड्राइवर समेत 12-13 लोग सवार थे। इसी दौरान रैता ब्रिज पर सामने से आ रहे सीमेंट मिक्सर से टक्कर हो गई। राहगीरों ने बताया कि दोनों गाडिय़ां स्पीड में थीं। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन में सवार किसी को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। इनमें से 9 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी। दो ने अस्पताल पहुंचने से पहले दम तोड़ दिया। अन्य दो घायलों की हालत भी गंभीर है।

आज होगा बिहार के नए सीएम का ऐलान

15 अप्रैल को शपथ समारोह, पीएम मोदी होंगे शामिल

पटना। बिहार में नई सरकार के गठन को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। शपथ ग्रहण समारोह को लेकर राज्यपाल के सचिव गोपाल मीणा ने सोमवार को पटना के सीनियर अधिकारियों की बैठक बुलाई। लोकभवन में चली इस बैठक में शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों को लेकर ब्रीफिंग दी गई। इससे पहले राज्यपाल के सचिव गोपाल मीणा डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के आवास पहुंचे थे। दोनों के बीच करीब 30 मिनट मुलाकात हुई।

जानकारी के मुताबिक, सीएम नीतीश मंगलवार को 3.30 बजे राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप

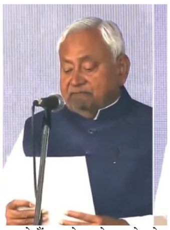

सकते हैं। इससे पहले 2 बजे प्रदेश कार्यालय के अटल सभागार में बीजेपी विधायक दल की बैठक होगी। वहीं 3 बजे जदयू विधायक दल की बैठक होगी। इसके बाद एनडीए विधायक दल की बैठक होगी, जिसमें नए सीएम के नाम पर मुहर लगेगी। शाम 4 बजे शिवराज सिंह चौहान नए सीएम के नाम का ऐलान करेंगे। 15 अपैल को सुबह 11 बजे शपथ समरोह का आयोजन किया जाएगा।

आज नीतीश कैबिनेट की आखिरी बैठक

मंगलवार को सुबह 11 बजे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में कैबिनेट की अंतिम बैठक होगी। बैठक के बाद नीतीश कुमार मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देंगे। इसी के साथ मौजूदा सरकार का कार्यकाल समाप्त हो जाएगा। इसके तुरंत बाद एनडीए विधायक दल की बैठक बुलाई जाएगी, जिसमें नए नेता का चुनाव किया जाएगा। भाजपा की ओर से इस प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। उनकी मौजूदगी में विधायक दल की बैठक में नए मुख्यमंत्री के नाम पर मुहर लगेगी। कुल मिलाकर बिहार में सत्ता परिवर्तन की तस्वीर अब पूरी तरह साफ होने वाली है। अगले दो दिनों में न सिर्फ मुख्यमंत्री का नाम सामने आएगा, बल्कि नई सरकार का पूरा ढांचा भी तय हो जाएगा, जिस पर पूरे राज्य की नजरें टिकी हुई हैं।

पवन खेड़ा के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची असम सरकार

नई दिल्ली। असम सरकार कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को दी गई अंतरिम अग्रिम जमानत के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका तेलंगाना हाई कोर्ट के उस आदेश के खिलाफ दायर की गई है, जिसमें खेड़ा को एक सप्ताह की ट्रांजिट अग्रिम जमानत दी गई है। खेड़ा ने 5 अप्रैल को आरोप लगाया था कि असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी सरमा के पास तीन देशों के पासपोर्ट और विदेशी संपत्ति है। उन्होंने दावा किया था कि यह जानकारी चुनावी हलफनामे में घोषित नहीं की गई है। इसके बाद गुवाहाटी क्राइम ब्रांच में खेड़ा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था, जिसमें झूठा बयान और धोखाधड़ी सहित कई धाराएं लगाई गई हैं।

पंचतत्व में विलीन आशा भोसले

नई दिल्ली। सुरों की मल्लिका आशा भोसले सोमवार को पंचतत्व में विलीन हो गईं। शाम 5:22 बजे बेटे आनंद भोसले ने आशा के पार्थिव शरीर को मुखाग्नि दी। आशा ताई अब पंचतत्व में विलीन हो चुकी हैं, लेकिन उनकी मधुर आवाज और यादें हमेशा दिलों में जिंदा रहेंगी। 12 अप्रैल का दिन भारतीय संगीत के लिए बेहद दर्दनाक साबित हुआ। सुरों की मल्लिका आशा भोसले ने मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके जाने से पूरा देश शोक में डूब गया- सेलेब्स से लेकर फैंस तक, हर कोई गमगीन नजर आया।

अंतिम संस्कार के बाद उनके बेटे आनंद भोसले एक-एक कर सभी मेहमानों को विदा करते नजर आए। वहीं परिवार अब भी गहरे सदमे में है। पोती जनाई भोसले का रो-रोकर बुरा हाल है। उनके आंसू इस बात की गवाही दे रहे हैं कि आशा ताई का जाना सिर्फ एक महान कलाकार की नहीं, बल्कि परिवार की सबसे मजबूत कड़ी के टूटने जैसा है। आशा भोसले के जाने से परिवार टूट गया है। इन तस्वीरों में माहौल बेहद भावुक और गमगीन नजर आ रहा है। अंतिम संस्कार के दौरान परिवार और करीबी लोग गहरे दुख में डूबे दिखे। कोई चुपचाप खड़ा है, तो कोई आंखें पोंछता नजर आया। माहौल में सन्नाटा और दर्द दोनों महसूस हो रहा है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को राजनीतिक लाभ के लिए आगे बढ़ाया जा रहा - खरगे

नई दिल्ली। संसद के विशेष सत्र से पहले महिला आरक्षण को लेकर सियासी माहौल गरमाया हुआ है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने स्पष्ट

किया कि कांग्रेस महिला आरक्षण के खिलाफ नहीं है, लेकिन केंद्र सरकार पर इस बिल को 'राजनीतिक स्टंट' के रूप में पेश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पार्टी मुद्दे पर 15 अप्रैल को होने वाली सर्वदलीय बैठक में विस्तृत चर्चा के बाद आगे की रणनीति तय करेगी। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के अनुसार, 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' का मूल उद्देश्य महिलाओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व देना है,इसका कांग्रेस पहले भी समर्थन कर चुकी है। हालांकि, उन्होंने मोदी सरकार की मंशा पर सवाल उठाकर कहा कि इस बिल को वर्तमान में राजनीतिक लाभ के लिए आगे बढ़ाया जा रहा है। यह विधेयक महिला आरक्षण को नई जनगणना और परिसीमन से जोड़ता है, जिससे इसके लागू होने में देरी की आशंका बनी हुई है। मोदी सरकार की योजना के अनुसार, जनगणना में देरी को देखकर परिसीमन के लिए 2011 के आंकड़ों का उपयोग किया जा सकता है। प्रस्तावित संशोधनों के बाद लोकसभा की सीटों की संख्या 543 से बढ़कर 816 तक हो सकती है।

अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली हाईकोर्ट में खुद दी दलील, निष्पक्षता पर सवाल उठाए, कहा

जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा को सुनवाई से हटाया जाए

नई दिल्ली। अरविंद केजरीवाल ने आबकारी घोटाले के मामले में न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा को सुनवाई से हटाने की अर्जी पर सुनवाई के दौरान कहा कि वे न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा और सम्पूर्ण न्यायपालिका का बहुत सम्मान करते हैं। उन्होंने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से सहयोग की अपेक्षा जताते हुए कहा कि दोनों पक्ष केवल रिक्यूजल अर्जी पर ही ध्यान केंद्रित करेंगे। केजरीवाल ने स्पष्ट किया कि वे आज आरोपित की हैसियत से नहीं, बल्कि दोषमुक्त व्यक्ति की हैसियत से कोर्ट में खड़े हैं।

केजरीवाल ने कहा कि जस्टिस शर्मा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद के कार्यक्रम में 4 बार शामिल हो चुकी हैं। केजरीवाल ने बताया कि 9 मार्च को इस कोर्ट में पहली सुनवाई हुई थी। उस समय केवल सीबीआई पक्ष मौजूद था और मात्र 5 मिनट की सुनवाई में ट्रायल कोर्ट के आदेश को प्रथम दृष्टया गलत करार दे दिया गया। उन्होंने कहा कि जब यह आदेश आया तो मेरा दिल बैठ गया। मुझे संदेह होने लगा कि क्या अदालत पक्षपाती है और क्या मुझे यहां न्याय मिल पाएगा। इसी कारण उन्होंने मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर मामले को किसी अन्य पीठ को स्थानांतरित करने का अनुरोध किया और फिर रिक्यूजल अर्जी दाखिल की।

पक्षपात न भी हो, लेकिन उचित संदेह काफी है

केजरीवाल ने तर्क दिया कि जज का वास्तविक पक्षपात होना जरूरी नहीं है। यदि संबंधित पक्षकार के मन में उचित और गंभीर संदेह है, तो न्यायमूर्ति को सुनवाई से अलग होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मेरे मन में आशंका है और मेरी यह छोटी-सी आपत्ति अदालत व पक्षकार के बीच का मामला है। इसमें सीबीआई का कोई अधिकार नहीं है और इसे पक्षकार नहीं बनाया जाना चाहिए।

ममता राममंदिर का विरोध करती हैं...बंगाल में ममता का चेला हुमायूं बाबरी मस्जिद बनाना चाहता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के प्रश्चिम मेदिनीपुर में चुनावी रैली को संबोधित कर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ममता बॉर्डर पर फेंसिंग के लिए जमीन नहीं दे रहीं हैं और बंगाल में घुसपैठ के लिए बीएसएफ को जबावदेह बता रही है। चुनाली रैली में लोगों को संबोधित कर केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा, आप लोग बेखौफ और बे-रोक-टोक मतदान करना। ममता बनर्जी के किसी भी गुंडे की मजाल नहीं है कि इस बार वहां बंगाल के किसी भी मतदाता को रोक सके। बड़ी संख्या में मतदान करते ही ममता की विदाई तय होगी।

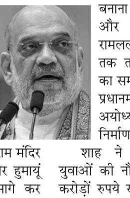

भाजपा नेता शाह ने हुमायूं कबीर को सीएम ममता बनर्जी का चेला बता दिया। उन्होंने कहा, ममता दीदी राम मंदिर का विरोध करती थीं और हुमायूं कबीर को बंगाल में आगे कर बाबरी मस्जिद बनाने का सपना दिखा रही हैं। ममता का चेला हुमायूं बंगाल में बाबरी मस्जिद बनाना चाहता है। कांग्रेस और ममता बनर्जी ने रामलला को 550 सालों तक तंबू के अंदर रखने का समर्थन किया। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण कराया।

शाह ने कहा, बेरोजगार युवाओं की नौकरियों में अरबों-करोड़ों रुपये खाने वाले टीएमसी के लोग मानते हैं कि हम लोगों ने कुछ नहीं किया होगा। मैं भतीजे को बता कर जाता हूं कि अपने भ्रष्टाचारियों को आगाह कर देना, बीजेपी उन्हें जेल की सलाखों के पीछे डालने का काम करेगी। ममता दीदी ने एक जमाने में पूरे भारत का औद्योगिक केंद्र माने जाने वाले बंगाल के युवाओं को बेरोजगार किया है। लेकिन भाजपा ने तय किया है कि बंगाल में बीजेपी सरकार बनते ही 5 बड़े इंडस्ट्रियल एस्टेट बनाकर पूरे बंगाल में इंडस्ट्री वापस लाने का काम पीएम मोदी करने वाले हैं।

भारतीय संविधान के शिल्पकार परम पूज्यनीय
भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब भीमराव आम्बेडकर जी
की जयंती पर हार्दिक शुभकामनाएं

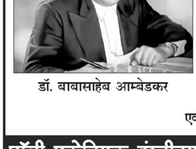

डॉ. बाबासाहेब आम्बेडकर

श्रीमती वंदना वैद्य
संचालक

एवं समस्त महाविद्यालय परिवार

पॉली एकेडिमक इंस्टीट्यूशन बिसोनी, लांजी
तह. लांजी जिला बालाघाट

अग्निशमन सेवा दिवस आज

जान जोखिम में डालने वाले कर्मचारियों पर नही दिया जा रहा ध्यान, कर्मचारियो का अभाव, राहत एंव बचाव के उपकरणों की भी बनी हुई है कमी, फायर कर्मियों की समस्याएं बरकरार,बीमा व उचित मानदेय भी नही

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वर्ष 1944 में कनाडा से गोला बारूद भरकर मुंबई आ रहे ब्रिटिश हुकूमत के विक्टोरिया डॉक(पानी के जहाज) में अज्ञात कारणों के चलते आग लग थी।जहा आग बुझाने के दौरान 2 बार भीषण विस्फोट हुआ था।उस हादसे में करीब 1300 लोगो की मौत हो गई थी तो वही लोगों की जान बचाने के दौरान 71 अग्निशमन कर्मियों ने अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे। उनकी वीरता और समर्पण को सम्मान देने के लिए हर साल 14 अप्रैल को अग्निशमन सेवा दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर अग्निशमन विभाग के उन शहीद वीर जवानों के साहस और बलिदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी जाती है,साथ ही आमजन को आग से बचाव के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया जाता है।जो हर साल की तरह इस साल भी मनाया जाएगा।लेकिन विडंबना यह है कि जिन कर्मचारियों के भरोसे शहर की सुरक्षा टिकी है, उनकी खुद की समस्याओं पर आज भी कोई ठोस ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जी हां हम बात कर रहे है नगरपालिका के अग्निशमन विभाग की, जहा कार्यरत अग्निशमन सेवा से जुड़े कर्मचारियों की स्थिति बेहद चिंताजनक बनी हुई है। कर्मचारियों का आरोप है कि उन्हें आज तक न तो उचित मानदेय दिया जा रहा है और न ही उनका नियमितीकरण किया गया है।वर्षों से सेवा देने के बावजूद वे अस्थायी स्थिति में काम करने को मजबूर हैं।

जोखिम में जान डालकर करते हैं सेवा

अग्निशमन कर्मी हर दिन अपनी जान जोखिम में डालकर आगजनी, दुर्घटनाओं और आपातकालीन स्थितियों में लोगों की जान-माल की रक्षा करते हैं। इसके बावजूद उन्हें मूलभूत सुविधाएं तक नहीं मिल पाना, व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है।अग्निशमन सेवा दिवस के अवसर पर एक बार फिर कर्मचारियों ने अपनी मांगों को दोहराते हुए शासन-प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है।

बेहद कम मान्यदेय, नियमितीकरण भी नही

फायर कर्मियों का कहना है कि उन्हें मिलने वाला मानदेय बेहद कम है, जिससे परिवार का भरण-पोषण करना मुश्किल हो रहा है। कई बार इस संबंध में अधिकारियों को ज्ञापन भी सौंपे गए, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।इतना ही नहीं, कर्मचारियों को न तो बीमा सुविधा मिल रही है और न ही पेंशन जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ मिल रहा है। जोखिम भरे कार्य के बावजूद सुरक्षा के अभाव ने उनकी चिंता और बढ़ा दी है।

सरेखा कोसमी में आग बुझाने के दौरान एक कर्मचारी हो चुका है शहीद

प्राप्त जानकारी के अनुसार करीब 20 वर्ष पूर्व सरेखा कोसमी में लगी भीषण आग को बुझाने के दौरान भोला पुरी गोस्वामी नामक एक दमकलकर्मी कच्चे मकान से अनियंत्रित होकर कुए में गिर गया था, बावजूद इसके,भी दमकल अमले को समुचित संसाधन व सुरक्षा मुहैया कराने में लापरवाही पूर्ण रवैया अपनाया जा रहा है, जिससे गर्मी के दौर में भी बालाघाट के दमकल कर्मी अपनी जान को जोखिम में डाल कर आग बुझाने मजबूर है।ज्ञात हो कि अपनी जान को जोखिम में डाल आग पर काबू पाने के साथ ही आग में फंसे लोगों को सुरक्षित बहादुरी के साथ बाहर निकालने का काम दमकल अमला सालों से करता आ रहा है, और इस दौरान दमकलों कर्मियों को अपनी जान से भी हाथ धोना पड़ जाता है।फिर भी ना तो उन्हें पर्याप्त संसाधन व सुरक्षा दी जा रही है।ना ही उन्होंने कुशल श्रमिक के तहत मान्यदेय दिया जा रहा है।इतना ही नही बीमा व पेंशन की भी कोई व्यवस्था नही बनाई गई है।

पर्याप्त उपकरणों के साथ साथ कर्मचारियों की भी कमी

अब बालाघाट जिला पहले जैसा नही रहा, यहां अब महानगरों की तर्ज पर ऊची-ऊंची इमारते भी बनने लगी है, जानकारी के अनुसार आग लगने की स्थिति में दमकल अमले के पास बेसिक संसाधनों की कमीं बनी हुई है, आग लगने के दौरान अंदर घुसकर आग बुझाने के लिए अमले के पास आक्सीजन मास्क तक नहीं है, और लोगों व स्वयं की जान बचा सके इसके लिए नेट तक नहीं है। इतना ही नहीं फायर सेफ्टी, फायर सिलेंडर, नोजल, गन नोजल, होस पाइप,सेफ्टी ग्लप्स, लांग शूज सहित अन्य संसाधन भी नहीं है। इतना ही नही विभाग में कर्मचारियों का टोटा भी देखा जा रहा है।बालाघाट नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत आग पर काबू पाने के लिए चार दमकल वाहन है, और एक वाहन में तीन फायर मेन व एक चालक की आवश्यकता होती है, इसके एवज यहां महज 6 फायर मेन और दो वाहन चालक है, जिससे एक साथ चारों फायर वाहन की आवश्यकता पड़ने की स्थिति में गंभीर स्थिति निर्मित हो जाती है।

तीन शिफ्टों में होता है काम

ज्ञात हो कि बालाघाट अग्निशमन का यह अमला आवश्यकता पड़ने पर बालाघाट जिले के अलावा पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र के गोंदिया व अन्य स्थानों तक भी आग बुझाने जाता है, जिनकी पहली शिफ्ट सुबह 8 बजे से लेकर 4 बजे तक, दूसरी शिफ्ट 4 बजे से लेकर 12 बजे तक व तीसरी शिफ्ट 12 बजे से लेकर सुबह आठ बजे तक लगती है, और तीन शिफ्ट के आधार पर फायर मेन व दमकल अमला मिलाकर कुल 60 अमले की आवश्यकता है।

विशेष ट्रेनिंग और डिप्लोमा के बावजूद ना उचित मानदेय, ना बीमा

वैसे तो बालाघाट नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत आने वाला दमकल का यह अमला तकनीकी रुप से प्रशिक्षत व डिप्लोमा धारी भी है, बावजूद इसके यहां किसी अमले को अद्धकुशल तो किसी को अकुशल के आधार पर मानदेय दिया जा रहा है, वहीं किसी कर्मचारी को दस तो किसी को इससे भी अधिक समय हो चुका है, इससे भी गंभीर स्थिति ये है कि किसी भी कर्मचारी को बीमा सुरक्षा का फायदा तक नहीं दिया जा रहा है, ऐसे में आग बुझाने के दौरान किसी भी प्रकार की गंभीर दुर्घटना की स्थिति निर्मित होने पर पीड़ित व उसके परिवार को काफी कुछ नुकसान उठाना पड़ सकता है।बताया गया कर्मचारियों द्वारा कई बार आवेदन निवेदन कर कुशल श्रमिक के हिसाब से मान्यदेय देने, सामाजिक सुरक्षा के लिए बीमा पेंशन का लाभ देने की मांग की है।लेकिन हर बार उन्हें सिर्फ और सिर्फ आश्वासन ही हाथ लगा है।

कई बार आवेदन निवेदन कर चुके है कुछ नही हुआ- मानेश्वर

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान दमकल शाखा प्रभारी कमलेश मानेश्वर ने बताया की बालाघाट दमकल विभाग में मानव संसाधन, सुरक्षा उपकरण व अन्य संसाधनों की कमीं को लेकर कई बार मौखिक व लिखित रुप से नगरीय प्रशासन को अवगत कराया जा चुका है, समुचित इंतजाम वरिष्ठ स्तर से किए जाने है, इस संबंध में वहीं से समुचित जानकारी मिल पाएगी। पिछली बार मानदेय बढ़ाने व सभी कर्मचारियों का बीमा करने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन वह आश्वासन आज तक पूरा नहीं हुआ है। हमें उम्मीद है कि नगर पालिका द्वारा जल्द ही हमारे विषय में कोई उचित निर्णय लिया जाएगा।

सिंधु भवन में सामाजिक सद्भावना बैठक संपन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट नगर में निवासरत जाति समाज के प्रमुख सामाजिक पदाधिकारी सक्रिय कार्यकर्ता बहनों एवं नागरिकों को अपने-अपने समाज में चल रहे अच्छे कार्य जिसके माध्यम से समाज में

सुधार हो इसी भावना से स्थानीय सिन्धु भवन एक वृहद बैठक आयोजित की गई जिसमें 45 जाति, समाजों को सुचना प्रदान की गई थी, उसमें 38 जातियों के 115 पुरूष एवं 27 महिलाओं ने बैठक में सहभागिता की।इस बैठक में सिवनी से पधारे श्री हरकचंद समाजसेवी द्वारा अपने उद्बोधन में कहा कि हम सभी भारत माता की संतान है, समाज के विभिन्न वर्गों के बीच संवाद, सहयोग एवं आत्मीयता बढ़े कोई अगड़ा नही कोई पिछड़ा नही, हम सभी भारतीय संस्कृति में पले बढ़े है, एक-दूसरे के तीज-त्यौहार में शामिल हो, समाज के लोगों में नशा मुक्त समाज कैसे बने, उच्च शिक्षा के लिए कैसी प्रेरणा ले, कृषि को लाभदायक बनाये, ऐसे अनेको विषय हो सकते है, जिसके माध्यम से समाज जीवन में आगे बढ़े, हमारे समाजों में विभिन्न संत-महात्मा, समाज-सुधारकों ने जन्म लिया, देखा जाता है कि वही समाज अपने- अपने महापुरूष की जयंती मनाते, वंदना करते है। होना यह चाहिए, हमें उनके कार्यक्रमों, उत्सवों में सम्मिलित होकर, एकता का भाव स्थापित करना है। कालान्तर में कुछ कमी रह गई होगी, जिसके कारण हम पीडित रहे हमने गुलामी का दंश झेला, अंग्रेजो के शासन से मुगलकाल तक हमारी संस्कृति को नष्ट किया गया, जातियों में असंतोस विवाद करने के प्रयास लगातार चलते रहते, समाज विरोधी शक्तियाँ, षडयंत्र करती है, इनसे सजग-सावधान होकर हमें मिलकर कार्य करना है। बैठक की अध्यक्षता- वैभव कश्यप (समाज सेवी), संचालन- रवि श्रीवास्तव एवं आभार- सुनील खोटेले द्वारा किया गया।

कार्यालय ग्राम पंचायत कुकड़ा, जनपद पंचायत बालाघाट, जिला-बालाघाट

क्रं./क्यू/२०२६ दिनांक-१३-०४-२०२६

निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत कुकड़ा जनपद पंचायत बालाघाट अंतर्गत वर्ष २०२६-२७ हेतु दिनांक ०१-०४-२०२६ से ३१-०३-२०२७ की अवधि के लिए १५ वित्त, ५वां वित्त, मनरेगा, विधायक निधि, गौण खनिज पंचायत निधि, जनपद निधि, जिला पंचायत निधि, स्वच्छ भारत मिशन आदि अन्य मदों से विभिन्न विकास कार्यों के लिए प्रयुक्त निर्माण सामग्री, इलेक्ट्रानिक उपकरण, पुल पुलिया, पाईप, फोटो कापी स्टेशनरी, कम्प्यूटर सामग्री एवं बल्व, पंखे, डस्टबिन, सीमेंट कुर्सी, फेंसिग पोल, तार, भवन निर्माण सामग्री आदि क्रय हेतु तथा इससे संबंधित उपकरण ईट, रेत, ट्रेक्टर, मिक्सर मशीन, सेंटरिंग, मिट्टी, मुरम एवं अन्य सामग्री के लिए निविदा १३-०४-२०२६ से १६-०४-२०२६ तक सीलबंद लिफाफे में आमंत्रित की जाती है। निविदाकर्ता का फर्म रजिस्टर्ड होना आवश्यक है। निविदा कार्यालयीन समय में ग्राम पंचायत कुकड़ा मे जमा कर सकते है। निविदा के संबंध में अंतिम निर्णय ग्राम पंचायत का होगा।

निवेदक
सरपंच श्रीमती पुष्पा राहंगडाले, उपसरपंच श्री कंकर बसेने, सचिव शेख शहीद, रोजगार सहायक सुमित्रा यादव एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत कुकड़ा, जनपद पंचायत बालाघाट

बाबा साहेब अंबेडकर की 135 वी जयंती आज

पूर्व संधा पर युवाओ ने नगर में निकाली बाईक रैली, भीम गीतों पर थिरके युवा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसीलो व ग्रामीण अंचलों में मंगलवार 14 अप्रैल को भारतीय संविधान के रचयिता डॉ बाबासाहेब अंबेडकर की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी। जहां जगह-जगह सुबह से लेकर देर शाम तक विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाएंगे। इस दौरान बाबा साहेब आम्बेडकर के अनुयायी सुबह आंबेडकर चौक पहुचकर बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष ज्योत जलाकर पुष्प अर्पित कर,शीश वंदन के साथ विशेष उपासना करेंगे।तो वही बौध्य अनुयायियों द्वारा जगह-जगह दिन भर विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाएंगे।जिसकी तमाम तैयारी पूर्ण कर ली गई है।वही जिले के तमाम अंबेडकर स्मारक, प्रतिमाओं, बौध्य विहार, को रंग कर बिरंगी लाइटिंग ,तोरण और आकर्षक सज्जा के साथ सजाया गया है।तो वही नगर के आम्बेडकर चौक में विशेष सजावट की गई है। जहां 14 अप्रैल की सुबह से लेकर देर शाम तक विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाएगे।

पूर्व संधा पर युवाओ ने निकाली बाईक रैली, देर रात की गई आतिशबाजी

सार्वजनिक जयंती समारोह समिति के तत्वावधान में अंबेडकर जयंती की पूर्व संधा पर विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।जहां 13 अप्रैल को शाम 6 बजे अंबेडकर चौक से मोटर साइकिल रैली निकाली गई। जो अंबेडकर चौक से हनुमान चौक ,वहां से बाईपास रोड होते हुए संविधान चौक, वहां से बस स्टैंड रानी अवंती बाई चौक, वहां से बिरसा मुंडा चौक, होते हुए जय स्तंभ चौक पहुँची।जहां जय स्तंभ चौक से होकर यह रैली सीधे अंबेडकर चौक पहुंची। जहां इस रैली का समापन किया जाएगा।जहा रैली में शामिल युवाओ ने बाबा साहेब अम्बेडकर का जमकर जयघोष किया। तो वही इस रैली में शामिल युवा भीम गीतों पर जमकर ठुमके लगाते हुए नजर आए।जिसके बाद रात 9 बजे से बहुजन महापुरुषों पर आधारित गीतों पर नवरंग लावनी एवं आर्केष्ट्रा का आयोजन स्थानीय उत्कृष्ट स्कूल मैदान में किया गया। जिसके बाद 12 बजते ही व 14 अप्रैल के शुरु होते ही आतिशबाजी कर बाबा साहेब आंबेडकर की जयंती मनाई गई।

11अप्रैल से हो चुकी है आंबेडकर जयंती की शुरुवात

संविधान निर्माता डॉ बाबासाहेब आंबेडकर की 135 वी जयंती बालाघाट जिले में धूमधाम के साथ मनाई जा रही है। जिला मुख्यालय में अंबेडकर जयंती के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।यह कार्यक्रम महात्मा फुले एवं बाबासाहेब आंबेडकर सार्वजनिक जयंती समारोह समिति के तत्वाधान में कराए जा रहे हैं। इसकी शुरुआत समानता पर्व के रूप में 11 अप्रैल को महात्मा फुले जी की जयंती के साथ ही हो गई है।

आज इन कार्यक्रमों के होंगे आयोजन

11 से 14 अप्रैल तक आयोजित समानता पर्व के अंतिम दिन 14 अप्रैल को संविधान रचयिता डॉ बाबासाहेब अंबेडकर की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी उसके तहत दिनभर विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाएंगे। इस दौरान मंगलवार सुबह 8 बजे विभिन्न स्थानों से झांकिया व रैलियां स्थानीय अम्बेडकर चौक पहुंचेगी। यहां पर बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर, सामूहिक बुद्ध वंदना पूज्य भंते धम्मशिखर द्वारा की जाएगी। इसके उपरांत आल इंडिया समता सैनिक एवं समता सैनिक दल द्वारा मार्चपास्ट कर ,सलामी दी जाएगी।जिसके बाद विभिन्न वार्डों से आई झांकियो एवं रैली का स्वागत वंदन किया जाएगा और प्रात करीब 10 बजे बाबा साहेब आंबेडकर चौक से भव्य रैली नगर भ्रमण के लिए निकलेगी, जो नगर के विभिन्न मार्गो का भ्रमण करते हुए वापस डॉ. अंबेडकर चौक पहुँचेगी।जहां इस रैली का समापन किया जाएगा।तो वही नगर के उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में भोजनदान कार्यक्रम संपन्न कराया जाएगा।वहीं 14 अप्रैल शाम 7 बजे से नगर के उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में मंचीय कार्यक्रम कराए जाएंगे। इसके उपरांत मिशनरी कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।जिसमें बालाघाट सहित विभिन्न जगहों से आने वाले कवि अपनी विभिन्न रचनाओं की प्रस्तुति देंगे। जिसका देर रात समापन किया जाएगा।

ग्राम धड़ी में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का अनावरण सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। परम प्रतापी छत्रपति शिवाजी महाराज की अश्वारोही प्रतिमा का विगत 12 अप्रेल रविवार सायं 6 बजे ग्राम धड़ी में अनावरण किया गया, दोपहर 12 बजे से ग्राम धड़ी के सैकड़ो महिलाओं, पुरूषों, बच्चों के साथ ढोल-ताशे एवं घोड़े पर सवार शिवाजी महाराज व जीजा-माता की झांकी के साथ ग्राम भ्रमण कर जय भवानी, जय शिवाजी का उदघोष कर गुंजायमान किया गया।यह कार्यक्रम प्रगतिशील कुनबी

समाज ग्राम धड़ी के तत्वाधान में आयोजित किया।जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मौसम बिसेन सदस्य पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग द्वारा अपने उद्बोधन में कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने मुगलों से लडकर भारत में सुदूर रायगढ़ महाराष्ट्र से आगरा तक हिन्दवी साम्राज्य की स्थापना की, शिवाजी की माता जीजा बाई ने बचपन से अच्छे संस्कारों के माध्यम से शिवाजी को राष्ट्र नायक बनाने का कार्य किया।कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षा विद् पूर्व प्रदेश, महिला अध्यक्षा श्रीमति लता एलकर ने अपने विचारों में कहा कि, शिवाजी महाराज की माता जीजा बाई ने अपने पति के गुलाम की भाँति मुगल सलतनत में रहकर नौकरी कर रहे है, ऐसे में शिवाजी के जन्म के पूर्व ही जीजा माता पति को छोड़कर अपने पिता के यहाँ रहकर गुलामी की परछाई से दूर होकर शिवाजी का जन्म शिवनेरी किले में 19 फरवरी 1627 ई. को हुआ, बाल्य काल से ही माता ने धर्म शास्त्र, न्याय शास्त्र एवं शौर्य के लिए सस्त्र शिक्षा के माध्यम से बाल शिवा को निर्भीक, निडर, साहसी बनाकर, देश के लिए लड़ने वाला वीर योद्धा बनाया। अन्य वक्ताओं में अध्यक्ष- सुनील खोटेले ने कहा कि आज शिवाजी महाराज के समय का युद्धकाल नही है।आज तलवार के स्थान पर कलम से लड़ने की आवश्यकता है। नारी-शिक्षा, आत्म-रक्षा में आगे बढ़े पारिवारिक स्थिति को मजबूत करें, खर्चीले विवाह न कर सामुहिक विवाह का आयोजन करें, प्रमुख रूप से उपस्थित जिला पंचायत सदस्य- चेतना कुर्राहे, गोंदिया से पधारे प्राचार्य अमित बुद्धे, मंडल अध्यक्ष रजेगाँव- सेवक कुथे ने विचार व्यक्त किये।मंचासीन प्रमुख अतिथियों में बालाघाट से श्रीराम दानी-महासचिव, अरविन्द पारधी, रमेश पेन्ढारकर, प्रदीप पेन्ढारकर, सरपंच-भूपेन्द्र बुडेकर, बेनीराम झलपे, श्रीमती पुनेश्वरी बाई ठवकर, धुरपता बाई बान्ते, चेतन लाल बांते, डाँ. तरूण बाघे रहे।कार्यक्रम की सफलतार्थ आयोजन समिति के अध्यक्ष- पुरूषोत्तम बान्ते, तुलसीराम शेण्डे, आत्माराम डोरस, नेवजी शेण्डे, सुरेन्द्र डोरस, कैलाश ठवकर, अरूण कुथे द्वारा किया गया।उक्त जानकारी महासचिव श्रीराम कुथे द्वारा प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई।

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी जिला बालाघाट (म.प्र.)

क्रमांक / २०६९ / अति.कले. / वि.पंजी / २०२६
बालाघाट दिनांक ०८/०४/२०२६

आम-सूचना

हिन्दू विवाह रजिस्ट्रेशन नियम १९८४ के नियम (१) ४ के अन्तर्गत प्रारूप एक में विवाह के रजिस्ट्रीकरण हेतु आवेदकगण आवेदक पतिराम डोंगरे उम्र ६६ वर्ष पिता स्व. गोंदल डोंगरे जाति महार निवासी ग्राम बटरमारा तहसील किरनापुर जिला बालाघाट (म.प्र.) एवं आवेदिका आशा डोंगरे उम्र ६३ वर्ष पति पतिराम डोंगरे निवासी ग्राम बकोड़ा तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.) ने उपस्थित होकर आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है, जिसमें उन्हें विवाह पंजीयन जारी किया जाना है। विवाह पंजीयन हेतु सुनवाई दिनांक २२/०४/२०२६ को नियत की गई है।

अत: उक्त विवाह पंजीयन के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति है तो वह सुनवाई दिनांक २२/०४/२०२६ तक न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी बालाघाट के समक्ष न्यायालयीन समय प्रात: ११ बजे उपस्थित होकर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। नियत समयावधि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अपर कलेक्टर
एवं रजिस्ट्रार हिन्दू विवाह
जिला-बालाघाट

श्री सेनजी महाराज की जयंती आज, धूमधाम आयोजित होंगे कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला सेन समाज बालाघाट द्वारा प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी संत शिरोमणि सेन जी महाराज की 726 वीं जन्म जयंती एवं महोत्सव धूमधाम से हर्षोल्लास के साथ 14 अप्रैल को मनाई जाएगी। इस अवसर पर सुबह 9-30 बजे सेन मंदिर गर्रा बालाघाट में सभी स्वजातीय बंधुओं के द्वारा सेन जी महाराज की पूजा अर्चना व आरती कर महाप्रसादी वितरण किया जाएगा। तत्पश्चात पॉलीटेकनिक कॉलेज समीप सेन चौक में पहुंचकर सेन जी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पूजा अर्चना की जाएगी। इस अवसर पर जिला सेन समाज बालाघाट के पदाधिकारी व सदस्यों ने समस्त स्वजातीयजनों से अधिकाधिक उपस्थिति की अपील की है।

किराये से देना है

काली पुतली चौक बालाघाट मेन रोड पर स्थित स्टेट बैंक के बाजू में कमरा, ऑफिस एवं दुकान के लिये किराये से देना है।

संपर्क करें- 8516809720

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

14 अप्रैल से पैक्स समितियों में नवीन सदस्यता अभियान प्रारंभ

डॉ. बी.आर. अम्बेडकर जयंती से होगा अभियान प्रारंभः सीईओ बघेल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक मृणाल मीना के मार्गदर्शन में बैंक सीईओ अभिनव सिंह बघेल ने जानकारी देते हुए बताया कि 14 अप्रैल 2026 डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती से बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सकारी समितियों में नवीन सदस्य बनाने को लेकर अभियान प्रारंभ किया जाएगा।

इस दौरान पैक्स समितियों को अधिक से अधिक नवीन सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। श्री बघेल ने बताया कि प्रबंध संचालक अपेक्स बैंक भोपाल द्वारा प्राप्त दिशा निर्देश अनुसार 14 अप्रैल 2026 को 131 पैक्स मुख्यालय पर सदस्यता अभियान का शुभारंभ किया जावेगा, 14 अप्रैल से 20 अप्रेल 2026 तक गैर सदस्य किसानों की पहचान कर पैक्स का सदस्य बनने हेतु जागरूक करना, 21 अप्रैल से 30 अप्रेल तक इच्छुक किसानों से आवेदन प्राप्त करना, 1 मई से 5 मई 2026 तक आवेदन का निराकरण एवं नियमानुसार बैठक आयोजित कर सदस्यों को सूचित करना तथा 6 मई से 15 मई तक नवीन सदस्यों को ऋण वितरण हेतु आवश्यक तैयारी किया जावेगा।

लांजी में बैंक सीईओ और गी में प्रबंधक लेखा करेंगे शुभारंभ

म.प्र. शासन द्वारा घोषित कृषण कल्याण वर्ष 2026 अंतर्गत बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों में 14 अप्रैल को 131 स्थानों में नवीन सदस्यता अभियान की शुरूआत की जावेगी। इसी तारतम्य में जिला बैंक मुख्यालय स्तर पर दो टीम बनाई गई है। जिसके चलते पैक्स समिति लांजी में अभिनव सिंह बघेल बैंक सीईओ, एम.एल. यादव विपणन अधिकारी एवं पैक्स समिति गी पी.जोशी प्रबंधक लेखा, बैंक मुख्यालय के अधिकारियों की उपस्थिति में सदस्यता अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ करेगे। इस अवसर पर शाखा प्रबंधक, पैक्स समितियों के कर्मचारियों उपस्थित रहेंगे। श्री बघेल ने जिले के सभी कृषको से अपने कार्यक्षेत्र के पैक्स समिति में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थिति की अपील की गई है।

सामने से आ रहे अज्ञात वाहन की तेज लाइट से चौधाई आँखे

मोटसाइकिल अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराई एक युवक की मौत, महिला घायल

महिला का लालबर्रा अस्पताल में चल रहा उपचार, ढेड़ साल के बालक सहित अन्य 2 सुरक्षित, रिसेप्शन से लौटते वक्त नेवरगांव-कंजई घाटी के बीच की घटना

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

रात के समय वाहनों से निकलने वाली तेज लाइट की रोशनी भी सड़क हादसों को बढ़ा रही है।बीती रात लालबर्रा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम नेवरगांव से कंजई घाटी मार्ग के बीच सामने से आ रहे अज्ञात वाहन की तेज लाइट से अलग-

अलग मोटरसाइकिल चला रहे युवकों के आंखों के सामने अंधेरा छा गया, जहां मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर गिरने से मोटरसाइकिल में सवार एक महिला सहित एक युवक गम्भीर रूप से घायल हो गए।जिसमे से युवक की देर रात उपचार के दौरान जिला अस्पताल में मौत हो गई, तो वही सड़क हादसे में गम्भीर रूप से घायल महिला का लालबर्रा के अस्पताल में उपचार जारी है। मृतक का नाम जिला सिवनी,थाना हुगली, ग्राम गुरेरामाल निवासी 20 वर्षीय संदीप पिता बीरबल मड़ावी बताया गया है। जबकि इस सड़क हादसे में इसी गांव की रहने वाली 23 वर्षीय महिला रोशनी पति बस्तीराम धुर्वे, गंभीर रूप से घायल है।जिसका लालबर्रा अस्पताल में उपचार जारी है।वही इस सड़क हादसे में रोशनी का डेढ़ वर्ष का पुत्र लक्ष्मण धुर्वे, मोटरसाइकिल चालक 26 वर्षीय बस्तीराम पिता रमेश धुर्वे और आर्यन पिता राजन सिल्हारे 23 वर्ष सभी सुरक्षित बताए गए हैं।

रिसेप्शन से लौटते वक्त हुआ हादसा

प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार रात को लालबर्रा के धुर्वे परिवार के यहां लड़के के विवाह की रिसेप्शन पार्टी थी। जिसमें शामिल होने सिवनी जिले के उगली थाना अंतर्गत गुरेरामाल से संदीप मढ़ावी, बस्तीराम धुर्वे उसकी पत्नी रोशनी धुर्वे, पुत्र लक्ष्मण और आर्यन सिल्हारे लालबर्रा आए थे । जहां पार्टी में शामिल होने के बाद सभी रात्रि तकरीबन 1 बजे, वह लालबर्रा से दो मोटर सायकिल में सवार होकर घर गुरेरामाल जा रहे थे। इस दौरान एक मोटर सायकिल में बस्तीराम के साथ संदीप बैठा था। जबकि दूसरी मोटर सायकिल में आर्यन के साथ रोशनी और उसका मासुम बच्चा था। बस्तीरारम, संदीप के साथ आगे चल रहा था। इसी दौरान नेवरगांव और कंजई घाटी के बीच, सिवनी की ओर से आ रहे एक चौपहिया वाहन की लाईट की रोशनी, बस्तीराम की आंखो में पड़ी और उसका वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गया। जिसके बाद आर्यन की भी मोटर सायकिल अनियंत्रित हो गई। जिसके साथ बैठी रोशनी भी गिर गई। जिसमें संदीप और रोशनी घायल हो गए।

पीएम के बाद सौपा गया शव

उधर हादसे के बाद 108 एम्बुलेंस की मदद से दोनो ही घायलों को उपचार के लिए लालबर्रा अस्पताल लाया गया। जहां प्राथमिकी उपचार के बाद संदीप की गंभीर हालत को देखते हुए बेहतर उपचार के लिए रात्रि करीब 2 बजे उसे जिला अस्पताल रिफर किया गया था। जब घायल, संदीप को जिला अस्पताल लाया गया तो डॉ. ने उसे मृत घोषित कर दिया।उधर चिकित्सक से तहरीर मिलने पर अस्पताल चौकी पुलिस ने पंचनामा सहित अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी की, जिसके बाद शव को अस्पताल के फ्रिजर में रखा गया था।आज सोमवार सुबह परिजनों के ब्यान दर्ज कर,मर्ग कायम कर शव पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया है।

लालबर्रा पुलिस करेंगी मामले की जांच

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान अस्पताल चौकी प्रभारी ईश्वरदयाल पटले ने बताया कि मामले में शून्य पर मर्ग कायम कर अग्रिम कार्यवाही के लिए डायरी संबंधित थाना को भेजी जाएगी।इस मामले में आगामी जांच लालबर्रा पुलिस करेंगी।

मुरैना में वनरक्षक की मौत पर बालाघाट में श्रद्धांजलि, कर्मचारियों ने जताई नाराजगी

रेत माफियाओं की घटना के विरोध में कैंडल मार्च, ड्यूटी के दौरान मौत पर शहीद का दर्जा देने की उठी मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बीते दिनों मुरैना में रेत माफियाओं द्वारा एक वनरक्षक पर ट्रैक्टर चढ़ाने से हुई मौत के विरोध में मध्यप्रदेश वन एवं वन्यप्राणी संरक्षण कर्मचारी संघ द्वारा स्थानीय जयस्तंभ चौक में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने दिवंगत वनरक्षक को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि सभा के बाद कर्मचारियों ने कैंडल मार्च निकालते हुए रैली भी निकाली, जिसमें बड़ी संख्या में वन विभाग के कर्मचारी शामिल हुए। रैली के दौरान कर्मचारियों ने घटना की निंदा करते हुए दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। इस अवसर पर कर्मचारियों ने अपने ही विभाग के प्रति नाराजगी भी जाहिर की। उनका कहना था कि अन्य विभागों की तरह वन विभाग में ड्यूटी के दौरान मृत्यु होने पर कर्मचारियों को शहीद का दर्जा और उससे संबंधित सुविधाएं नहीं दी जातीं। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि इस तरह की घटनाओं में विभाग और वरिष्ठ अधिकारी अपेक्षित संवेदनशीलता नहीं दिखाते, जिससे कर्मचारियों में असंतोष बढ़ रहा है। उन्होंने मांग की कि ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले वनकर्मियों को शहीद का दर्जा देकर उनके परिवारों को उचित सम्मान और सुविधाएं प्रदान की जाएं।

मध्यप्रदेश के मुरैना जिले में 8 अप्रैल को अवैध रेत उत्खनन रोकने के दौरान वनरक्षक हरिकेश गुर्जर की रेत माफियाओं द्वारा ट्रैक्टर-ट्रॉली से कुचलकर मारे जाने की घटना के बाद पूरे प्रदेश में आक्रोश का माहौल है। इसी कड़ी में बालाघाट में वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा दिवंगत वनरक्षक को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विभागीय निर्देशों के तहत आयोजित किया गया था, लेकिन इस दौरान वन विभाग के कर्मचारियों का दर्द भी खुलकर सामने आया। श्रद्धांजलि सभा में मौजूद वन विभाग के कर्मचारी दिलीप बागडे, श्रीराम घरते सहित अन्य कर्मचारियों ने मीडिया से चर्चा के दौरान अपनी पीड़ा व्यक्त की। कर्मचारियों ने कहा कि वन विभाग में कार्यरत कर्मियों की ड्यूटी के दौरान मृत्यु होने पर उन्हें शहीद का दर्जा नहीं दिया जाता, जबकि वे लगातार जोखिम भरे हालात में काम करते हैं। उन्होंने बताया कि जंगलों में अवैध गतिविधियों को रोकने के दौरान उन्हें किसी प्रकार की सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध नहीं कराई जाती और न ही आत्मरक्षा के लिए कोई हथियार दिए जाते हैं। वन कर्मियों का कहना है कि वे अपनी जान जोखिम में डालकर कर्तव्य निभाते हैं, लेकिन इसके बावजूद विभाग की ओर से उन्हें पर्याप्त सुरक्षा, संसाधन और सम्मान नहीं मिल पाता। यहां तक कि शहीद होने पर मिलने वाली सुविधाएं और सहायता भी उनके परिवारों को नहीं दी जाती, जिससे कर्मचारियों में असंतोष बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि विभागीय स्तर पर उनकी समस्याओं और मांगों पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया जाता। कर्मचारियों का कहना है कि अवैध उत्खनन जैसे मामलों में पुलिस और अन्य विभागों का सहयोग भी उन्हें समय पर नहीं मिल पाता, जिससे उनकी स्थिति और अधिक जोखिमपूर्ण हो जाती है। श्रद्धांजलि सभा के दौरान यह बात भी सामने आई कि विभागीय निर्देश होने के बावजूद कई वरिष्ठ अधिकारी इस कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हुए, जिसे कर्मचारियों ने दुर्भाग्यपूर्ण बताया। वन कर्मियों ने मांग की है कि उनकी सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाए, आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएं और ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले कर्मचारियों को शहीद का दर्जा देकर उनके परिवारों को उचित सहायता प्रदान की जाए। उन्होंने कहा कि मुरैना की इस घटना ने उन्हें गहराई से आहत किया है और यदि समय रहते उनकी समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया गया, तो इससे उनका मनोबल प्रभावित होगा। कर्मचारियों ने शासन और विभाग से अपेक्षा जताई है कि वे वन कर्मियों के हितों को ध्यान में रखते हुए ठोस कदम उठाएं, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं को रोका जा सके।

नेवरगांव में जल जीवन मिशन की नल-जल योजना बंद, लाखों खर्च के बाद भी ग्रामीण परेशान

लाखों की योजना बनी बेकार, पाइपलाइन लीकेज और तकनीकी खामियों से पानी सप्लाई बंद

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के जनपद पंचायत बालाघाट क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत नेवरगांव में जल जीवन मिशन के तहत बनाई गई नल-जल योजना ग्रामीणों के लिए राहत के बजाय परेशानी का कारण बन गई है। करीब 60.78 लाख रुपये की लागत से तैयार इस योजना का उद्देश्य गांव के हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना था, लेकिन वर्तमान में यह योजना पूरी तरह ठप पड़ी है। जानकारी के अनुसार, इस योजना के तहत करीब 3 हजार की आबादी और लगभग 1500 मतदाताओं को लाभान्वित करने के लिए पानी की टंकी निर्माण, पाइपलाइन बिछाने और घर-घर नल कनेक्शन देने का कार्य किया गया था। वर्ष 2023 में बड़े स्तर पर इसका भूमिपूजन किया गया और इसे ग्रामीणों के लिए बड़ी सौगात बताया गया था। शुरुआत में करीब 10 दिनों तक पानी की सप्लाई भी हुई, जिससे ग्रामीणों में उम्मीद जगी, लेकिन कुछ ही समय बाद योजना बंद हो गई। ग्रामीणों का आरोप है कि तकनीकी खामियों और रखरखाव की कमी के कारण यह योजना ठप हो गई। लाखों रुपये खर्च कर बिछाई गई पाइपलाइन जगह-जगह से लीकेज हो रही है, जिससे पानी घरों तक नहीं पहुंच पा रहा। इसके चलते ग्रामीणों को आज भी पुराने जलस्त्रोतों पर निर्भर रहना पड़ रहा है और उन्हें रोजमर्रा की जरूरतों के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। गांव के निवासी संतोष ने बताया कि पाइपलाइन की स्थिति खराब हो चुकी है और कई स्थानों पर पानी व्यर्थ बह रहा है, जिससे पर्याप्त दबाव नहीं बन पाता और अधिकांश घरों तक पानी नहीं पहुंचता। ग्राम पंचायत की सरपंच संगीता जैतवार ने भी चिंता जताते हुए कहा कि शासन द्वारा लाखों रुपये खर्च कर बनाई गई योजना का लाभ ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने संबंधित विभाग से मांग की है कि योजना की जांच कर खामियों को दूर किया जाए और इसे जल्द से जल्द पुनः शुरू किया जाए। सरपंच ने बताया कि वर्तमान में गर्मी का मौसम शुरू हो चुका है और पानी की समस्या गंभीर रूप ले सकती है। यदि समय रहते सुधार नहीं किया गया, तो ग्रामीणों को और अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। ग्रामीणों का कहना है कि यह योजना सरकारी दावों और जमीनी हकीकत के बीच के अंतर को उजागर करती है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ, तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

शौर्य दिवस को लेकर बैठक सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आगामी 28 अप्रैल को भोपाल में होने जा रही राजा हिरदेशाह लोधी के पुण्यतिथि के अवसर पर विशाल शौर्य दिवस कार्यक्रम को लेकर बालाघाट के गायखुरी स्थित लोधी मंगल भवन में बैठक आयोजित की गई। 12 अप्रैल को लोधी मंगल भवन बालाघाट में आलोक संगठन के मार्गदर्शक लोकेश लिल्हारे कमिश्नर जीएसटी जबलपुर एवं सरोज गिरिया मुख्य अभियंता मध्य प्रदेश विद्युत मंडल जबलपुर व आलोक के प्रदेश अध्यक्ष के मुख्य आतिथ्य में आलोक के पदाधिकारी एवं सदस्यों की बैठक आयोजित की गई। जिसमें 28 अप्रैल की भोपाल की शौर्य यात्रा को सफल बनाने व यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने व्यापक तौर पर चर्चा की गई और सभी से सुझाव साझा किये गये। जीएसटी कमिश्नर लोकेश लिल्हारे व मुख्य अभियंता सरोज गिरिया ने भोपाल के कार्यक्रम में आलोक संघ से जु ? सभी पदाधिकारियों से भोपाल के शौर्य दिवस कार्यक्रम में हर किसी के योगदान देने व उसमें अपने स्तर पर सहयोग प्रदान करने को लेकर मार्गदर्शन दिया गया।बालाघाट से अधिकाधिक संख्या में लोगों के शामिल होने व उनके आवागमन को लेकर भी चर्चा की गई। बैठक में राष्ट्रीय संगठन सचिव सीडी नगपूरे आलोक के जिला अध्यक्ष प्रभु लाल पिछोड़े, प्रदेश महासचिव दुर्गा सौलखे, लोधी महासभा के प्रदेश सचिव धर्मपाल नागपुरे आलोक से श्रीराम बोहने, जिला उपाध्यक्ष आलोक ब्लॉक बालाघाट के ब्लॉक अध्यक्ष कन्हैया मसकरे,लालबर्रा ब्लॉक अध्यक्ष हितेन्द्र दमाहे, अरुण बिरनवार, सोमलाल बघेले, अनुज बसेने, धर्मेंद्र मंदरेले, लक्ष्मीकांत रनगिरे,सोहन उरोडे, सुभाष नगपूरे, दीपचंद बिरनवार, संतोष लिल्हारे, दर्शन नगपुरे एवं आलोक के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे। यह जानकारी आलोक संघ के प्रदेश महासचिव दुर्गा सौलखे द्वारा दी गई।

रहवासी क्षेत्र में शराब दुकान के खिलाफ फिर महिलाओं का विरोध

बूढ़ी रेलवे क्रॉसिंग के पास महिलाओं ने लाठी लेकर दिया धरना, दुकान हटाने की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर में रहवासी क्षेत्रों में संचालित शराब दुकानों के खिलाफ महिलाओं का विरोध लगातार तेज होता जा रहा है। महिलाएं इन दुकानों को आबादी वाले इलाकों से हटाकर अन्य स्थान पर संचालित किए जाने की मांग कर रही हैं। इसी कड़ी में शहर के बूढ़ी रेलवे क्रॉसिंग के पहले से संचालित शराब दुकान को हटाने के लिए वार्ड क्रमांक 11, 12 और 13 की महिलाओं ने एक बार फिर मोर्चा खोल दिया है। सोमवार शाम करीब 5 बजे लगभग 25 से 30 महिलाएं दुकान के सामने कुर्सियां लगाकर धरने पर बैठ गईं। प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने हाथों में लाठियां लेकर विरोध जताया और प्रतीकात्मक रूप से शराब खरीदने आने वाले लोगों को रोकते हुए दुकान हटाने की मांग की। उनका कहना है कि रहवासी क्षेत्र में शराब दुकान होने से सामाजिक वातावरण प्रभावित होता है और परिवारों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों पर इसका नकारात्मक असर पड़ता है। महिलाओं ने चेतावनी दी है कि जब तक शराब दुकान को यहां से हटाया नहीं जाता, तब तक उनका विरोध प्रदर्शन लगातार जारी रहेगा। शहर में नई शराब दुकानों के टेंडर जारी होने के बाद से ही रहवासी क्षेत्रों में संचालित दुकानों के खिलाफ विरोध लगातार तेज होता जा रहा है। वार्ड क्रमांक 2, 24 और 25 के बाद अब 13 अप्रैल को शहर के बूढ़ी स्थित वार्ड क्रमांक 13 में संचालित शराब दुकान को हटाने की मांग को लेकर महिलाओं ने खुलकर मोर्चा खोल दिया है। वार्ड की महिलाओं ने एकजुट होकर शराब दुकान के सामने धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया है। इस दौरान उन्होंने हाथों में लाठियां लेकर विरोध जताया और साफ तौर पर कहा कि जब तक दुकान को यहां से हटाया नहीं जाएगा, उनका आंदोलन जारी रहेगा। प्रदर्शन में शामिल महिला निर्मला गौतम ने बताया कि वे लंबे समय से इस शराब दुकान को हटाने की मांग कर रही हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि मजबूर होकर अब महिलाओं को सड़क पर उतरकर विरोध करना पड़ रहा है। महिलाओं का आरोप है कि शराब दुकान के कारण क्षेत्र में आए दिन विवाद, झगड़े और गाली-गलौज जैसी घटनाएं होती रहती हैं। दुकान के आसपास असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है, जिससे पूरे वार्ड का माहौल प्रभावित हो रहा है। खासतौर पर युवा पीढ़ी पर इसका नकारात्मक असर पड़ रहा है और वे नशे की ओर आकर्षित हो रहे हैं। प्रदर्शन कर रही महिलाओं का कहना है कि यह क्षेत्र पूरी तरह रहवासी है, जहां परिवार, बच्चे और बुजुर्ग रहते हैं। ऐसे में यहां शराब दुकान का संचालन सामाजिक वातावरण को खराब कर रहा है। उन्होंने मांग की है कि इस दुकान को तुरंत हटाकर शहर से बाहर किसी उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित किया जाए। महिलाओं ने चेतावनी दी है कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होती, वे शराब दुकान के सामने धरना देकर बैठी रहेंगी और किसी भी व्यक्ति को वहां से शराब खरीदने नहीं देंगी।

१९ अप्रैल को लालबर्रा में गुंजेगी शहनाई, जनपद कार्यालय से निकलेगी बारात

लालबर्रा विकासखंड की बेटियों को दी जायेगी प्राथमिकता, लक्ष्य से अधिक प्राप्त हुए आवेदन

बैठक में सामूहिक विवाह कार्यक्रम की तैयारी सहित अन्य बिन्दुओं पर की गई चर्चा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह योजना के अंतर्गत आगामी १९ अप्रैल को जनपद पंचायत लालबर्रा द्वारा भव्य सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन की तैयारियों को लेकर सोमवार को जनपद पंचायत कार्यालय के सभाकक्ष में सामान्य सभा की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी चंदरसिंह मंडलोई सहित विभिन्न सभापति, जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह योजना के तहत प्राप्त आवेदनों की समीक्षा की गई। जिसमें बताया गया कि शासन द्वारा इस वर्ष २०० जोड़ों के विवाह का लक्ष्य रखा गया है। लेकिन उत्साहजनक प्रतिक्रिया के चलते साढे तीन सौ से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। आवेदनों की संख्या लक्ष्य से अधिक होने के कारण समिति ने निर्णय लिया है कि चयन प्रक्रिया में सबसे पहले लालबर्रा विकासखंड की बेटियों को प्राथमिकता दी जायेगी और लक्ष्य के अनुसार लालबर्रा विकासखण्ड की बेटियों की संख्या कम होने पर दुसरे विकासखण्ड की बेटियों को शामिल कर उन्हे योजना का लाभ दिलवाया जायेगा।

जनपद से निकलेगी बारात, कॉलेज परिसर में होगा आयोजन

आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत होने वाले सामूहिक विवाह कार्यक्रम पर विस्तार से चर्चा की गई। जिसमें शासन की महत्वकांक्षी योजना मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत १९ अप्रैल को लालबर्रा जनपद में होने वाली सामूहिक विवाह की तैयारी, किस स्थान से बारात निकलेगी सहित अन्य बिन्दुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही इस योजना का लाभ लेने के लिए कितने आवेदन जमा हुए है उसकी जानकारी ली गई। जिसमें सामूहिक विवाह में विवाह करने के लिए विभिन्न विकासखण्डों से साढ़े तीन सौं से अधिक आवेदन जमा हुए है। जिसमें सिर्फ २०० जोड़ों का ही विवाह होना है ऐसी स्थिति में सबसे पहले लालबर्रा विकासखण्ड की बेटियों को प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया। वहीं १९ अप्रैल को जनपद पंचायत कार्यालय से गाजे-बाजे के साथ बारात निकलेगी एवं विवाह के सभी मांगलिक संस्कार शासकीय महाविद्यालय परिसर में संपन्न करवाये जायेगें। बैठक में कार्यक्रम को भव्य और व्यवस्थित बनाने के लिए विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की गई है और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिये गये। वहीं बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने अपने विचार रखते हुए इस बात पर जोर दिया कि योजना का लाभ केवल उन्हीं लोगों को मिलना चाहिए जो इसके वास्तविक पात्र हैं। उन्होंने शासन के नियमानुसार पूरी पारदर्शिता के साथ विवाह संपन्न करवाने और हितग्राहियों को लाभान्वित करने की बात कही। साथ ही प्रशासनिक स्तर पर इस सामूहिक विवाह को एक उत्सव के रूप में मनाने की तैयारी जोरों पर है, ताकि निर्धन परिवारों की बेटियों का विवाह गरिमामय तरीके से संपन्न हो सके।

लालबर्रा जनपद क्षेत्र की बेटियों को पहले दी जायेगी प्राथमिकता - किशोर

जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल ने बताया कि १९ अप्रैल को होने वाले मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह योजना के अंतर्गत सामूहिक विवाह कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा करने के लिए सामान्य सभा की बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में जनपद सदस्य एवं अधिकारी-कर्मचारियों की उपस्थिति में इस कार्यक्रम को सफल बनाने पर विचार-विमर्श किया गया है और कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये है। जिसमें १९ अप्रैल को जनपद पंचायत कार्यालय से बारात निकलेगी। श्री पालीवाल ने बताया कि हमारे लाडले नेता गौरीशंकर बिसेन जी के आशीर्वाद से जनपद पंचायत में हमेशा भारतीय जनता पार्टी का ही दल नियुक्त हुआ है और विपक्ष हमेशा हम पर आरोप लगाते आया है कि गलत काम हो रहा है। जबकि पूरी पारदर्शिता के साथ जनपद पंचायत में हमारे द्वारा काम किया जा रहा है। साथ ही यह भी बताया कि शासन से २०० जोड़ो का लक्ष्य मिला है, लेकिन आवेदन लक्ष्य से अधिक आये है, इसलिए हमारा प्रयास है कि लालबर्रा जनपद पंचायत की जो बेटिया गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करते है उन्हे पहले प्राथमिकता दी जायेगी और इस सामूहिक विवाह कार्यक्रम की तैयारी जारी है।

लापरवाही की भेंट चढ़ी पांढरवानी-अतरी मार्ग की पटरी

गड्ढों और उबड़-खाबड़ रास्तों से राहगीर परेशान

दुर्घटना को आमंत्रण, पटरी एवं सड़क का मरम्मत कार्य करवाने की उठी मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। ग्राम पांढरवानी से अतरी और चंदनटोला को जोड़ने वाला मुख्य पहुंच मार्ग इन दिनों राहगीरों के लिए मुसीबत का सबब बन गया है। इस मार्ग पर जगह-जगह उभरे गड्ढों और सड़क के दोनों ओर खोदी गई अव्यवस्थित पटरियों के कारण यहां आये दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। स्थिति इतनी बदतर हो चुकी है कि दुपहिया वाहन चालक अनियंत्रित होकर गिर रहे हैं, जिससे बड़ी जनहानि की आशंका बनी हुई है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस सड़क के खस्ताहाल की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीणजनों एवं राहगीरों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। आपकों बता दे कि सड़क विभाग के द्वारा विगत वर्ष पूर्व पांढरवानी से चंदनटोला-अतरी पहुंच मार्ग का निर्माण करवाया गया है लेकिन सड़क का समय-समय पर मरम्मत कार्य नही होने के कारण कुछ स्थानों से सड़क खराब होने के साथ ही गड्ढे बने गये है। साथ ही विगत माह पूर्व सड़क की पटरी किनारे से खुदाई की गई थी। लेकिन कार्य पूर्ण होने के बाद खोदी गई मिट्टी और पटरी को व्यवस्थित नहीं किया गया। वर्तमान में सड़क के दोनों किनारे उबड़-खाबड़ और असंतुलित हो चुके हैं। डामर की मुख्य सड़क और पटरी के बीच गहरा अंतर होने के कारण सामने से आने वाले वाहनों को रास्ता देते समय गाड़ियां अनियंत्रित होकर पलट रही हैं। इस मार्ग पर स्ट्रीट लाइट का अभाव और उबड़-खाबड़ पटरी रात के समय जानलेवा साबित हो रही है। वहीं रात्रि में आवागमन के दौरान वाहन चालकों को गड्ढों की गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता, जिसके कारण लोग आये दिन चोटिल हो रहे हैं। राहगीर एवं स्थानीयजनों का कहना है कि सड़क खराब होने एवं पटरी व्यवस्थित नहीं होने से पैदल चलने वालों और साइकिल सवारों को सबसे अधिक परेशानी हो रही है। प्रशासन को चाहिए कि जिसने भी पटरी खोदी है, उस पर कार्यवाही करे या इसे तत्काल दुरूस्त करवाये एवं खुदाई के बाद समतलीकरण न होने से सड़क किनारे खतरनाक ढलान बन गई है, मुख्य मार्ग पर बने गड्ढों के कारण वाहनों के पार्टस खराब हो रहे हैं और संतुलन बिगड़ रहा है। साथ ही वर्तमान में वैवाहिक कार्यक्रमों का दौर चल रहा है और रात्रि के समय सड़क में बने गड्ढे एवं पटरी उबड़-खाबड़ होने से दुर्घटनाएं घटित हो रही है। क्षेत्रीयजनों ने संबंधित विभाग और जनप्रतिनिधियों से जल्द से जल्द पटरी का समतलीकरण एवं सड़क का मरम्मत कार्य करवाने की मांग की है।

प्रशासन का चला बुलडोजर, नगपुरा में शासकीय भूमि से हटाया गया अतिक्रमण

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग ५ किमी दूर ग्राम पंचायत नगपुरा में शासकीय भूमि पर किये गये अवैध अतिक्रमण को आखिरकार प्रशासन ने जमींदोज कर दिया। मंगलवार को ग्राम पंचायत प्रशासन ने राजस्व विभाग और पुलिस बल के सहयोग से घास मद (शासकीय) भूमि पर विगत वर्षों से काबिज अतिक्रमणकारियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की है। इस कार्यवाही के बाद अब यहां प्रस्तावित सामुदायिक भवन के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत नगपुरा द्वारा संबंधित अतिक्रमणकारियों को पूर्व में ही विधिवत नोटिस जारी किये गये थे। पंचायत ने स्पष्ट निर्देश दिये थे कि शासकीय भूमि को स्वेच्छा से खाली कर दे लेकिन नही किया गया। जिसके बाद प्रशासन के सहयोग से मंगलवार को जेसीबी मशीन से शासकीय भूमि पर किये गये अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही की गई है। चर्चा में ग्राम पंचायत प्रशासन ने बताया कि उक्त घास मद की भूमि शासन द्वारा सामुदायिक भवन निर्माण के लिए आवंटित की गई है। ग्रामीणों की सुविधा के लिए इस भवन का निर्माण अति आवश्यक है, जिसमें अतिक्रमण एक बड़ी बाधा बना हुआ था। इस शासकीय भूमि पर ४ लोगों ने बॉस-बल्ली लगाकर एवं कच्चा निर्माण कर अतिक्रमण कर लिये थे। जिन्हे पूर्व में अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिये गये थे लेकिन वे नही हटा रहे थे। मंगलवार को राजस्व विभाग के सहयोग से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई है और विकास कार्यों के लिए भविष्य में भी ऐसी कार्यवाही जारी रहेगी। इस अवसर पर राजस्व विभाग, पंचायत के कर्मचारी उपस्थित रहे।

खारी में हवन-पूजन, जवारा विसर्जन के साथ श्रीमद् भागवत कथा का हुआ समापन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग ६ किमी दूर ग्राम पंचायत खारी स्थित नवनिर्मित श्रीराम मंदिर के लोकार्पण एवं प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के साथ ही गत दिवस से जारी ८ दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का शनिवार को हवन-पूजन, जवारा विसर्जन एवं भंडारा रूपी महाप्रसादी वितरण के साथ समापन किया गया। गत ४ अप्रैल से प्रारंभ हुई इस श्रीमद् भागवत कथा में वृंदावन की सुप्रसिध्द कथावाचिका, बाल विदुषी वेदिका मिश्रा ने अपनी ओजस्वी वाणी और भजनों से भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रतिदिन शाम ५ बजे से रात १० बजे तक भगवान श्रीकृष्ण की मनमोहक जीवनलीलाओं का वर्णन करते हुए विदुषी वेदिका ने श्रध्दालुओं को आध्यात्मिकता की गहराई से अवगत करवाया। वहीं कथा के दौरान उन्होंने केवल पौराणिक कथाओं का वर्णन ही नहीं किया, बल्कि समाज को कुरीतियों, नशाखोरी और बुराइयों का त्याग कर सत्य के मार्ग पर चलने का आव्हान भी किया है। साथ ही उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि कथा में जो ज्ञान प्राप्त हुआ है उस ज्ञान को स्वयं तक सीमित न रखते हुए जन-जन तक पहुंचाने की बात कही ताकि समाज में एक सकारात्मक और वैचारिक परिवर्तन लाया जा सके। आयोजन के अंतिम दिन सुबह जवारा और कलश विसर्जन किया गया। इस अवसर पर गाजे-बाजे और धार्मिक जयकारों के साथ विसर्जन यात्रा पोटियापाठ के लिए प्रस्थान हुई। दोपहर २ बजे पोटियापाट नदी के पावन तट पर पूर्ण विधि-विधान और वैदिक मंत्रोज्चार के साथ कलश व जवारा का विसर्जन किया गया। जिसके बाद दोपहर में हवन-पूजन कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। जिसमें यजमानों और श्रध्दालुओं ने हवन-कुण्ड में पुर्णाहुति डालकर धर्मलाभ अर्जित किये एवं शाम ६ बजे श्री सत्य सांई सेवा समिति जागरण ग्रुप द्वारा सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी गई। वहीं आयोजन के अंत में एक विशाल भंडारे (महाप्रसादी) का वितरण किया गया और श्रध्दालुओं ने महाप्रसादी ग्रहण कर धर्मलाभ अर्जित किये। ग्रामीणों का कहना है कि श्री राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद से ही गांव में एक नई सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ है, जो कथा के माध्यम से पुरा ग्राम भक्तिमय हो गया था। आयोजन को सफल बनाने में आयोजन समिति के सदस्य दिनेश सपाटे, महेश महेरकर, जगदीश बोपचे, हनुमान ठाकरे, श्रीराम चौहान, उमेश सपाटे, हरिश मानेश्वर, कमलेश गौतम, अंकित बाहेश्वर, तपेश गौतम, दिपांशु ठाकरे, विकास ठाकरे, अंकित हटवार, प्रफुल हरिनखेडे, रितिक सार्वे, मोन्टु बोपचे, किशोर ठाकरे, कमलेश माने, दिपक माते, अवनिश गौतम, दुर्गाप्रसाद चौधरी, यशवंत राणा, आकाश गोयल, डेविड वर्मा, शैलेष गौतम, निरज हरिनखेड़े, भागचंद बाहेश्वर, चितसेन बोपचे, कपिल ठाकरे, मोहित सपाटे, डिलेश बड्डे, पवन सपाटे, शैलेष शेंडे, अभय बाहेश्वर, हेमंत सार्वे, राकेश लानगे, थानसिंह बोपचे, मनीष बडडे, आशीष सपाटे, नरेश सपाटे, सागर बारमाटे, राकेश गोयल, हिमांशु मोहतुरे और खिलेन्द्र कारे सहित बजरंग दल, श्रीराम मंदिर महिला वाहिनी सेवा समिति के पदाधिकारियों एवं समस्त ग्रामवासियों का सराहनीय योगदान रहा।

महाविद्यालय में नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा में "नारी शक्ति वंदन" पखवाड़ा अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में १३ अप्रैल को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित "नारी शक्ति वंदन सम्मेलन" जिसे माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने संबोधन किया और प्रातः ११ बजे से सीधा प्रसारण महाविद्यालय में किया गया। तत्पश्चात नारी शक्ति वंदन अधिनियम २०२३ में विहित प्रावधानों पर व्याख्यान माला एवं संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती जी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर मातृशक्तियों को नमन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य सुमन बरवा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि महिला शक्ति वर्तमान में हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परिचय दे रही है। वहीं मुख्य वक्ता श्रीमती ममता चौहान प्रबंधक आजीविका मिशन लालबर्रा ने विषय से संबंधित विभिन्न प्रावधानों, महिला उद्यम एवं महिला शक्तिकरण पर प्रकाश डाला। डॉ. संगीता मेश्राम ने अपने व्याख्यान में कहा कि महिलाओं को अपनी प्रतिभाओं एवं उद्यमशीलता पर निरन्तर अद्यतन कार्य करते रहना चाहिए। कार्यक्रम का मंच संचालन नरेश सौलखे के द्वारा किया गया। डॉ. प्रदीप कुमार भिमटे द्वारा मानसिक स्वास्थ्य संबंधी व्याख्यान विद्यार्थियों को दिया गया एवं आभार प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम को सफ ल बनाने में डॉ. सुरेन्द्र कुमार खण्डायत, डॉ. देवराज चौरे, डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम, डॉ. हषिकेश पटेल, श्रीमती संध्या भलावे, मनीष शिवहरे, डॉ. कामाक्षा बिसेन, डॉ. आशा कारे, श्रीमती अनिभा शरणागत, डॉ. आरती विश्वकर्मा, पीतम मुरते, यादोराव राजुरकर, व्यंकट नगपुरे, श्रीमती सरिता एडे, रामदयाल मथारे, लकेश गेड़ाम, श्रीमती वंदना कुर्वे, कु. सोनम हरिनखेडे, मिनेश पंचेश्वर एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

महात्मा फुले एवं डॉ. अंबेडकर संयुक्त जयंती समारोह आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित महात्मा फुले प्रतिमा चौक में फुले, बिरसा, डॉ. अंबेडकर सार्वजनिक जयंती समारोह समिति के तत्वाधान में १४ अप्रैल को सामाजिक क्रांति के पितामह एवं शिक्षा के जनक महात्मा ज्योतिबाराव फुले एवं संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की संयुक्त रूप से जयंती मनाई जायेगी। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि महात्मा फुले एवं डॉ बाबा साहब की जयंती के अवसर पर १४ अप्रैल को प्रातः ८.३० बजे मोटरसाइकिल रैली निकाली जायेगी तत्पश्चात महापुरूषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण एवं पूजन-अर्चन किया जायेगा। जिसके बाद दिनभर विभिन्न सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होगें एवं दोपहर २ बजे से भव्य कव्वाली कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। जिसमें मुंबई के प्रसिध्द कलाकार सुरज आतिश अपनी प्रस्तुति देंगे। आगे बताया कि इस अवसर पर समिति के द्वारा समारोह के दौरान उत्कृष्ट छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित किया जायेगा तथा समाज में जागरूकता एवं एकता का संदेश दिया जायेगा। उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मान. इंजीनियर किशोर (बालाघाट) उपस्थित रहेंगे। वहीं प्रमुख अतिथियों में (जी.एस.टी. कमिश्नर जबलपुर) लोकेश लिल्हारे, (सहायक भविष्य निधि आयुक्त जबलपुर) रूपसिंह मड़ावी, (आर्थोपेडिक विशेषज्ञ) डॉ. अजीत गनवीर, (जनरल फिजिशियन) डॉ. वेद प्रकाश लिल्हारे, विशेष अतिथि के रूप में ग्राम पंचायत पांढरवानी सरपंच अनीस खान, समाजसेवी श्यामलाल पंचेश्वर एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति अध्यक्ष झनकार सिंह उइके करेगें एवं कार्यक्रम का संचालन संयोजक देवानंद बोकर के द्वारा किया जायेगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील महात्मा फुले, बिरसा मुंडा, डॉ. भीमराव अंबेडकर सार्वजनिक जयंती समारोह समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने की है।

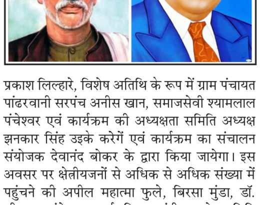

महाराजपुर में जल जीवन मिशन के दावों की निकली हवा

टंकी और पाइपलाइन तैयार फिर भी ग्रामीण प्यासे, भीषण जल संकट सूख चुके कुओं में दिखने लगीं चट्टानें, क्कडी मशक्कत के बाद मिल रहा नसीब का पानी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। *शासन की हर घर जल योजना का दावा जमीनी हकीकत में दम तोड़ता नजर आ रहा है। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत डोंगरगांव अंतर्गत ग्राम महाराजपुर में भीषण जल संकट ने दस्तक दे दी है। एक तरफ जहां प्राकृतिक जल स्त्रोत जवाब दे चुके हैं वहीं दूसरी ओर करोड़ों की लागत से स्वीकृत नल जल योजना ठेकेदार और विभाग की लापरवाही के कारण अधूरी पड़ी है। आलम यह है कि नल जल योजना का ढांचा खड़ा होने के बावजूद लोगों को बूंद बूंद पानी के लिए दर दर भटकना पड़ रहा है। ग्रामीणों को चिलचिलाती धूप में आधा किलोमीटर दूर से पानी ढोना पड़ रहा है।*

सूखे कुएं और हांफते हैंडपंप खौफनाक हुई स्थिति

महाराजपुर में जल स्तर इस कदर गिर चुका है कि गांव के अधिकांश कुएं सूख चुके हैं। कई कुओं में तो अब पानी की जगह सिर्फ चट्टानें दिखाई दे रही हैं। जो थोडे.बहुत कुएं बचे हैं उनका पानी पीने योग्य नहीं रह गया है। गांव के हैंडपंपों की स्थिति भी बदतर है वे बहुत कम पानी उगल रहे हैं और आए दिन तकनीकी खराबी के कारण बंद हो जाते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पर्याप्त पानी नही मिलने के कारण वे अपने दैनिक कार्यों को जैसे तैसे संचालित कर रहे हैं।

दिखावा साबित हो रही अधूरी नल जल योजना

जल जीवन मिशन के तहत महाराजपुर में नल जल योजना को स्वीकृति मिली थी। कुछ समय पहले तक काम में तेजी भी दिखी पानी टंकी बन गई संप टैंक तैयार हो गया और गांव की गलियों में पाइपलाइन भी बिछा दी गई। यहाँ तक कि घरों के बाहर कनेक्शन भी निकाल दिए गए हैं। लेकिन यह सारी कवायद सिर्फ दिखावा साबित हो रही है। महीनों से काम बंद पड़ा है जिससे बिछाई गई पाइपलाइन अब तक सूखी है और ग्रामीणों की उम्मीदें भी अब टूटने लगी हैं। शासन की यह महत्वपूर्ण योजना फिलहाल एक शो.पीस बनकर रह गई है।

ग्रामीणों में गहरा आक्रोश शीघ्र आपूर्ति की कर रहे मांग

जैसे.जैसे गर्मी बढ़ रही है ग्रामीणों की चिंताएं गहराती जा रही हैं। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते योजना चालू नहीं हुई तो आगामी दिनों में स्थिति विस्फोटक हो जाएगी। पानी के लिए दर दर भटक रहे रहवासियों के बीच प्रशासन के प्रति भारी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों ने शासन और जिला प्रशासन से गुहार लगाई है कि अधूरी पड़ी नल जल योजना को तत्काल प्रभाव से पूर्ण कर चालू किया जाए। सरकारी फाइलों में पूर्ण दिखने वाली योजनाएं जब धरातल पर अधूरी रह जाती हैं तो महाराजपुर जैसे संकट खड़े होते हैं। अब देखना होगा कि प्रशासन इस प्यास को बुझाने के लिए कितनी तत्परता दिखाता है।

अभी तक यह पानी की टंकी चालू हो जाना था-उमाशंकर भोयर

ग्रामीण उमाशंकर भोयर ने बताया की नल जल की योजना में टंकी बनी फिर ठेकेदार गायब है। दो बार इसकी शिकायत भी हमने की है कोई निराकरण नहीं हुआ। इन्होंने टंकी बनाकर पाइपलाइन डाल दी है बाकी कोई काम नहीं किया है। पिछले वर्ष यह टंकी बनी थी इस वर्ष चालू हो जाती पर काम बंद है। अधिकारी इस पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है हमारे यहां पानी की समस्या है। पानी के सभी कुएं सूख गए हैं अभी हैंडपंप हमारे एक है उस पर २०० लोग आश्रित है। वह भी काम ज्यादा करके व्यवस्था कर रहे हैं खराब होने पर सरपंच को बोले थे तो उन्होंने अभी उसमें पाइप डलवाए हैं तो हैंडपंप चालू है। जबकि अभी तक यह पानी की टंकी चालू हो जाना था।

ग्रामीणजन ५०० मीटर की दुरी से ला रहे पानी -विशाल बिसेन

ग्रामीण विशाल बिसेन ने बताया की २ वर्ष से नल जल योजना बना रहे है पाइप लाईन घरों के सामने लग गए हैं परंतु वह पानी नहीं उगल रहे। ५० प्रतिशत योजना का काम हुआ है अभी हम ५०० मीटर से पानी ला रहे हैं। एक हैंडपंप है तो समझ सकते हैं कि पानी की क्या समस्या है पर्याप्त किसी को नहीं मिलता। भूमिगत जल स्तर लगातार घट रहा है महीने के अंत में हैंडपंप में समस्या आ जाएगी। कुएं तो पूरे सूख चुके हैं पीने के लिए हमें पर्याप्त पानी मिल रहा है निस्तार की समस्या है लोग दिनभर पानी भरते हैं।

ग्राम में पानी के लिये दर दर भटक रहे ग्रामीण-उमेश सेंद्रे

उमेश सेंद्रे ने बताया कि ग्राम में पानी है ही नहीं खत्म हो रहा है कुएं में मोटर है लगी हुई है परंतु अंदर पानी नहीं है। चट्टाने स्पष्ट रूप से दिख रही है २ महीने से यह समस्या बन रही है यह इकलौता हैंडपंप है। जिस पर ३० मकान के लोग आश्रित है पानी के लिए विवाद होता है खींचातानी चल रही है। २ साल हो गए नल जल योजना बनना प्रारंभ है पर आज तक चालू नहीं हुई है। यदि यह भी चालू हो जाती तो लोगों को सुविधा होती अभी तो बहुत दूर जा रहे हैं। पूरे दिन चिल्लाती धूप और रात्रि तक लोगों को पानी प्राप्त करने के लिए परेशान होना पड़ रहा है। हम यही चाहते हैं कि आसानी से हर किसी को पानी प्राप्त हो इस प्रकार की सुविधा करके देना चाहिए।

महाविद्यालय में नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा कार्यक्रम आयोजित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शासकीय शंकर साव पटेल महाविद्यालय में म.प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा के अंतर्गत प्रथम चरण में नारी शक्ति वंदन अधिनियम २०२३ में विहित प्रावधान पर व्याख्यान माला एवं संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सरिता कोल्हेकर, मुख्य अतिथि श्रीमती सरिता दांदरे अध्यक्ष नगर पालिका परिषद ,विशिष्टि अतिथि श्रीमती रीता मिश्रा प्राध्यापक, डॉ. मिथिलेश्वरी घोरमारे, ,सरिता नागवंशी, नरेन्द्र कुमार डोंगरे, रक्षा निकोसे उपस्थित रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में रक्षा निकोसे के द्वारा नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा पर विस्तृत प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती सरिता दांदरे के द्वारा नारी शक्ति वंदन अधिनियम २०२३ के क्रियान्वयन पर चर्चा एवं नारी शक्ति के लिए शासन की विभिन्न नितियों पर व्याख्यान दिया गया। प्राध्यापक डॉ. घोरमारे के द्वारा बालक को संस्कारवान बनाने में माँ की भूमिका पर चर्चा की। कार्यक्रम की अध्यक्ष डॉ सरिता कोल्हेकर के द्वारा नारी शक्ति अधिनियम २०२३ पर विस्तृत चर्चा की गई एवं सभी क्षेत्र में नारी के योगदान को रेखांकित किया।

कार्यक्रम के अंत में सरिता नागवंशी के द्वारा आभार व्यक्त कर धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन नरेन्द्र कुमार डोंगरे के द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक कृष्णा पराते, टीना बिसेन, श्रीमती हिर्षता मेश्राम, श्रीमती मनीषा सहारे, श्रीमती रश्मिबाला पारधी, सुश्री शिखा देवगीरकर एवं छात्र छात्राएँ उपस्थित रहे।

स्वच्छ सर्वेक्षण के लिये नगर पालिका ने निकाली स्वच्छता रैली

स्वच्छ नगर सुंदर नगर के नारों से गूंजा शहर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। स्वच्छ सर्वेक्षण २०२५-२६ के अंतर्गत नगर पालिका परिषद वारासिवनी के द्वारा शहर को राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर शीर्ष रैंकिंग दिलाने के लिए अपनी तैयारियां तेज कर दी गई हैं। शासन के द्वारा जारी नवीन टूलकिट के निर्देशों के पालन में मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्य प्रकाश ऊके के मार्गदर्शन में नगर में एक भव्य स्वच्छता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। यह रैली नगर के प्रमुख मार्गों व्यावसायिक क्षेत्रों और घनी आबादी वाले रहवासी इलाकों से होकर गुजरी। रैली का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना और कचरा प्रबंधन की बारीकियों को समझाना था। रैली का समापन स्थानीय गांधी चौक पर हुआ जहां बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने नगर को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया। रैली में नगर पालिका के सफाई मित्रों स्व सहायता समूह की महिलाओं ,जागरूक नागरिकों और निकाय कर्मचारियों ने बढ.चढ़कर हिस्सा लिया गया। जहाँ स्वच्छता अपनाएं बीमारी भगाएं और स्वच्छ नगर सुंदर नगर जैसे नारों के माध्यम से जनमानस को जागरूक कर कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई कि वे ना केवल स्वयं गंदगी नहीं करेंगे बल्कि दूसरों को भी प्रेरित करेंगे। मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्य प्रकाश ऊके ने बताया कि स्वच्छ सर्वेक्षण में उच्चतम अंक प्राप्त करने के लिए निकाय के द्वारा बहुआयामी प्रयास किए जा रहे है। इसमें घर घर कचरा संग्रहण के दौरान सूखा और गीला कचरा अलग अलग लेने मुख्य बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर सुबह के साथ साथ रात में भी झाड़ू लगाने की व्यवस्था। सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त शहर बनाने हेतु निरंतर निगरानी शहर की गलियों और बैकलेन की नियमित सफाई की जा रही हैं। स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं बल्कि हमारी जीवनशैली का हिस्सा होनी चाहिए। हमारा लक्ष्य वारासिवनी को स्वच्छ सर्वेक्षण में नंबर.१ पायदान पर लाना है जो केवल नागरिकों के सहयोग से ही संभव है। इस अवसर पर नगर पालिका के सफाई मित्र स्व सहायता समूह की महिलाएं, गणमान्य नागरिक और निकाय के कर्मचारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

बोटेझरी में तेंदुए ने गाय का किया शिकार,ग्रामीणों में बना दहशत का माहौल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी वन विकास निगम क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम बोटेझरी के डी नगर टोला में एक हिंसक तेंदुए के हमले से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। तेंदुए ने एक पालतू गाय को अपना निवाला बनाया है जिससे पशुपालक को भारी आर्थिक क्षति पहुँची है। इस घटना के बाद से ही सीमावर्ती क्षेत्रों और ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह घटना वन विकास निगम की बीट बुदबूदा के कक्ष क्रमांक ४९७ की है। यहाँ निवासी बेनीराम पिता नीलमचंद बिसेन की गाय पर तेंदुए ने अचानक हमला कर दिया। हमला इतना घातक था कि गाय की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना में पीड़ित परिवार को हजारों रुपये का नुकसान हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही वन विकास निगम के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुँचे। विभाग के द्वारा घटना स्थल का मुआयना कर पंचनामा तैयार किया गया है। वन विकास निगम ने वन्य प्राणी हमले का प्रकरण तैयार कर लिया है नियमानुसार जांच के उपरांत पीड़ित पशुपालक को उचित मुआवजे की राशि प्रदान की जाएगी। इसमें संभावना जताई जा रही है कि यह वही तेंदुआ है जिसने पूर्व में नांदगांव और रमरमा क्षेत्र में आतंक मचाया था। उन क्षेत्रों में भी तेंदुए की सक्रियता और हिंसक व्यवहार के कारण लोग लंबे समय तक डरे हुए थे। अब बोटेझरी में हुई इस घटना ने उन पुरानी यादों और डर को फिर से ताजा कर दिया है। तेंदुए की मौजूदगी की पुष्टि होने के बाद से बोटेझरी और आसपास के टोले में लोग शाम ढलते ही घरों में कैद होने को मजबूर हैं। विशेषकर वे किसान और चरवाहे चिंतित हैं जिनके मवेशी जंगल की सीमा से सटे क्षेत्रों में चराई के लिए जाते हैं। इसमें ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि क्षेत्र में तेंदुए की निगरानी बढ़ाई जाए और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं ताकि भविष्य में किसी जनहानि को टाला जा सके।

जनगणना-2027 16 से 30 अप्रैल तक चलेगा जनगणना का प्रथम चरण

आम जन से प्रथम चरण में स्व-गणना करने की अपील

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारत सरकार द्वारा आयोजित जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत स्व-गणना (Self Enumeration) प्रक्रिया को प्रोत्साहित करने के लिए सभी शासकीय विभागों, अधीनस्थ कार्यालयों, अन्य संगठनों के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आम नागरिकों से सक्रिय भागीदारी की अपील की गई है। जनगणना-2027 का प्रथम चरण 16 अप्रैल से प्रारंभ होकर 30 अप्रैल तक चलेगा। इस अवधि में अधिक से अधिक लोगों को स्व-गणना करने के लिए प्रेरित करने की अपील की गई है।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बालाघाट जिले में भी 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक 15 दिवस की अवधि में स्व-गणना की प्रक्रिया संपादित की जाएगी। सभी अधिकारी, कर्मचारी एवं आम जन से इस अवधि के दौरान स्वयं पोर्टल पर जाकर अपनी जानकारी दर्ज करने की अपील की गई है तथा अपने परिवार के सदस्यों का विवरण भी सुनिश्चित रूप से भरने कहा गया है। स्व-गणना के लिए भारत सरकार द्वारा विशेष ऑनलाइन पोर्टल उपलब्ध कराया गया है, जिसका लिंक है- https://se.census.gov.in है। इस ऐतिहासिक चरण में 16 से 30 अप्रैल के बीच नागरिक 'स्व-गणना' प्रक्रिया के माध्यम से अपने परिवार और घर की जानकारी स्वयं दर्ज कर सकेंगे।

स्व-गणना एक नया सुविधाजनक विकल्प है। यह परिवार के किसी भी उत्तरदाता को सुरक्षित वेब पोर्टल का उपयोग करते हुए अपने घर अथवा कार्यालय या अन्य किसी स्थान से ऑनलाइन अपने परिवार की जानकारी स्वयं भरने की सुविधा प्रदान करता है। स्व-गणना के तहत आपको ऑनलाइन फार्म भरकर एक विशिष्ट आईडी जनरेट करना होता है, जिसे बाद में आने वाले जनगणना कर्मचारी को दिखाना होता है, जिससे डेटा सत्यापन आसान हो जाएगा। यह पोर्टल 16 अलग-अलग भाषाओं में उपलब्ध होगा, ताकि लोग अपनी मातृभाषा में जानकारी साझा कर सकें। इस प्रक्रिया में मुख्य रूप से दो श्रेणियों में डेटा एकत्र किया जाएगा। मकान सूचीकरण के तहत घर के स्वामित्व, निर्माण सामग्री और उपलब्ध सुविधाओं का विवरण होगा तथा जनसंख्या विवरण के तहत परिवार के सदस्यों के नाम, उनकी आयु, शिक्षा और व्यवसाय की जानकारी शामिल होगी।

नागरिकों से अपील की गई है कि स्व-गणना के दौरान सही उत्तर देना धारा 8 के तहत अनिवार्य है। स्वगणना में सभी प्रश्नों का सही उत्तर दें। अंतिम सबमिशन से पहले, स्वगणना के माध्यम से दर्ज आंकड़ों की पर्यवेक्षकों द्वारा फील्ड विजिट के दौरान जांच की जाएगी।

शुद्ध आहार से स्वस्थ जीवन और धर्म साधना का मार्ग

मानव जीवन को यदि गहराई से समझा जाए तो यह स्पष्ट होता है कि शरीर केवल भोग का साधन नहीं बल्कि धर्म साधना का आधार है। प्राचीन वचनों में कहा गया है कि शरीर ही धर्म का पहला साधन है। जब तक शरीर स्वस्थ और समर्थ है तभी तक मनुष्य अपने कर्तव्यों का पालन कर सकता है और आत्मिक उन्नति की दिशा में आगे बढ़ सकता है। इसलिए शरीर की रक्षा और उसका संतुलन बनाए रखना प्रत्येक व्यक्ति का प्रथम दायित्व बन जाता है। इसी संदर्भ में आहार का विषय अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि जैसा आहार होगा वैसा ही विचार और व्यवहार भी होगा। आज के समय में आहार को लेकर अनेक प्रकार की भ्रांतियां समाज में फैली हुई हैं। कुछ लोग यह मानते हैं कि शरीर को बलवान बनाने के लिए मांसाहार आवश्यक है। यह धारणा केवल अज्ञान और भ्रम का परिणाम है। वास्तव में मनुष्य एक विवेकशील प्राणी है और उसकी शारीरिक संरचना भी इस बात की ओर संकेत करती है कि वह शाकाहार के लिए अधिक उपयुक्त है। शाकाहार न केवल शरीर को आवश्यक पोषण देता है बल्कि मन को भी शुद्ध और शांत बनाए रखता है। इतिहास और परंपरा के अनेक उदाहरण इस सत्य को प्रमाणित करते हैं कि शाकाहार अपनाकर भी व्यक्ति अत्यंत शक्तिशाली और तेजस्वी बन सकता है। हमारे देश के अनेक महापुरुषों ने शाकाहार को अपनाकर न केवल आत्मिक ऊंचाई प्राप्त की बल्कि समाज को भी दिशा दी। उनके जीवन से यह स्पष्ट होता है कि शुद्ध आहार केवल शरीर को ही नहीं बल्कि आत्मा को भी पवित्र करता है। आहार के विषय में एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि केवल क्या खाया जाए यह ही महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि कितना और कैसे खाया जाए यह भी उतना ही आवश्यक है। हिताहार मिताहार और अल्पाहार का सिद्धांत हमें यह सिखाता है कि भोजन संतुलित और संयमित होना चाहिए। अधिक भोजन शरीर को रोगी बनाता है जबकि संतुलित भोजन शरीर को स्वस्थ और ऊर्जावान बनाए रखता है। जो व्यक्ति अपने आहार पर नियंत्रण रखता है वह स्वयं ही अपना वैद्य बन जाता है और उसे बार बार चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ती। आधुनिक जीवन शैली में आहार की शुद्धता धीरे धीरे समाप्त होती जा रही है। बाजार में मिलने वाली अनेक वस्तुएं देखने में तो आकर्षक होती हैं लेकिन उनमें ऐसे तत्व मिलाए जाते हैं जो शाकाहार की श्रेणी में नहीं आते। कई बार लोग अनजाने में ऐसी वस्तुओं का सेवन कर लेते हैं जो उनके सिद्धांतों के विपरीत होती हैं। इसलिए आज के समय में सजगता अत्यंत आवश्यक हो गई है। हर व्यक्ति को यह जानने का प्रयास करना चाहिए कि वह जो खा रहा है वह वास्तव में शुद्ध है या नहीं। इसके साथ ही जल और वायु की शुद्धता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। शुद्ध हवा जीवन का आधार है और उसके बाद जल का स्थान आता है। भोजन तीसरे स्थान पर आता है। यदि वायु और जल शुद्ध नहीं होंगे तो उत्तम भोजन भी शरीर को पूर्ण लाभ नहीं दे पाएगा। इसलिए स्वस्थ जीवन के लिए इन तीनों का संतुलन आवश्यक है। आज विश्व में जो अशांति और असंतुलन देखने को मिल रहा है उसका एक कारण आहार में आया परिवर्तन भी है। तामसिक भोजन मन में उग्रता और असंयम को बढ़ाता है जबकि सात्विक भोजन शांति और संतुलन को प्रोत्साहित करता है। यदि समाज को शांत और संतुलित बनाना है तो आहार की शुद्धता पर ध्यान देना अनिवार्य है। वर्तमान समय में बच्चों और युवाओं में भी खानपान की आदतों में तेजी से बदलाव आ रहा है। आकर्षक विज्ञापन और आधुनिक जीवन शैली के प्रभाव में आकर वे ऐसी वस्तुओं का सेवन करने लगे हैं जो उनके स्वास्थ्य और संस्कार दोनों के लिए हानिकारक हैं।

सामाजिक न्याय एवं समानता के पुरोधा पुरुष थे डॉ. अंबेडकर

आधुनिक भारत के निर्माण की जब भी चर्चा होती है, तो डॉ. भीमराव अंबेडकर का व्यक्तित्व एक ऐसे विराट स्तंभ के रूप में सामने आता है, जिसने न केवल संविधान की रचना की, बल्कि भारतीय समाज की आत्मा को समता, न्याय और मानवीय गरिमा के मूल्यों से अनुप्राणित किया। डॉ. अंबेडकर एक प्रसिद्ध राजनीतिक नेता, दार्शनिक, लेखक, अर्थशास्त्री, न्यायविद्, बहु-भाषाविद्, धर्म-दर्शन के विद्वान और एक समाज सुधारक थे, जिन्होंने भारत में अस्पृश्यता और सामाजिक असमानता के उन्मूलन के लिये अपना जीवन समर्पित कर दिया। निश्चित ही वे केवल एक विधिवेत्ता या राजनेता ही नहीं थे, बल्कि एक ऐसे दूरदर्शी चिंतक थे, जिन्होंने भारतीय समाज की गहराई में पैठे जातिगत अन्याय, सामाजिक विषमता और आर्थिक शोषण को समझा और उसके समाधान के लिए ठोस वैचारिक एवं संस्थागत आधार प्रदान किया। आज नया भारत, विकसित भारत और समृद्ध भारत की जो अवधारणा हमारे सामने है, उसकी जड़ें अंबेडकर की सोच, नीतियों और संविधान में निहित हैं।

डॉ. अंबेडकर का जीवन स्वयं में एक संघर्षगाथा है। एक अस्पृश्य माने जाने वाले परिवार में जन्म लेकर उन्होंने जो अपमान, भेदभाव और पीड़ा झेली, वही उनके भीतर परिवर्तन का संकल्प बनकर उभरी। उन्होंने शिक्षा को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाया और कोलंबिया विश्वविद्यालय तथा लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से उच्च शिक्षा प्राप्त कर यह सिद्ध किया कि प्रतिभा किसी जाति या वर्ग की मोहताज नहीं होती। उनका यह विश्वास कि शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो केवल एक नारा नहीं, बल्कि सामाजिक क्रांति का सूत्र था। अंबेडकर के चिंतन का मूल आधार सामाजिक न्याय था। उनका स्पष्ट मत था कि जब तक समाज में समता स्थापित नहीं होती, तब तक राजनीतिक स्वतंत्रता अधूरी है। वे मानते थे कि केवल आर्थिक विकास से सामाजिक विषमता समाप्त नहीं होगी, बल्कि इसके लिए सामाजिक संरचना में आमूल-चूल परिवर्तन आवश्यक है। इसी दृष्टि से उन्होंने जाति व्यवस्था को भारतीय समाज का सबसे बड़ा शत्रु माना और उसके उन्मूलन के लिए आजीवन संघर्ष किया। उनकी प्रसिद्ध कृति जाति का विनाश में उन्होंने स्पष्ट किया कि जाति केवल सामाजिक विभाजन नहीं, बल्कि मानवता के खिलाफ एक सुनियोजित अन्याय है।

भारतीय संविधान के निर्माण में अंबेडकर की भूमिका उनकी दूरदर्शिता और व्यावहारिक बुद्धिमत्ता का उत्कृष्ट उदाहरण है। संविधान में उन्होंने समानता, स्वतंत्रता, बंधुत्व और न्याय के सिद्धांतों को इस प्रकार समाहित किया कि यह दस्तावेज न केवल शासन का आधार बना, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का माध्यम भी बना। मौलिक अधिकारों, विधि के समक्ष समानता, अस्पृश्यता उन्मूलन (अनुच्छेद 17), आरक्षण व्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा के प्रावधान उनके उस दृष्टिकोण को दर्शाते हैं, जिसमें हर नागरिक को समान अवसर और गरिमा के साथ जीने का अधिकार प्राप्त हो। डॉ. अंबेडकर का संवैधानिक नैतिकता का सिद्धांत आज भी अत्यंत प्रासंगिक है। उनका मानना था कि केवल संविधान बना देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसके मूल्यों को समाज और शासन दोनों में आत्मसात करना आवश्यक है। उन्होंने चेतावनी दी थी कि यदि सामाजिक और आर्थिक असमानताएं बनी रहीं, तो राजनीतिक लोकतंत्र भी खतरे में पड़ सकता है। आज जब भारत विविधताओं से भरे समाज के रूप में आगे बढ़ रहा है, तब यह सिद्धांत हमें संतुलन और समन्वय की दिशा दिखाता है।

अंबेडकर केवल सामाजिक सुधारक ही नहीं, बल्कि एक प्रखर आर्थिक चिंतक भी थे। उन्होंने औद्योगीकरण, श्रमिक अधिकारों, जल संसाधन प्रबंधन और वित्तीय विकेंद्रीकरण जैसे विषयों पर गहन विचार प्रस्तुत किए। भारतीय रिजर्व बैंक की अवधारणा से लेकर श्रम कानूनों के निर्माण तक उनके विचारों का प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। वे मानते थे कि आर्थिक सशक्तिकरण के बिना सामाजिक न्याय अधूरा है, इसलिए उन्होंने दलितों और वंचितों को केवल सामाजिक सम्मान ही नहीं, बल्कि आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर भी प्रेरित किया। महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी अंबेडकर का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने हिंदू कोड बिल के माध्यम से महिलाओं को संपत्ति के अधिकार, विवाह और तलाक में समानता दिलाने का प्रयास किया। यद्यपि तत्कालीन परिस्थितियों में इस विधेयक को पूर्ण रूप से पारित नहीं किया जा सका, लेकिन उनके प्रयासों ने भारतीय समाज में लैंगिक समानता की नींव रखी। आज भारतीय महिलाएं जो अधिकार और स्वतंत्रता का अनुभव कर रही हैं, उसमें अंबेडकर की दूरदर्शिता का महत्वपूर्ण योगदान है।

धार्मिक दृष्टि से भी अंबेडकर का चिंतन अत्यंत गहन और मानवीय था। उन्होंने धर्म को आस्था का नहीं, बल्कि नैतिकता और सामाजिक व्यवस्था का विषय माना। 1956 में बौद्ध धर्म स्वीकार कर उन्होंने यह संदेश दिया कि धर्म वह होना चाहिए जो मानव को समानता, करुणा और विवेक की ओर ले जाए। उनका यह कदम केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं था, बल्कि सामाजिक क्रांति का प्रतीक था। समकालीन भारत में अंबेडकर की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है। जब हम डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत की बात करते हैं, तो यह आवश्यक है कि इन पहलों का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। अंबेडकर का समावेशी विकास का दृष्टिकोण हमें यही सिखाता है कि विकास तभी सार्थक है, जब उसमें समाज के हर वर्ग की भागीदारी हो। आज भी यदि कहीं सामाजिक भेदभाव, आर्थिक असमानता या अवसरों की विषमता दिखाई देती है, तो यह हमें अंबेडकर के अधूरे सपनों की याद दिलाती है।

निश्चित ही डॉ. भीमराव अंबेडकर केवल एक ऐतिहासिक व्यक्तित्व नहीं, बल्कि एक जीवंत विचारधारा हैं। उनका जीवन और कार्य हमें यह सिखाता है कि परिवर्तन केवल सत्ता से नहीं, बल्कि विचार, शिक्षा और संघर्ष से आता है। आधुनिक भारत की जो मजबूत नींव आज हमें दिखाई देती है, वह अंबेडकर के दूरदर्शी नेतृत्व और संवेदनशील चिंतन का परिणाम है। यदि भारत को वास्तव में विकसित, समृद्ध और न्यायपूर्ण राष्ट्र बनाना है, तो अंबेडकर के आदर्शों को केवल स्मरण करना ही नहीं, बल्कि उन्हें जीवन और नीतियों में उतारना होगा। यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी और यही भारत के उवल भविष्य की दिशा भी। भारत में जाति आधारित असमानता अभी भी कायम है, जबकि दलितों ने आरक्षण के माध्यम से एक राजनीतिक पहचान हासिल कर ली है और अपने स्वयं के राजनीतिक दलों का गठन किया है, किंतु सामाजिक आयामों (स्वास्थ्य और शिक्षा) तथा आर्थिक आयामों का अभी भी अभाव है। सांप्रदायिक ध्रुवीकरण और राजनीति के सांप्रदायिकरण का उदय हुआ है।

भारत के लिए डॉ. भीमराव अंबेडकर का दृष्टिकोण सर्वांगीण था-इसने हमारे राष्ट्रीय जीवन के हर पहलू को छुआ। कानून में, उन्होंने सुनिश्चित किया कि प्रत्येक नागरिक को संवैधानिक उपचारों का अधिकार मिले; अर्थव्यवस्था में, उन्होंने राज्य-नेतृत्व वाली कल्याणकारी व्यवस्था, भूमि सुधार और अवसरों की समान पहुँच की परिकल्पना की; शिक्षा में, उन्होंने वैज्ञानिक सोच और तर्कपूर्ण चिंतन को बढ़ावा दिया, और प्रसिद्ध रूप से घोषणा की कि मन का विकास ही मानव अस्तित्व का अंतिम लक्ष्य होना चाहिए। सामाजिक सुधार में, उन्होंने इस देश में अब तक का सबसे साहसी नागरिक अधिकार आंदोलन चलाया-मतों के लिए नहीं, बल्कि गरिमा के लिए। बाबासाहेब का हर कार्य प्रत्येक भारतीय के लिए था, समाज के अंतिम व्यक्ति के लिये और उनकी सच्ची महानता यहीं निहित है: एक ऐसे राष्ट्र का निर्माण करना जो अपने सबसे कमजोर लोगों के बारे में पहले सोचता है।

अंबेडकर का मानना था कि भेदभाव पर आधारित समाज प्रगति नहीं कर सकता, और अपने देश में समानता सुनिश्चित किए बिना कोई राष्ट्र वैश्विक स्तर पर नेतृत्व नहीं कर सकता। उनकी राजनीतिक और नैतिक दूरदृष्टि तात्कालिकता से कहीं आगे तक फैली हुई थी। उन्होंने ऐसे भारत की कल्पना की थी जो एक दिन केवल अपनी सैन्य शक्ति या अर्थव्यवस्था के बल पर नहीं, बल्कि न्याय और करुणा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के बल पर प्रगति करेगा। आज जब भारत वैश्विक मंचों की अध्यक्षता कर रहा है, वैश्विक दक्षिण के लिए आवाज उठा रहा है, और स्थिरता, डिजिटल नवाचार और लोकतंत्र जैसे मुद्दों पर नेतृत्व कर रहा है, तो हमें यह याद रखना चाहिए कि यह क्षण उस व्यक्ति के प्रयासों से संभव हुआ है जिसने 75 वर्ष पहले इसकी कल्पना करने का साहस किया था, जब हमारे पास दूरदृष्टि के अलावा कुछ भी नहीं था।

-ललित गर्ग

(चिंतन-मनन)

अमिट है कर्म का फल

यदि कर्म का फल तुरंत नहीं मिलता है तो यह नहीं समझना चाहिए कि उसके भले-बुरे परिणाम से हम सदा के लिए बच गये। कर्मफल ऐसा अमिट तथ्य है जो आज नहीं तो कल भुगतना ही पड़ेगा। कभी-कभी परिणाम में देर इसलिए होती है क्योंकि ईश्वर मानवीय बुद्धि की परीक्षा चाहता है कि व्यक्ति कर्त्तव्य धर्म समझने और निष्ठापूर्वक पालन करने लायक विवेक बुद्धि संचय कर सका है या नहीं। जो दंड

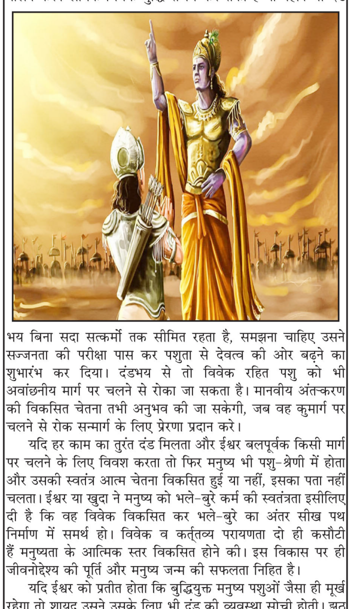

भय बिना सदा सत्कर्मो तक सीमित रहता है, समझना चाहिए उसने सज्जनता की परीक्षा पास कर पशुता से देवत्व की ओर बढ़ने का शुभारंभ कर दिया। दंडभय से तो विवेक रहित पशु को भी अवांछनीय मार्ग पर चलने से रोका जा सकता है। मानवीय अंतःकरण की विकसित चेतना तभी अनुभव की जा सकेगी, जब वह कुमार्ग पर चलने से रोक सन्मार्ग के लिए प्रेरणा प्रदान करे।

यदि हर काम का तुरंत दंड मिलता और ईश्वर बलपूर्वक किसी मार्ग पर चलने के लिए विवश करता तो फिर मनुष्य भी पशु-श्रेणी में होता और उसकी स्वतंत्र आत्म चेतना विकसित हुई या नहीं, इसका पता नहीं चलता। ईश्वर या खुदा ने मनुष्य को भले-बुरे कर्म की स्वतंत्रता इसीलिए दी है कि वह विवेक विकसित कर भले-बुरे का अंतर सीख पथ निर्माण में समर्थ हो। विवेक व कर्त्तव्य परायणता दो ही कसौटी हैं मनुष्यता के आत्मिक स्तर विकसित होने की। इस विकास पर ही जीवनोद्देश्य की पूर्ति और मनुष्य जन्म की सफलता निहित है।

यदि ईश्वर को प्रतीत होता कि बुद्धियुक्त मनुष्य पशुओं जैसा ही मूर्ख रहेगा तो शायद उसने उसके लिए भी दंड की व्यवस्था सोची होती। झूठ बोलते ही जीभ में छाले पड़ने, चोरी करते ही हाथ में फोड़ा होने जैसे दंड की तुरत-फुरत व्यवस्था होती तो किसी के लिए भी दुष्कर्म करना संभव न होता लेकिन ऐसे में मनुष्य की स्वतंत्र चेतना, विवेक बुद्धि व आंतरिक महानता विकसित होने का अवसर ही न आता और आत्म विकास के बिना पूर्णता का लक्ष्य पाने की दिशा में प्रगति न होती। अतः परमेर के लिए उचित था कि मनुष्य को अपना सबसे बुद्धिमान और जिम्मेदार बेटा समझ उसे कर्म की स्वतंत्रता प्रदान करे और देखे कि वह मनुष्यता का उत्तरदायित्व संभालने में समर्थ है कि नहीं? वास्तव में परीक्षा के बिना वास्तविकता का पता कैसे चलता और सर्वश्रेष्ठ रचना मनुष्य में कितने श्रम की सार्थकता हुई, यह कैसे अनुभव होता!

भारतीय पार्श्व गायन की बेजोड़ मलिका आशा भोसले

आशा भोंसले ने अपने जीवन में निजी त्रासदियों, विशेषकर अपने बच्चों के निधन (2012 में बेटी वर्षा और 2015 में बेटे आनंद) के बाद, अकेलेपन और दुख से उबरने के लिए ईश्वर और आध्यात्मिकता का सहारा लिया। उन्होंने भक्ति संगीत में शांति पाई और ध्यान व क्रिया का नियमित अभ्यास किया।आशालाता गणपत भोसले (जन्म आशालाता दीनानाथ मंगेशकर; 8 सितंबर 1933 क्क 12 अप्रैल 2026) एक भारतीय पार्श्व गायिका, व्यवसायी, अभिनेत्री और टेलीविज़न हस्ती थीं, जिन्होंने मुख्य रूप से भारतीय सिनेमा में काम किया। अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए जानी जाने वाली, उन्हें मीडिया में हिंदी सिनेमा की सबसे महान और सबसे प्रभावशाली गायिकाओं में से एक के रूप में वर्णित किया गया था। आठ दशकों से अधिक के अपने करियर में, उन्होंने विभिन्न भारतीय भाषाओं में फिल्मों और एल्बमों के लिए गाने रिकॉर्ड किए और कई पुरस्कार जीते, जिनमें दो राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, चार क्क्ष्ठ पुरस्कार, अठारह महाराष्ट्र राज्य फिल्म पुरस्कार, नौ फिल्मफेयर पुरस्कार (एक लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार सहित) और सर्वश्रेष्ठ महिला पार्श्व गायिका के लिए रिकॉर्ड सात फिल्मफेयर पुरस्कार शामिल हैं; इसके अलावा उन्हें दो ग्रैमी नामांकन भी मिले। वर्ष 2000 में, उन्हें दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जो सिनेमा के क्षेत्र में भारत का सर्वोच्च पुरस्कार है। वर्ष 2008 में, भारत सरकार द्वारा उन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया, जो देश का दूसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। गिनीज़ बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने वर्ष 2011 में उन्हें संगीत के इतिहास में सबसे अधिक गाने रिकॉर्ड करने वाली कलाकार के रूप में मान्यता दी। भोसले पार्श्व गायिका लता मंगेशकर की छोटी बहन थीं और प्रतिष्ठित मंगेशकर परिवार से ताल्लुक रखती थीं। अपनी सोप्रानो (ऊंची) आवाज़ की रेंज के लिए मशहूर और अक्सर अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए सराही जाने वाली, उनके काम में फिल्मी संगीत, पॉप, ग़ज़ल, भजन, पारंपरिक भारतीय शास्त्रीय संगीत, लोक गीत, कव्वाली और रवींद्र संगीत शामिल थे। हिंदी के अलावा, उन्होंने 20 से अधिक भारतीय और विदेशी भाषाओं में गाने गाए थे। वर्ष 2013 में, उन्होंने माई (रूड्डद्ब) फिल्म में एक अभिनेत्री के रूप में अपना डेब्यू किया और अपने अभिनय के लिए आलोचकों की प्रशंसा प्राप्त की। वर्ष 2006 में, उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने करियर में 12,000 से अधिक गाने रिकॉर्ड किए हैं, एक ऐसा आंकड़ा जिसे कई अन्य स्रोतों द्वारा भी दोहराया गया है। शुरुआती जीवन में आशा लता दीनानाथ मंगेशकर का जन्म सांगली के छोटे से गाँव गोअर में हुआ था। उस समय यह सांगली रियासत (अब महाराष्ट्र में) का हिस्सा था। उनका जन्म पंडित दीनानाथ मंगेशकर के संगीत-प्रेमी परिवार में हुआ था; दीनानाथ मराठी और कोंकणी मूल के थे, और उनकी पत्नी शेवंती गुजराती थीं। दीनानाथ मराठी संगीत मंच के एक अभिनेता और शास्त्रीय गायक थे। जब भोसले नौ साल की थीं, तब उनके पिता का निधन हो गया। इसके बाद उनका परिवार पुणे से कोल्हापुर और फिर मुंबई चला गया। अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए उन्होंने और उनकी बड़ी बहन लता मंगेशकर ने फ़िल्मों में गाना और अभिनय करना शुरू कर दिया। उन्होंने अपना पहला फ़िल्मी गीत चला चला नव बाला 1943 में आई मराठी फ़िल्म माझा बाल के लिए गाया था। इस फ़िल्म का संगीत दत्ता दावजेकर ने तैयार किया था। हिंदी फ़िल्मों में उनकी शुरुआत तब हुई, जब उन्होंने हंसराज बहल की फिल्म चुनरिया (1948) के लिए सावन आया गीत गाया; हालाँकि, उसी साल चुनरिया से पहले एक और फ़िल्म अंधों की दुनिया रिलीज़ हुई थी; इन दोनों ही फ़िल्मों में उन्होंने तीन-तीन गीत गाए थे। उनका पहला एकल हिंदी फ़िल्मी गीत फ़िल्म रात की रानी (1949) के लिए था। असमिया फ़िल्मों में उनकी शुरुआत 1969 में हुई, जब उन्होंने किशोर कुमार और डॉ. भूपेन हज़ारिका के साथ मिलकर फ़िल्म सिकिमिकि बिजुली के लिए पोखिराज घोरा गीत गाया।भोसले खुद को एक इत्तेफ़ाकी गायिका मानती थीं, जिन्होंने अपने पिता दीनानाथ मंगेशकर, उनके शिष्यों और अपनी बड़ी बहन लता मंगेशकर को गाते हुए ध्यान से सुनकर ही गाना सीखा था। उम्र चाहे जो भी रही हो, उन्होंने रोज़ाना रियाज़ (अभ्यास) करना कभी नहीं छोड़ा; उनका कहना था कि उनके लिए संगीत साँस लेने जितना ही ज़रूरी है।उनकी बहनें, लता और उषा मंगेशकर, भी पार्श्व गायिकाएँ रही हैं। उनकी बड़ी बहन मीना मंगेशकर और छोटे भाई हृदयनाथ मंगेशकर संगीत निर्देशक हैं।1940 के दशक के आखिर से लेकर 1950 के दशक की शुरुआत तक, गीता दत्त, शमशाद बेगम और लता मंगेशकर जैसी जानी-मानी पार्श्व गायिकाओं का ही बोलबाला था; वे ही फ़िल्मों की मुख्य अभिनेत्रियों और बड़ी फ़िल्मों के लिए गाने गाती थीं। 1950 के दशक में, भोसले ने हिंदी फ़िल्मों में ज़्यादातर प्लेबैक सिंगर्स से ज़्यादा गाने गाए। इनमें से ज़्यादातर गाने कम बजट वाली फ़िल्मों में थे। उनके शुरुआती गाने ए. आर. कुरैशी, सज्जाद हुसैन, एस. मोहिंदर, सरदार मलिक, गुलाम मोहम्मद और कुछ अन्य लोगों ने कंपोज़ किए थे।[सज्जाद हुसैन द्वारा कंपोज़ की गई फ़िल्म संगदिल (1952) में गाने से उन्हें काफ़ी पहचान मिली। उसी साल, फ़िल्म छम छमा छम में ओ. पी. नैयर के निर्देशन में उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई और उस फ़िल्म के 11 में से 10 गाने गाए। इसके बाद, फ़िल्म डायरेक्टर बिमल रॉय ने उन्हें परिणीता (1953) में गाने का मौका दिया। राज कपूर ने उन्हें बूट पॉलिश (1954) के सभी गाने गाने के लिए साइन किया, जिससे उन्हें काफ़ी लोकप्रियता मिली।भोसले ने बताया कि एल्विस प्रेस्ली और बिल हेली ने उन्हें पश्चिमी संगीत शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।ओ. पी. नैयर ने 1952-1956 के दौरान भोसले को कई गाने दिए, हालाँकि उन्हें पहली बड़ी सफलता बी. आर. चोपड़ा की फ़िल्म नया दौर (1957) में मिली, जिसके गाने ओ. पी. नैयर ने ही कंपोज़ किए थे। साहिर लुधियानवी द्वारा लिखे गए रफ़ी के साथ उनके डुएट गाने, जैसे माँग के साथ तुम्हारा, साथी हाथ बढ़ाना और उड़ें जब जब ज़ुल्फ़ें तेरी, ने उन्हें काफ़ी पहचान दिलाई। यह पहली बार था जब उन्होंने किसी फ़िल्म की मुख्य अभिनेत्री के लिए सभी गाने गाए थे। इसके बाद बी. आर. चोपड़ा ने अपनी कई अगली फ़िल्मों के लिए उनसे संपर्क किया, जिनमें धूल का फूल, गुमराह (1963), वक़्त (1965), हमराज़ (1967), आदमी और इंसान (1969), धुंध (1973) और कई अन्य फ़िल्में शामिल थीं। ओ. पी. नैयर का भोसले के साथ भविष्य में सहयोग दिया। इससे भी उन्हें सफलता मिली। धीरे-धीरे, उन्होंने अपनी पहचान बनाई और सचिन देव बर्मन और रवि जैसे संगीतकारों का संरक्षण प्राप्त किया। 1970 के दशक में भोसले और ओ. पी. नैयर के बीच पेशेवर और निजी तौर पर रास्ते अलग हो गए।[24] 1966 में, संगीत निर्देशक आर.डी. बर्मन के एक साउंडट्रैक, फ़िल्म तीसरी मंज़िल के युगल गीतों में भोसले के गायन को काफ़ी सराहना मिली। बताया जाता है कि जब उन्होंने पहली बार डांस नंबर आजा आजा सुना, तो उन्हें लगा कि वह इस पश्चिमी धुन को नहीं गा पाएंगी। हालांकि बर्मन ने संगीत बदलने की पेशकश की, लेकिन उन्होंने इसे एक चुनौती के रूप में लेते हुए मना कर दिया। दस दिनों के अभ्यास के बाद उन्होंने यह गाना पूरा किया, और आजा आजा—साथ ही ओ हसीना ज़ुल्फ़ों वाली और ओ मेरे सोना रे (ये तीनों ही रफ़ी के साथ गाए गए युगल गीत थे)—काफ़ी सफल रहे। फ़िल्म के मुख्य अभिनेता शम्मी कपूर ने एक बार कहा था, अगर मेरे लिए गाने के लिए मोहम्मद रफ़ी नहीं होते, तो मैं यह काम आशा भोसले से करवाता। भोसले और बर्मन के इस साथ से कई हिट गाने निकले और दोनों ने शादी भी कर ली। 1960-70 के दशक के दौरान, वह हिंदी फ़िल्म अभिनेत्री और नर्तकी हेलेन की आवाज़ बनीं; हेलेन पर ही ओ हसीना ज़ुल्फ़ों वाली गाना फ़िल्माया गया था। कहा जाता है कि हेलेन अक्सर उनकी रिकॉर्डिंग के दौरान मौजूद रहती थीं, ताकि वह गाने को बेहतर ढंग से समझ सकें और उसी के अनुसार अपने डांस के स्टेप्स तय कर सकें।उनके कुछ अन्य लोकप्रिय गानों में पिया तू अब तो आजा (कारवां) और यह मेरा दिल (डॉन) शामिल हैं।1981 में, भोसले ने एक अलग शैली में हाथ आज़माया और रेखा अभिनीत फ़िल्म उमराव जान के लिए कई ग़ज़लें गाईं; इनमें दिल चीज़ क्या है, इन आँखों की मस्ती के, यह क्या जगह है दोस्तों और जुस्तजू जिसकी थी शामिल हैं। फ़िल्म के संगीत निर्देशक खय्याम ने उनकी आवाज़ की पिच (सुर) को आधा नोट कम कर दिया था। भोसले को खुद इस बात पर हैरानी हुई कि वह इतनी अलग तरह से गा सकती हैं। इन ग़ज़लों के लिए उन्हें अपने करियर का पहला राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार मिला। कुछ साल बाद, उन्हें फ़िल्म इजाज़त (1987) के गाने मेरा कुछ सामान के लिए एक और नेशनल अवार्ड मिला।1995 में, 62 साल की उम्र में, भोसले ने फ़िल्म रंगीला में एक्ट्रेस उर्मिला मातोंडकर के लिए गाना गाया। इस फ़िल्म के साउंडट्रैक में उनके गाए गाने तन्हा तन्हा और रंगीला रे शामिल थे, जिन्हें म्यूज़िक डायरेक्टर ए. आर. रहमान ने कंपोज़ किया था; रहमान ने बाद में उनके साथ कई और गाने भी रिकॉर्ड किए। 2000 के दशक में, भोसले के कई गाने चार्टबस्टर बने, जिनमें लगान (2001) का राधा कैसे न जले, प्यार तूने क्या किया (2001) का कम्बख्त इश्क़, फ़िलहाल (2002) का ये लम्हा और लकी (2005) का लकी लिप्स शामिल हैं। अक्टूबर 2004 में, द वेरी बेस्ट ऑफ़ आशा भोसले, द क्वीन ऑफ़ बॉलीवुड नाम से एक एल्बम रिलीज़ हुआ। यह एल्बम 1966 से 2003 के बीच भोसले द्वारा गाए गए गानों और हिंदी फ़िल्मों के गानों का एक कलेक्शन था।2012 में, उन्होंने सुर क्षेत्र शो में जज की भूमिका निभाई।2013 में, 79 साल की उम्र में, भोसले ने फ़िल्म माई में मुख्य भूमिका निभाते हुए अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की। भोसले ने इस फ़िल्म में एक 65 साल की माँ का किरदार निभाया, जो अल्ज़ाइमर की बीमारी से पीड़ति है और जिसे उसके बच्चे छोड़ देते हैं।[26] उनकी एक्टिंग की समीक्षकों ने भी काफ़ी तारीफ़ की।मई 2020 में, भोसले ने आशा भोसले ऑफिशियल नाम से अपना ड्ढश्वह्वञ्जह्वड्ढद्ग चैनल लॉन्च किया।2023 में द इंडियन एक्सप्रेस को दिए एक इंटरव्यू में भोसले ने कहा- मेरे म्यूज़िक के सफ़र का सबसे मुश्किल हिस्सा अपनी एक अलग पहचान बनाना था। आज मुझे इस बात की बहुत खुशी है कि मेरे म्यूज़िक को आशा भोसले स्टाइल के नाम से जाना जाता है। उसी 2023 के इंटरव्यू में, भोसले ने कहा कि उम्र के साथ संगीत के साथ उनका जुड़ाव और भी मज़बूत हो गया है- अब मैं सिर्फ़ कोई धुन नहीं गाती, बल्कि मुझे लगता है कि संगीत की लहरें मेरी रगों में दौड़ रही हैं। यह कुछ ऐसा है, जैसे मैं संगीत को देख सकती हूँ।संगीत निर्देशक ओ. पी. नैयर का भोसले के साथ जुड़ाव हिंदी फ़िल्मों के इतिहास का एक अहम हिस्सा है। वह पहले ऐसे संगीतकार थे, जिन्होंने भोसले को उनकी अपनी एक अलग पहचान दिलाई। कई लोगों ने इन दोनों के बीच प्रेम-संबंध होने की अटकलें भी लगाई हैं।नैयर की भोसले से पहली मुलाक़ात 1952 में, फ़िल्म छम छमा छम की संगीत रिकॉर्डिंग के दौरान हुई थी। इसके बाद उन्होंने भोसले को मांगू (1954) फ़िल्म के लिए बुलाया और उन्हें बाप रे बाप (1955), हम सब चोर हैं (1956), ष्टद्ब.ष्ठ. (1956), दुनिया रंग रंगीली (1957), मिस्टर कार्टून रू. (1958) जैसी कई सुपरहिट फ़िल्मों में काम करने का बड़ा मौक़ा दिया। हालाँकि, यह फ़िल्म नया दौर (1957) की सफलता ही थी, जिसने इस जोड़ी को बेहद लोकप्रिय बना दिया। 1959 के बाद, वह भावनात्मक और पेशेवर, दोनों ही स्तरों पर ओ. पी. नैयर के साथ गहराई से जुड़ गईं।ओ. पी. नैयर और भोसले की इस जोड़ी को उनके चुलबुले और कभी-कभी बेहद मादक गीतों के लिए सबसे ज़्यादा याद किया जाता है। उनके कुछ ऐसे ही मादक गीतों के बेहतरीन उदाहरण हैं—मधुबाला पर फ़िल्माया गया गीत आइए मेहरबाँ (फ़िल्म- हावड़ा ब्रिज, 1958) और यह है रेशमी ज़ुल्फ़ों का अँधेरा (फ़िल्म- मेरे सनम, 1965)। आओ हुज़ूर तुमको (किस्मत, 1968) और जाइये आप कहाँ जायेंगे (मेरे सनम, 1965) भी लोकप्रिय थे। उन्होंने कई हिट गाने भी रिकॉर्ड किए तुमसा नहीं देखा (1957), एक मुसाफ़िर एक हसीना (1962) और कश्मीर की कली (1964) जैसी फ़िल्में। ओ. पी. नैयर ने अपने सबसे मशहूर डुएट गानों के लिए भोसले-रफ़ी की जोड़ी का इस्तेमाल किया, जैसे मांग के साथ तुम्हारा, उड़ें जब जब ज़ुल्फ़ें तेरी (दोनों नया दौर से), आप यूं ही अगर हमसे मिलते रहे, मैं प्यार का राही हूं (दोनों एक मुसाफ़िर एक हसीना से), दीवाना हुआ बादल, इशारों इशारों में (दोनों कश्मीर की कली से)।भोसले ने ओ. पी. नैयर के लिए अपना आखिरी गाना फ़िल्म प्राण जाए पर वचन न जाए (1974) में रिकॉर्ड किया। यह सोलो गाना चैन से हमको कभी कई अवॉर्ड्स जीत चुका है, लेकिन इसे फ़िल्म में शामिल नहीं किया गया था।वे 5 अगस्त 1972 को अलग हो गए। यह साफ़ नहीं है कि किस वजह से उन्होंने अपने रास्ते अलग किए।

-संजय गोस्वामी

पांच किलो वाले घरेलू गैस सिलेंडर की बिक्री 1 लाख प्रतिदिन पार

नई दिल्ली। एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति प्रभावित हुई है, लेकिन भारत में एलपीजी आपूर्ति और दाम स्थिर बने हुए हैं। सरकार ने घरेलू जरूरतों को प्राथमिकता देकर स्थिति को नियंत्रित रखा है। पश्चिम एशिया में तनाव के चलते वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति बाधित हुई है, लेकिन भारत में पेट्रोल-डीजल और घरेलू गैस की उपलब्धता प्रभावित नहीं हुई है। सरकार ने एलपीजी की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए हैं। 5 किलो वाले छोटे एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई बढ़ाई गई है और इसके खरीद नियमों में ढील दी गई है। इसी कारण इसकी मांग तेजी से बढ़ी है और अब रोजाना करीब एक लाख सिलेंडर बिक रहे हैं। 23 मार्च से अब तक 13 लाख से अधिक छोटे सिलेंडर बेचे जा चुके हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, फरवरी में इसकी दैनिक बिक्री लगभग 77,000 थी, जो अब बढ़कर एक लाख के पार पहुंच गई है। 11 अप्रैल को एक ही दिन में 52 लाख से अधिक सिलेंडरों की डिलीवरी हुई। सरकार ने पीएनजी कनेक्शन विस्तार पर भी जोर दिया है और मार्च से अब तक 4.24 लाख नए कनेक्शन दिए गए हैं, जबकि कुछ उपभोक्ताओं ने एलपीजी कनेक्शन स्वेच्छा से छोड़ दिया है।

आईटी नियम संशोधन पर डिजिटल अधिकार संगठनों का विरोध

नई दिल्ली। एजेंसी। दिल्ली स्थित कई डिजिटल अधिकार और पत्रकार संगठनों ने आईटी नियम 2021 में प्रस्तावित संशोधनों को वापस लेने की मांग की है। उनका कहना है कि ये बदलाव ऑनलाइन अभिव्यक्ति और स्वतंत्र मीडिया पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं। दिल्ली की गैर-लाभकारी कानूनी संस्था सॉफ्टवेयर फ्रीडम लॉ सेंटर इंडिया, इंटरनेट फ्रीडम फाउंडेशन, प्रेस क्लब ऑफ इंडिया सहित कई पत्रकार संगठनों ने सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यस्थ दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 में प्रस्तावित संशोधनों का विरोध किया है। इन संगठनों का कहना है कि ये बदलाव स्वतंत्र समाचार माध्यमों और कंटेंट क्रिएटर्स को सूचना और प्रसारण मंत्रालय के अधिक नियंत्रण में ला सकते हैं। इससे डिजिटल स्पेस में सेंसरशिप की आशंका बढ़ सकती है। एसएफएलसी इंडिया की संस्थापक मिशी चौधरी ने कहा कि प्रस्तावित संशोधन संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को सीमित कर सकते हैं और मौजूदा कानूनी ढांचे को कमजोर कर सकते हैं। संगठनों ने सरकार से इन संशोधनों को तुरंत वापस लेने की मांग की है और व्यापक सार्वजनिक परामर्श की आवश्यकता बताई है।

आरबीआई के नए मसौदा नियम- बड़ी सरकारी एनबीएफसी पर बढ़ेगी सख्ती

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के प्रस्तावित मसौदा नियमों से देश की बड़ी सरकारी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) पर नियामकीय दबाव बढ़ सकता है। नए ढांचे के तहत 1 लाख करोड़ रुपए या उससे अधिक परिसंपत्ति वाली एनबीएफसी को ऊपरी स्तर में रखा जाएगा, जिससे वे बैंक जैसी कड़ी निगरानी के दायरे में आ जाएंगी। इस बदलाव को सार्वजनिक क्षेत्र की बड़ी वित्तीय संस्थाओं पर नियंत्रण मजबूत करने के कदम के रूप में देखा जा रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक (भारतीय रिजर्व बैंक) ने एनबीएफसी (एनबीएफसी) के वर्गीकरण के लिए नया मसौदा तैयार किया है, जिसमें परिसंपत्ति के आधार पर ऊपरी स्तर की सीमा 1 लाख करोड़ रुपए तय की गई है। इस श्रेणी में आने वाली कंपनियों पर बैंकों जैसी सख्त पूंजी, अनुपालन और गवर्नेंस आवश्यकताएँ लागू होंगी। वर्तमान में कई सरकारी एनबीएफसी को मध्यम या निचली श्रेणी में रखा जाता है, लेकिन नई व्यवस्था लागू होने के बाद बड़ी सरकारी एनबीएफसी पहली बार ऊपरी स्तर में आ सकती हैं। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम सार्वजनिक क्षेत्र की बड़ी वित्तीय संस्थाओं पर निगरानी को और मजबूत करेगा। इस बीच, टाटा संस (टाटा संस) का मामला भी चर्चा में है। कंपनी को 2022 से ही ऊपरी स्तर में रखा गया है, हालांकि उसने डि-रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन किया था। टाटा संस ने ऋण-मुक्त स्थिति का हवाला देते हुए सूचीबद्धता से छूट मांगी है, लेकिन भारतीय रिजर्व बैंक अभी इस मामले की समीक्षा कर रहा है, जिससे स्थिति स्पष्ट नहीं है। जनवरी 2025 की आरबीआई सूची में 15 ऊपरी स्तर एनबीएफसी शामिल थीं, जिनमें टाटा संस भी एक है। विशेषज्ञों का कहना है कि सरकारी स्वामित्व वाली एनबीएफसी को लेकर नया मसौदा उनकी स्थिति को अधिक स्पष्ट करेगा, लेकिन टाटा संस जैसे मामलों में अभी भी अनिश्चितता बनी हुई है। नए नियमों के अनुसार, एक बार किसी एनबीएफसी को ऊपरी स्तर में शामिल कर दिया गया तो वह कम से कम पांच वर्षों तक कड़े नियामकीय ढांचे के अधीन रहेगी, चाहे उसकी परिसंपत्तियाँ बाद में घट भी जाएं। इससे कंपनियों को स्थायी अनुपालन की तैयारी करनी होगी। एनबीएफसी सेक्टर के जानकारों के मुताबिक परिसंपत्ति आधारित स्पष्ट मानदंड से नियामकीय अनिश्चितता कम होगी और कंपनियों को अपनी कारोबारी योजनाएं पहले से बेहतर तरीके से बनाने में मदद मिलेगी। हालांकि, इससे अनुपालन लागत और जिम्मेदारियां भी बढ़ेंगी।

जीएसटी बदलाव और बाजार दबाव से बीमा कंपनियों के मुनाफे पर असर की आशंका

मुंबई। एजेंसी। वित्त वर्ष 2026 की जनवरी-मार्च तिमाही (चौथी तिमाही) में भारतीय बीमा क्षेत्र के मुनाफे पर दबाव बनने की संभावना जताई जा रही है। विश्लेषकों के अनुसार इसका मुख्य कारण खुदरा जीवन और स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियों पर जीएसटी में कमी के बाद इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का नुकसान है। इसके साथ ही शेयर बाजार की अस्थिरता और बॉन्ड यील्ड में वृद्धि भी बीमा कंपनियों की निवेश आय को प्रभावित कर सकती है। रिपोर्ट्स के अनुसार जीएसटी कटौती के कारण बीमा कंपनियों को आईटीसी का लाभ कम मिल रहा है, जिससे विशेषकर जीवन बीमा कंपनियों के मार्जिन पर असर पड़ सकता है। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि इसका प्रभाव पहले ही कुछ हद तक कीमतों में शामिल कर लिया गया है, इसलिए मार्जिन मोटे तौर पर स्थिर रह सकते हैं। विश्लेषकों का कहना है कि सामान्य बीमा कंपनियों पर अपेक्षाकृत कम दबाव रहने की संभावना है, क्योंकि स्वास्थ्य और मोटर बीमा खंड में मांग में सुधार देखा गया है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट मध्यपूर्व में ईरान और अमेरिका के बची बढ़ते तनाव के कारण दुनिया भर के बाजारों से मिलने वाले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 702.68 अंक टूटकर 76,847.57 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 207.95 अंक नीचे आकर 23,842.65 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं व्यापक बाजारों की बात करें तो मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.57 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.46 फीसदी की गिरावट रही है। निफ्टी ऑटो, निफ्टी एफएमसीजी के साथ ही निफ्टी आईटी में गिरावट रही है। इसके अलावा निफ्टी पीएसयू बैंक , निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी मीडिया में निफ्टी फार्मा में भी गिरावट रही। मारुति सुजुकी, बजाज फाइनेंस, रिलायंस, इंडिगो, जियो

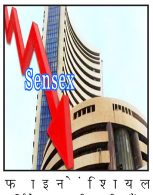

फाइनेंशियल सर्विसेज, एचडीएफसी बैंक, टीसीएस के शेयरों में सबसे ज्यादा 5-2 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई, जबकि एचडीएफसी लाइफ, अदाणी इंटरप्राइजेज, आईसीआईसीआई बैंक, एनटीपीसी, टीएमपीवी, कोल इंडिया और ओएनजीसी के शेयरों में बढ़त रही। बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिका-ईरान के बीच बातचीत टूटने और कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी से भी बाजार नीचे आया है। निवेशकों को संघर्ष तेज होने की आशंका है जिससे वे बाजार से दूर हुए हैं। ऐसे में सभी क्षेत्रों में अस्थिरता से दबाव बढ़ता जा रहा है जिससे बाजार गिरा है।

इससे पहले आज सुबह बाजार भारी गिरावट के साथ खुले। आज सुबह बीएसई सेंसेक्स करीब 75,937 के स्तर पर खुला। सुबह सेंसेक्स 1,598 अंक गिरकर 75,951 के आसपास कारोबार करता नजर आया। इसी तरह निफ्टी भी 2 फीसदी से अधिक की गिरावट के साथ 23,589 के स्तर पर खुला। सुबह के कारोबार में यह करीब 461 अंक टूटकर 23,589 के आसपास बना रहा। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी ने भी निवेशकों की चिंता बढ़ाई है।

रेलवन ऐप से जनरल टिकट बुकिंग पर मिल सकती है 3 फीसदी छूट

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय रेलवे से जुड़ी एक नई डिजिटल पहल को लेकर इन दिनों यात्रियों के बीच चर्चा तेज है। बताया जा रहा है कि रेलवन ऐप के जरिए जनरल टिकट बुक करने पर यात्रियों को किराए में छूट और कैशबैक का लाभ मिलेगा। साथ ही ऐप को वन-स्टॉप सॉल्यूशन बताया जा रहा है, जिसमें यात्रा से जुड़ी कई सुविधाएं एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होंगी। हालांकि इस सु ?विधा को लेकर भारतीय रेलवे या आईआरसीटीसी की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि स्पष्ट रूप से सामने नहीं आई है। इसलिए यात्रियों को सलाह दी जा रही है कि किसी भी ऑफर या छूट पर भरोसा करने से पहले आधिकारिक सूचना अवश्य जांच लें। सूत्रों के अनुसार रेलवन ऐप के माध्यम से अनारक्षित (जनरल) टिकट बुक करने पर यात्रियों को लगभग 3 फीसदी तक की सीधी छूट मिल सकती है। यदि भुगतान डिजिटल वॉलेट यानी आर-वालेट से किया जाता है, तो अतिरिक्त 3 फीसदी तक कैशबैक मिल सकता है। बताया जा रहा है कि यह पहल डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने और स्टेशनों पर भीड़ कम करने के उद्देश्य से शुरू की गई है। इसके अलावा रेलवन ऐप को एक ऑल-इन-वन प्लेटफॉर्म के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। इसमें रिज़र्व्ड, जनरल और प्लेटफॉर्म टिकट बुकिंग की सुविधा, ट्रेन की लाइव लोकेशन ट्रैकिंग, कोच पोजिशन की जानकारी, ई-कैटरिंग सेवा और शिकायत दर्ज कराने की सुविधा शामिल बताई जा रही है। ऐप में आईआरसीटीसी और यूटीएस लॉगिन तथा बायोमेट्रिक लॉगिन जैसे फीचर्स का भी उल्लेख किया गया है।

ईरानी कच्चा तेल सात साल बाद भारत पहुंचा, प्रमुख बंदरगाहों पर पहुंचे दो बड़े टैंकर

नई दिल्ली। एजेंसी। करीब सात वर्षों के अंतराल के बाद ईरान से कच्चे तेल की खेप भारत के तटीय बंदरगाहों पर पहुंची है, जो वैश्विक तेल बाजार और भू-राजनीतिक हालात में बड़े बदलाव का संकेत मानी जा रही है। ईरान से कच्चा तेल लेकर आए दो बड़े टैंकर भारत के पूर्वी और पश्चिमी तट के बंदरगाहों पर पहुंच गए हैं। जहाज ट्रैकिंग डेटा के अनुसार नेशनल ईरानियन टैंकर कंपनी द्वारा संचालित 'फेलिसिटी' गुजरात के सिक्का तट के पास लंगर डाल चुका है। इसमें लगभग 20 लाख बैरल कच्चा तेल है, जिसे मार्च मध्य में खार्ग द्वीप से लोड किया गया था। इसी समय दूसरा टैंकर 'जया' ओडिशा के पारादीप बंदरगाह के पास पहुंचा, जिसमें भी लगभग समान मात्रा में तेल होने का अनुमान है। यह खेप फरवरी के अंत में खार्ग द्वीप से भरी गई थी। यह आपूर्ति लगभग सात वर्ष बाद भारत में ईरानी तेल की वापसी को दर्शाती है। 2018 में अमेरिकी प्रतिबंध सख्त होने के बाद 2019 से भारत ने ईरान से तेल आयात पूरी तरह बंद कर दिया था। तब भारत अपनी कुल तेल जरूरतों का एक बड़ा हिस्सा ईरान से पूरा करता था। हाल ही में अमेरिका द्वारा समुद्र में मौजूद ईरानी तेल की बिक्री के लिए दी गई 30 दिन की प्रतिबंध छूट ने इस व्यापार को फिर से संभव बनाया है। यह छूट वैश्विक आपूर्ति बाधाओं और तेल कीमतों को नियंत्रित करने के उद्देश्य से दी गई थी। हालांकि यह राहत 19 अप्रैल को समाप्त हो जाएगी। पारादीप और सिक्का जैसे प्रमुख बंदरगाहों पर पहुंची इन खेपों के खरीदारों का आधिकारिक खुलासा नहीं हुआ है। हालांकि पारादीप में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की भूमिका मानी जा रही है, जबकि सिक्का क्षेत्र रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन जैसे रिफाइनरों का प्रमुख केंद्र है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि ईरान पर प्रतिबंधों में ढील जारी रहती है तो भारत के लिए सस्ते और अनुकूल कच्चे तेल के नए विकल्प खुल सकते हैं, जिससे ऊर्जा सुरक्षा पर असर पड़ेगा।

मेष- आज का दिन आपके लिए ऊर्जा और उत्साह से भरा रहेगा। आपके सम्मान और मान में बढ़ोतरी होगी, जिससे मन में गर्व और संतोष महसूस होगा। सामाजिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेने से आपकी छवि और निखरेगी। आप अपने धन का कुछ हिस्सा दान-पुण्य में लगाने के लिए सोचेंगे। भाई-बहनों के साथ बेवजह विवाद से बचें, और प्रॉपर्टी संबंधी किसी निर्णय में जल्दबाजी न करें। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी भी मिल सकती है।

वृषभ- आज आप अपने नेतृत्व कौशल और समय प्रबंधन में निखार महसूस करेंगे। अनजान लोगों से दूरी बनाए रखना आपके लिए लाभकारी रहेगा। परिवार के सदस्यों के साथ कहीं घूमने-फिरने का आनंद भी मिलेगा। सेहत पर थोड़ा ध्यान दें और किसी पुराने बिजनेस या निवेश संबंधी समस्या को बातचीत के जरिए सुलझाने की कोशिश करें। परिवार में किसी सदस्य के विवाह प्रस्ताव से माहौल खुशनुमा रहेगा।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए अप्रत्याशित लाभ और खुशियों से भरा रहेगा। जीवनसाथी के साथ तालमेल बढ़ाने से रिश्तों की परेशानियां दूर होंगी। नया वाहन खरीदने के अवसर मिल सकते हैं। धन उधार देने में सावधानी बरतें, क्योंकि वापस मिलने की संभावना कम है। राजनीतिक या सामाजिक आयोजनों में हिस्सा लेने से आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कर्क- आज का दिन मिश्रित अनुभव लेकर आएगा, लेकिन फलदायक साबित होगा। श्रेष्ठ व्यक्तियों का मार्गदर्शन आपको अपने काम समय पर पूरा करने में मदद करेगा। भाई-बहनों के साथ संबंध मधुर रहेंगे और किसी विरोधी से बातचीत करने का अवसर मिलेगा। आपकी कोई मनोकामना पूरी होने से मन को बड़ी खुशी मिलेगी। जल्दबाजी में कोई निर्णय लेने से बचें।

सिंह- आज का दिन सामान्य से बेहतर रहने वाला है। बेवजह विवादों से दूर रहें। नौकरी में कोई खुशखबरी मिलने के योग हैं और जिम्मेदारियों में जूनियर्स से सहयोग मिलेगा। संतान की पढ़ाई को लेकर गुरुजनों से बातचीत कर सकते हैं। शौक और मनोरंजन पर आप खर्च करेंगे, जिससे खर्चा बढ़ सकता है, लेकिन मन को संतोष मिलेगा।

कन्या- आज का दिन आपके लिए अनुकूल और सुखद रहेगा। आपकी ऊर्जा और अनुभव आपके काम में लाभ देंगे। संतान से कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। अपनी वाणी और व्यवहार में सभ्यता बनाए रखें। संतान को पढ़ाई-लिखाई के लिए बाहर भेजने के अवसर बन सकते हैं। धार्मिक या सामाजिक आयोजनों में भाग लेने से मानसिक संतोष मिलेगा।

तुला- आज आपको अपनी सेहत पर पूरा ध्यान देना होगा। वरिष्ठ सदस्यों का सहयोग मिलेगा और लंबे समय से रुके हुए काम गति पकड़ेंगे। घर के रिनोवेशन या छोटे निर्माण कार्य की शुरुआत हो सकती है। माताजी से किसी जरूरी काम को लेकर संवाद होगा। कुछ पुराने शत्रु मित्र बन सकते हैं, जिसे देखकर आपको हैरानी होगी।

वृश्चिक- आज आपका रुका हुआ धन मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। नौकरी में समय से काम पूरा करने की कोशिश सफल होगी। साथी की समस्याओं का समाधान निकालेंगे और परिवार में पूजा-पाठ या धार्मिक आयोजन से सब व्यस्त रहेंगे। छोटे बच्चों के साथ कुछ समय मौज-मस्ती में बीतेगा। अगर आपका बिजनेस या धन डूबा हुआ था, तो उसे वापस पाने की संभावना है।

धनु- आज का दिन आपके लिए लाभदायक और उत्साहवर्धक रहेगा। धर्म-कर्म के कामों में रुचि रहेगी। संतान की परीक्षा या कार्यक्षेत्र में अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। मौज-मस्ती में समय बिताएंगे और मेहनत का फल भी प्राप्त करेंगे। जरूरी जानकारी साझा करने में सतर्क रहें। पारिवारिक मामलों को मिल बैठकर सुलझाने की कोशिश करेंगे। बॉस से प्रमोशन को लेकर बातचीत हो सकती है।

मकर- आज आपको विपरीत परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखना होगा। सोच-समझकर कदम उठाने से काम पूरे होंगे। पैतृक संपत्ति के मामलों में सफलता मिलेगी। यदि आपने किसी से धन उधार लिया था, तो वह वापस मांग सकता है। आर्थिक स्थिति मजबूत करने की कोशिश करेंगे। वाहन चलाने या किसी सहयोगी से मदद लेने में सतर्क रहें। नई कोशिशें सफल होंगी।

कुंभ- आज जोखिम भरे कामों से दूर रहें। भाग्य आपका पूरा साथ देगा। कारोबार में आय के नए स्रोत खुल सकते हैं। किसी सहयोगी से अनावश्यक कहासुनी हो सकती है। शारीरिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें। कार्यक्षेत्र में कोई आपको धोखा देने की कोशिश कर सकता है, इसलिए सतर्क रहें। परिवार में किसी सदस्य के विवाह प्रस्ताव से माहौल खुशनुमा रहेगा।

मीन- आज का दिन सोच-समझकर काम करने का रहेगा। संतान के करियर को लेकर चिंता हो सकती है। बिजनेस में जोखिम से बचें और अनजान लोगों से दूरी बनाए रखें। माता-पिता की सेहत पर ध्यान दें। परिवार के साथ मौज-मस्ती और घूमने-फिरने का समय अच्छा रहेगा। यात्रा के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है।

शब्दजाल - 8228

जि	दि	ल	ज	ले	म	ज	ब	न	र	क
दा	स	यू	न	आ	वा	ग्री	द	इ	ह	ल
स	व	दे	पू	ह	जी	ल	न	ग	क	हो
र	ची	न	श	ट	ज	ज्ञा	म	पा	त	न
फ	त	ई	ड	में	व	खें	न	भा	र्क	हो
रो	मे	म	सु	न	गं	पू	न	ई	र	रू
श	जं	ज	मे	ता	क	गा	श	न	ज	री
क	ल	ग	र	सं	ज	ख्म	र	ली	न	है
ब्रे	बो	र्न	य	सा	चि	क	री	ह	प	ला
त	रा	जु	न	ज	ह	त्र	ट	जी	ता	त
बे	बी	लो	नि	या	ल	ब	र	रा	त	हैं

शब्दजाल में शोनाली बेन्द्रे की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए.शब्द ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

सरफरोश, मेजर साहब, जख्म, दिलजले, भाई, लज्जा, कल हो न हो, तराजु, आहट, जिस देश में गंगा रहता है.

शब्दजाल - 8227 का हल

ऐ	म	मा	अ	शो	का	म	न	ह	क	रा
हा	त	सू	ह	री	ल	जी	स	ल	का	ज
चु	वी	रा	द	अ	प्यु	त	र	म	ल	टी.
प	र	दा	ज	ल	क	जी	ओ	मु	व	त
चु	अ	न	ष	ल	म	मी	छ	झे	सी	ला
प	मी	ज	स	जि	स्वा	क	प	कु	गु	श
के	ह	बु	न	टी	म	मी	टे	छ	हा	ण
न	पू	सु	पा	बी	पं.	सौ	ल	क	ना	स
मों	रे	क	सू	ह	ग	ने	ने	ह	न	त
आ	प	बे	व	फा	दी	र	ह	ना	क	थ
दो	स्ती	न	प	द	न	इ	ह	है	ह	धी

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 7172

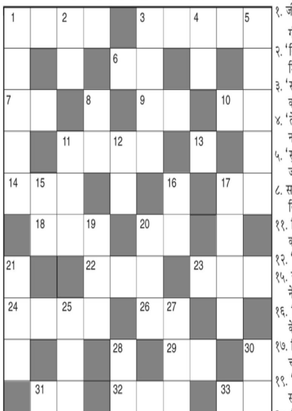

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, अक्षय, करिश्मा की 'दिल लगाने की' गीत वाली फिल्म-२,२
३. 'आते आते तेरी' गीत वाली संजयदत्त, अनिताराज की फिल्म-२,१,२
६. दिलीपकुमार, निम्मी की 'आग लगी तन मन में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'धक धक करने लगा' गीत वाली अनिलकपूर, माधुरी की फिल्म-२
९. 'कमसिन कली हूँ' गीतवाली फिल्म-२
१०. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की रामगोपाल वर्मा निर्देशित फिल्म-२
११. राजेश खन्ना, शबाना की 'दिन महीने साल' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'उंगली में अंगूठी' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१
१४. गोविंदा, रवीना की 'तेरे प्यार ने ये क्या' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'दोस्तों तुम सबको' गीतवाली अनिल, जैकी, टीना, हेमा की फिल्म-२
१८. नायक सुनीलदत्त वाली फिल्म 'मिलन' की नायिका कौन थी-३
२०. 'सनी' में अमृता सिंह का नायक-२
२२. अशोक, मधुबाला की 'मुश्किल है बहुत मुश्किल' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' गीत वाली संजयदत्त, अनिताराज की फिल्म-३
२४. सुनील शेट्टी, रवीना टंडन की 'बप्पा मोरिया' गीत वाली फिल्म-४
२६. 'ऐ दिल कहाँ तेरी मंजिल' गीतवाली देव आनंद, माला की फिल्म-२
२९. दीनो मोरिया, बिपाशा बसु की 'तुम अगर सामने' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिरोज खान, संजय, मुमताज की फिल्म-२
३२. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या की 'तेरी उम्मीद तेरा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'मेरा कँगना झाँझर चूड़ी' गीत वाली सुनील शेट्टी, रंभा की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, रेखा की 'मैं ने कह दी तूने सुन ली' गीत वाली फिल्म-२,३
२. 'दिलबर दिलबर' गीत वाली अनिल कपूर, शिल्पा, करिश्मा की फिल्म-२
३. 'सच कहते हैं हम' गीत वाली अक्षय कुमार, करिश्मा की फिल्म-४
४. 'तेरा जादू चल गया' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-२
५. 'सुन सजना तेरे' गीत वाली मिथुन, जयाप्रदा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-५
८. सलमान खान, रेवती की 'साथिया तूने क्या किया' गीत वाली फिल्म-२
११. फिल्म 'कालीचरण' में 'लॉयन' के नाम से कौन प्रसिद्ध हुआ-३
१२. 'इस टूट दिल की पीर' गीतवाली फिल्म-२
१५. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
१६. फिल्म 'प्यार दिवाना होता है' में गोविंदा के साथ नायिका -२
१७. मिथुन, संगीता बिजलानी की 'नाले नाले मैं चली' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
२०. फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
२१. १९४२ ए लव स्टोरी' के गीत 'क्यों नये लग रहे हैं' की गायिका कौन?-३
२५. फिल्म 'अमर प्रेम' में नायिका कौन थी-३
२७. 'छू कर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३
२८. धर्मेन्द्र, सायरा 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
३०. संजय खान, डैनी, जीनत की 'उलझन सुलझे ना' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7171

बं	दि	नी		पु		गैं	ब	ल	र
ध		ल	ल	का	र		हा		वी
न	सी	म		र		प	र	वा	ना
	मा		श		सु	र		सु	
आ		आ	शि	क		दे	वी		ह
ह	मे	शा		ह	व	स		स	त्या
	ला		आ	र	जू		खे	ल	
बे		ला	वा		द	स		मा	या
खु			रा	जू		फ	र्ज		रा
दी	वा	ने		ली	ड	र		टी	ना

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

14 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मीन में
चंद्र	कुंभ में
मंगल	मीन में
बुध	मीन में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	मेष में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
मेष	05.45 बजे से
वृष	07.25 बजे से
मिथुन	09.23 बजे से
कर्क	11.36 बजे से
सिंह	13.53 बजे से
कन्या	16.04 बजे से
तुला	18.15 बजे से
वृश्चिक	20.30 ब.से
धनु	22.46 बजे से
मकर	00.51 बजे से
कुंभ	02.37 बजे से
मीन	04.10 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 104 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** द्वादशी 00.13 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** शतभिषा 16.06 बजे को समाप्त। **योग** शुक्ल(शुक्र) 15.39 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 12.47 बजे तदनन्तर तैतिल 00.13 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 09° 20' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872679 **जूलियन दिन** 2461144.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** सव्वाल **तारीख** 25 **विशेष** सोलर नववर्ष, पुथन्डु, बैसाखी, अम्बेडकर जयंती, भुंजिया एवं अग्नि निरोधक दिवस।

दिन का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक

रात का चौघड़िया		
काल	05.42 से	07.13 बजे तक
लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: अपना पता

एक बार रामकृष्ण परमहंस के पास एक श्रीमंत आकर बोले, सुना है आपके पास मां आती हैं, आप उनसे बातें भी करते हैं। रामकृष्ण बोले, हां... आती हैं .. जिस तरह से तुम मेरे साथ बातें कर रहे हो, उसी प्रकार मैं उनके साथ भी बातें करता हूं। मां कब आती हैं? श्रीमंत ने पूछा। उनका आगमन तय नहीं होता, जब उनकी इच्छा होती है तब आ जाती हैं, रामकृष्ण सहज भाव से बोले। श्रीमंत बोला, स्वामी जी मेरा एक काम करना, इस बार जब मां आएं तो कहना कि मेरे पास भी पधारें। आप तो जानते ही हैं कि मैं बहुत व्यस्त रहता हूं, इसलिए यहां बैठ कर प्रतीक्षा नहीं कर सकूंगा। रामकृष्ण बोले, ठीक है, अगली बार मां जब भी मुझे मिलेंगी तो अवश्य कहूंगा, मगर वह तुम्हें मिलने के लिए कहां आएंगी? उस श्रीमंत ने रामकृष्ण को अपना विजिटिंग कार्ड बढ़ाया। रामकृष्ण बोले, नहीं, नहीं, मुझे तुम्हारी कोठी का नहीं, तुम्हारा एड्रेस चाहिए, बस वह दे दो। श्रीमंत उलझन में फंस गया, बोला, 'मेरा पता' का मतलब? हां, तुम्हारा पता, तुम कौन हो? मां को तो तुम्हारा पता देना पड़ेगा, तभी तो वह जा पाएंगी। रामकृष्ण ने विजिटिंग कार्ड वापस लौटा दिया और कहा, ये एड्रेस तो आपकी कोठी, ऑफिस और फैक्ट्री के हैं।

मां वहां थोड़े ही जाएंगी। वे तो तुम्हारे पास जाएंगी, इसलिए अपना पता बताओ। श्रीमंत को फिर भी समझ में नहीं आया, मेरा पता का मतलब? तब रामकृष्ण ने समझाया, तुम्हारे पते का मतलब है, तुम्हारे देह के भीतर जो आत्मा बैठी है, उसका पता। जिस दिन तुमको उसका पता मिल जाएगा, उस दिन मां बिना बुलाए तुम्हारे पास आ जाएंगी। अचानक श्रीमंत को सब कुछ समझ में आ गया। वह रामकृष्ण के चरणों पर गिर कर रोने लगा, उसका सारा अहंकार पिघल गया। उस दिन से वह अपना सही ठिकाना ढूंढने के लिए एक साधक की तरह जीवन बिताने लगा।

सूडोकु नवताल- 7481

★★★✯✩ मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7480 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शब्द पहेली - 8696

बाएँ से दाएँ

1. चोगा, गाऊन-3
3. पायजामा, शलवार-4
6. भाग्य, लक-3
7. सूर्य, भास्कर-2
8. बिता हुआ दिन-2
10. न्यूनता, निम्नता-5
12. मैडल, पदक-3
15. माला का मोती-3
17. कुलिन स्त्री-5
20. थूक, लेस-2
22. विलंब, लेट-2
23. जाँच, निरीक्षण-3
24. श्मशान, शवदाहगृह-4
25. साफ, बेदाग-3

ऊपर से नीचे

2. दानशीलता, उदारता-5
3. पाठ, शिक्षा-3
4. रात्रि जागरण-4
5. नेत्रावरण-3
7. लीन, मगन-2
9. बुरी आदत-2
11. कामदेव-3
13. मगरमच्छ-3
14. इंतजार करना-2,3
15. आलेप, लोशन-4
16. सफेद का विलोम-2
18. पानी से सराबोर-2
19. माजरा, हालात-3
21. रिपोर्ट-3

शब्द पहेली -8695 का हल

	दा	वा	न	ल		ज		
	ग		मी		ना	मा	कू	ल
म	दा	री		स	ज	ना		बा
	र	स	ना		न		जा	ल
आ		ना	म	र	ख	ना		ब
म	य		क		रा	श	न	
रा		का	र	ण		क	म	रा
य	की	न	न		श		की	
		न		सा	व	धा	न	

Jagrutidaur.com, Bangalore

वन एवं वन्य प्राणी संरक्षण कर्मचारी संघ लांजी ने वनरक्षक स्व. हरकेश गुर्जर को दी श्रद्धांजलि

पद्मेश न्यूज। लांजी। वन एवं वन्य प्राणी संरक्षण कर्मचारी संघ तहसील शाखा लांजी, जिला बालाघाट ने अपने साथी वनरक्षक स्व. श्री हरकेश गुर्जर की निर्मम हत्या पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की। 13 अप्रैल 2026 को परिक्षेत्र अधिकारी कार्यालय के प्रांगण में परिक्षेत्र पूर्व लांजी सामान्य, परिक्षेत्र पश्चिम लांजी सामान्य एवं उत्पादन परिक्षेत्र तथा लांजी काष्ठागार डिपो के कर्मचारियों की उपस्थिति में शोक सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्व. हरकेश गुर्जर के छायाचित्र के समक्ष मोमबत्तियां जलाकर दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। 8 अप्रैल 2026 को मुरैना जिले के गेम रेंज अंबाह (वनमंडल मुरैना) में अवैध रेत खनन एवं परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए वन विभाग की एक 6 सदस्यीय गश्ती टीम रूटीन पेट्रोलिंग पर निकली थी। टीम चंबल नदी क्षेत्र से अवैध रूप से निकाली जा रही रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को रोकने का प्रयास कर रही थी। वनरक्षक हरकेश गुर्जर ने ट्रैक्टर रोकने के लिए आगे बढ़कर संकेत दिया, लेकिन रेत माफियाओं ने बेरहमी से ट्रैक्टर-ट्रॉली को उनके ऊपर चढ़ा दिया। इससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

शोक सभा की प्रमुख उपस्थिति में रहे

अभिषेक जाट परिक्षेत्र अधिकारी, पूर्व लांजी सामान्य, सपन ताम्रकार परिक्षेत्र अधिकारी पश्चिम लांजी सामान्य, के.एल. धुर्वे डिपो अधिकारी लांजी, रमेश वाकले तहसील अध्यक्ष वनरक्षक एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी के अलावा उपवनमंडल लांजी सामान्य एवं उत्पादन तथा लांजी डिपो उत्पादन के समस्त कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। सभी ने स्व. हरकेश गुर्जर के चित्र के समक्ष फूल मालाएं चढ़ाई और श्रद्धा सुमन अर्पित किए। सभा में वक्ताओं ने कहा कि वन कर्मचारियों की जान को खतरा बढ़ता जा रहा है। रेत माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई। कर्मचारियों ने मांग की कि वन विभाग के कर्मचारियों को बेहतर सुरक्षा उपकरण, हथियार और कानूनी संरक्षण प्रदान किया जाए ताकि ऐसे जघन्य कृत्यों की पुनरावृत्ति न हो। वन एवं वन्य प्राणी संरक्षण कर्मचारी संघ तहसील शाखा लांजी ने स्व. हरकेश गुर्जर की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की और परिवार को हर संभव मदद का आश्वासन दिया। घटना ने एक बार फिर अवैध खनन माफियाओं के बढ़ते आतंक और वन विभाग की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। वन कर्मचारियों ने मांग की है कि रेत माफियाओं पर सख्त कार्रवाई हो, वन रक्षकों को उचित सुरक्षा प्रदान की जाएं, मृतक के परिवार को उचित मुआवजा और सरकारी नौकरी दी जाएं।

संगठन सृजन अभियान के तहत ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बहेला ने विभिन्न ग्रामों में की बैठक

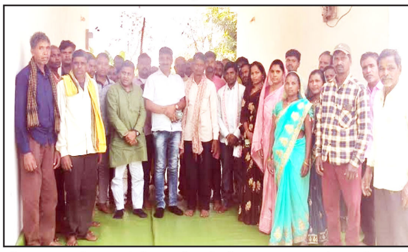

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र में कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे संगठन सृजन अभियान के तहत ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बहेला द्वारा 12 एवं 13 अप्रैल को क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायतों में महत्वपूर्ण बैठकों का आयोजन किया जा रहा है यह आयोजन कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी एवं मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार तथा जिला कांग्रेस अध्यक्ष संजय उईके और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय सचिव हिना कावरे के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। बैठकों में पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

12 अप्रैल को तीन ग्राम पंचायतों में बैठक

12 अप्रैल को संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत ओटेकसा, परसवाड़ा एवं बापड़ी में बैठकें आयोजित की गईं। इन बैठकों में जनपद अध्यक्ष देवेंद्र खोंगल, मंडल अध्यक्ष राजू मेंढे तथा संबंधित ग्राम पंचायतों के प्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठकों में सर्वसम्मति से ग्राम स्तर पर संगठन को मजबूत करने हेतु नए अध्यक्षों का चयन किया गया । ग्राम ओटेकसा से अर्जुन पिता गेंदलाल खरे, ग्राम परसवाड़ा से अजय पिता भरतलाल पटले, ग्राम बापड़ी से रोशनलाल पिता हनिराम भागड?र को सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया जाकर कार्यकारिणी गठित करने के निर्देश दिये गये।

13 अप्रैल को खांडाफरी और टेकरी में कमेटी गठन

13 अप्रैल को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बहेला के अंतर्गत ग्राम पंचायत खांडाफरी एवं टेकरी में बैठक आयोजित कर कमेटियों का गठन किया गया। इस अवसर पर जनपद उपाध्यक्ष अजय अवसरे, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष ऋषि पटेल, मंडलम अध्यक्ष दिनेश लाड़े, सरपंच राजू सोयाम, गणेश बागड़े एवं प्रभुदयाल किरमें सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। बैठकों में उपस्थित पदाधिकारियों ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर जोर देते हुए कार्यकर्ताओं से सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संगठन सृजन अभियान के माध्यम से कांग्रेस पार्टी गांव-गांव में अपनी जड़ों को और मजबूत कर रही है।

जनपद लांजी में नवागत सीईओ अंकित सिंघई ने संभाला पदभार

पद्मेश न्यूज। लांजी। जनपद पंचायत लांजी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के पद पर नवागत सीईओ अंकित सिंघई के द्वारा 13 अप्रैल को पदभार ग्रहण किया गया है। बतादे कि मुलतः सागर निवासी अंकित सिघंई की यह पहली पदस्थापना है। जो कि अब लांजी जनपद पंचायत के बतौर सीईओ के पद पर कार्य करेंगे। आप के पदभार ग्रहण करने पर जनपद पंचायत लांजी से उपाध्यक्ष अजय अवसरे, पूर्व जनपद अध्यक्ष देवेन्द्र खोंगल, सभापति दिनेश लाड़े, रेवाजी करहाटकरे सहित जनपद पंचायत लांजी के अधिकारी कर्मचारियों के द्वारा पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत अभिनंदन करते हुये लांजी पंचायत क्षेत्रो की प्रमुख गतिविधियों से अवगत कराया गया। पदभार ग्रहण करने के उपरांत नवागत सीईओ अंकित सिंघई ने कहा कि पहली प्राथमिकता रहेगी की क्षेत्र की जनता को शासकीय योजनाओं को समय पर लाभ दिलाया जा सके। हितग्राही मूलक योजनाओं का समय पर क्रियान्वयन हो। शासन की योजनाओं का लाभ प्रत्येक हितग्राही को प्राप्त हो, जनपद स्तर से होने वाले प्रत्येक कार्य पूर्ण गुणवत्ता के साथ हो साथ ही वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा निर्देश के आधार पर कार्य संचालित किये जायेंगे। बतादे कि अंकित सिंघई के पदभार ग्रहण करने के पश्चात पूर्व जनपद पंचायत सीईओ रामगोपाल यादव ने वारासिवनी जनपद पंचायत का पदभार ग्रहण करेंगे।

मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर फिसली - दो लोग गंभीर रूप से घायल

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी आमगांव मार्ग पर ग्राम कटंगी रमपुरा के पास 12 अप्रैल की रात्रि तकरीबन 10 बजे एक सड? हादसे में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गये जिनका प्राथमिक उपचार सिविल अस्पताल लांजी में किया गया। घटना के संबध में प्राप्त जानकारी के अनुसार जितेंद्र चौधरी पिता देवराम 40 वर्ष, निवासी लांजी बाजार चौक, अपने साथी उमाशंकर धारने पिता रूपचंद धारने उम्र 30 वर्ष, निवासी रमपुरा जो लांजी से रमपुरा अपनी मोटर सायकल से जा रहे थे। जैसे ही दोनो ग्राम कटंगी पंहुचे मोटर सायकल का संतुलन बिगड़ गया तथा दोनो ही व्यक्ति मोटर सायकल सहित सड? किनारे सीधे खेत की बंधी में जा गिरे, हादसे में दोनो ही व्यक्तियों को गंभीर चोटे आई है तथा दोनो ही घायल अवस्था में खेत मे पड़े हुये थे जिन्हे राहगीर प्रतिक देवगड़े के द्वारा देखा गया तथा अपने निजी वाहन से दोनो ही घायलो को लेकर सिविल अस्पताल लांजी पंहुचकर उनका उपचार करवाया गया। वहीं घटना में ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि मोटर सायकल सवार नशे की हालत में थे जिसके चलते यह हादसा हुआ है। लोगो के द्वारा प्रशासन से मांग की गई है नशे की हालत में वाहन चलाने वालो पर कार्यवाही की जाये क्यों कि अधिकतर देखा जाता है कि नशे की हालत में वाहन चलाने के चलते बडी बड़ी सड? दुर्घटनाऐं सामने आती है इस तरह की दुर्घटनाओ को रोकने के लिये प्रशासन को चाहिये कि सड?ो पर शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर कार्यवाही की जाये।

अवंती साधना मंच ने बोलेगांव में ग्राम समिति का किया गठन

पद्मेश न्यूज। लांजी। अवंती साधना मंच के तत्वावधान में रविवार 12 अप्रैल 2026 को ग्राम बोलेगांव में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में ग्राम समिति बोलेगांव का गठन किया गया तथा अन्य सामाजिक मुद्दों और आगामी गतिविधियों पर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता अवंती साधना मंच के उपाध्यक्ष टोमेश्वर बापुरे ने की। बैठक में प्रमुख रूप से अशोक महिश्वरे, डी.आर. उपराडे, भवनदास दशरिया, प्रमोद धामने, कृष्णाकुमार लिल्हारे, विजय दशरिया, पुनाराम पिछोड़े तथा दिनेश धनवले उपस्थित रहे। बैठक में ग्राम समिति बोलेगांव का गठन किया गया जिसमें अध्यक्ष भोजराज बापुरे, उपाध्यक्ष सुनिल कालबेले, सचिव ओमप्रकाश बापुरे, कोषाध्यक्ष डॉ. जीतू बापुरे, सहसचिव धर्मेन्द्र कालबेले, संरक्षक अशोक बापुरे के अलावा कार्यकारिणी समिति सदस्यों में अनिल बापुरे, अनिल भरतद्वाज, राजेंद्र बिहोने, रोशन बापुरे, नेतलाल सांवरिया, रामचंद्र कालबेले, आदेश बिलावर, देबीलाल बापुरे, चिंतामन बिलावर, होलचंद कबीरे, भुवन एकोने शामिल हैं। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि आगामी बैठक में कार्यकारिणी समिति में और भी सदस्यों को शामिल किया जाएगा। बैठक का सफल संचालन अनिल बापुरे द्वारा किया गया। आगामी आने वाले अवकाश के दिनों में क्रमशः ग्राम आवा, चुरली, घंसा, चिचोली तथा चिखली में भी ग्राम समितियों का गठन करने के लिए बैठकें आयोजित की जाएंगी।

डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती का जिला स्तरीय कार्यक्रम 14 अप्रैल को

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारत रत्न डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर की जयंती का जिला स्तरीय कार्यक्रम 14 अप्रैल को सांदीपनि विद्यालय बालाघाट में जिला प्रशासन द्वारा किया जाएगा। यह कार्यक्रम दोपहर 02 बजे आयोजित होगा, जिसमें बालाघाट-सिवनी संसदीय क्षेत्र की सांसद महोदया सहित अन्य विशिष्ट अतिथि भी शामिल रहेंगे। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर ने बताया कि जिला स्तर पर आयोजित कार्यक्रम के साथ ही जिले के विभिन्न विकासखंडों में भी समारोह आयोजित किए जाएंगे। बैहर के आंबेडकर पार्क, बिरसा के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, परसवाड़ा के आंबेडकर चौक, लांजी एवं किरनापुर जनपद पंचायत, वारासिवनी के ग्राम पंचायत रामपायली, खैरलांजी के खुर्सीपार, लालबर्रा के पनबिहरी और कटंगी के महकेपार में स्थानीय विधायक व जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में कार्यक्रम होंगे। इन आयोजनों में डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर के जीवन, उनके सामाजिक योगदान और राष्ट्र निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका से अवगत कराया जाएगा। साथ ही भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन भी किया जाएगा। सहायक आयुक्त श्रीमती डामोर ने सभी नागरिकों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है।

अम्बेडकर-फूले संयुक्त जयंती समारोह पर निकलेगी भव्य रैली, ऑर्केस्ट्रा का होगा आयोजन

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। तहसील मुख्यालय ग्राम पंचायत किरनापुर के डॉ बाबा साहब अम्बेडकर बस स्टैण्ड किरनापुर मे 14 अप्रैल को सामाजिक शिक्षा क्रांति के जनक राष्ट्रपिता ज्योतिबा राव फूले एवं विश्व रत्न भारतीय संविधान के शिल्पकार बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर संयुक्त जयंती समारोह बड़े ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास से मनाया जाएगा। इस अवसर पर सर्वप्रथम 13 अप्रैल की रात्रि मे भव्य आतिशबाजी कर एवं केक काट कर जन्मदिन की खुशियां मनाई जाएगी। वही 14 अप्रैल को सुबह 9 बजे बस स्टैण्ड किरनापुर मे बाबा साहब अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पूजा वंदना की जाएगी तत्पश्चात् सुबह 9.30 बजे संविधान चौक मे महात्मा ज्योतिबा राव फूले एवं बाबा साहब अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया जाएगा। तथा सुबह 10 बजे शाक्यमुनि बुद्ध विहार मे महापरित्राण पाठ कर प्रसादी वितरण किया जाएगा। वहीं दोपहर 2 बजे बस स्टैण्ड किरनापुर से डीजे की धुनों पर भव्य रैली निकाली जाएगी जो नगर के विभिन्न मार्गों का भ्रमण करते हुए पुनः बस स्टैण्ड मे एकत्रित होगी।जहां मंचीय कार्यक्रमो का आयोजन श्रीनिवास बारमाटे, सामाजिक कार्यकर्ता के मुख्यातिथ्य एवं धर्मकला भाई जे पी रामटेके सरपंच ग्राम पंचायत किरनापुर की अध्यक्षता एवं सामाजिक कार्यकर्ता सुनील मेश्राम, भारतीय बौद्ध महासभा तहसील शाखा किरनापुर अध्यक्ष दुरेन्द्र सावनकर, सामाजिक कार्यकर्ता मीना ऊईके, सामाजिक कार्यकर्ता सर्व आदिवासी समाज संगठन तिलकचंद खंडवाहे, मनोहर छिपेकर अध्यक्ष रविदासिया समाज संगठन किरनापुर, बालचंद पांचे सरपंच ग्राम पंचायत बम्हनगांव, मनमोहन वैद्य सरपंच ग्राम पंचायत मौदा के विशेष आतिथ्य मे आयोजित किया जाएगा। वही रात्रि मे इस अवसर पर शानदार ऑर्केस्ट्रा मे भीम एवं फूले के जीवन चरित्र पर आधारित गीतों की प्रस्तुति कलाकारों द्वारा दी जाएगी। इस अवसर पर कार्यक्रम आयोजक समिति अध्यक्ष जे पी रामटेके, उपाध्यक्ष अमित गेडाम, एन के मेश्राम, बी आर डोंगरे, सचिव एस आर पटले, सह सचिव-संदीप नागवंशी, हंसराज वाहने, कोषाध्यक्ष राकेश बोरकर, संरक्षक व्ही एन मेश्राम, एस सी वैद्य, दुर्गेश भीमटे, रविन्द्र शेंडे, गौतम भीमटे, विनोद बांसोड़,रोहिदास मेश्राम,राजेन्द्र वैद्य, राजेश वंजारी, दिलीप वैद्य, सहित समस्त कार्यकारिणी सदस्यों एवं ग्रामीणों ने क्षेत्रवासियों से आयोजित कार्यक्रमों मे शामिल होकर अधिक से अधिक संख्या मे अपनी सहभागिता प्रदान करने का आव्हान किया है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

डोनाल्ड ट्रंप की होर्मुज में नाकेबंदी से तेल सप्लाई पर खतरा बढ़ा, कीमतें 100 डॉलर के पार...

हालात बिगड़े तो भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है गंभीर असर

भोपाल। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से होर्मुज जलडमरूमध्य में नौसैनिक नाकेबंदी की घोषणा के बाद हालात अचानक तनावपूर्ण हो गए हैं। यह रास्ता दुनिया के सबसे अहम तेल सप्लाई रूट्स में से एक है, इसलिए इस कदम का असर तुरंत ग्लोबल बाजारों पर दिखने लगा। एशियाई शेयर बाजारों में गिरावट आई और निवेशकों में डर का माहौल बन गया। जैसे ही सप्लाई पर खतरे की खबर आई, कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आ गई। कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गईं और आगे और बढने् का अंदेशा है। इसका मतलब साफ है कि अगर यह हालात बने रहे, तो पेट्रोल-डीजल से लेकर रोजमर्रा की चीजें महंगी हो सकती हैं। इससे अगर हालात बिगड़े तो भारत की अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ सकता है।

अगर कीमतें बढ़ती हैं, तो भारत का आयात बिल तेजी से बढ़ सकता है। इससे सरकार पर दबाव बढ़ेगा और आम लोगों पर भी असर पड़ेगा। तेल महंगा होने का असर हर सेक्टर पर पड़ता है। ट्रांसपोर्ट से लेकर खाने-पीने की चीजों तक सब महंगा हो जाता है। यानी आने वाले समय में महंगाई बढने् का खतरा साफ नजर आ रहा है। वहीं इस संकट का असर अब भारत के बाहरी व्यापार पर भी दिखने लगा है। देश के करीब 20 प्रतिशत एक्सपोर्ट पर असर पड़ा है, क्योंकि लाल सागर और ओमान की खाड़ी के रास्ते में शिपिंग में दिक्कतें आ रही हैं। इसका असर खाड़ी देशों में काम करने वाले भारतीयों पर भी पड़ा है। वहां रहने वाले करीब 1 करोड़ भारतीयों में से लगभग 9 लाख लोग नौकरी कम होने की वजह से भारत लौट चुके हैं। खासकर कंस्ट्रक्शन और गिग सेक्टर में काम के मौके घटे हैं। इस वजह से विदेश से भारत आने वाले पैसे में कमी आने का खतरा बढ़ गया है, जिसका सबसे ज्यादा असर केरल जैसे राज्यों पर पड़ सकता है। अगर यह तनाव जल्दी खत्म नहीं होता, तो

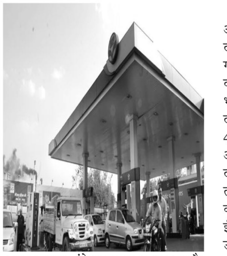

इसका असर लंबे समय तक रह सकता है। दुनिया भर में आर्थिक विकास धीमा पड़ सकता है और महंगाई बढ़ सकती है। भारत के लिए यह समय सतर्क रहने और सही फैसले लेने का है।

5वें महीने देश में बढ़ी महंगाई

सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, मार्च में भारत की खुदरा महंगाई दर मामूली रूप से बढक़र 3.40 प्रतिशत हो गई, जो फरवरी में 3.21 प्रतिशतथी। इसकी वजह यह रही कि मिडिल ईस्ट से पैदा हुए भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति-पक्ष के दबावों का असर कीमतों पर पडने् लगा। 45 अर्थशास्त्रियों के रॉयटर्स पोल में अनुमान लगाया गया था कि मार्च में महंगाई दर मामूली रूप से बढक़र 3.48 फीसदी तक पहुंच सकती है। इसमें ईंधन की कीमतों में हुई भारी बढ़ोतरी के असर को, ईरान युद्ध से जुड़े तनाव बढने् के बाद उस महीने सोने की कीमतों में हुई लगभग 11 फीसी की गिरावट ने कुछ हद तक कम कर दिया। इस बढ़ोतरी के बावजूद, संशोधित ढांचे के तहत, महंगाई दर लगातार 12 महीनों तक भारतीय रिजर्व बैंक के 4 फीसदी के मध्यम-अवधि के लक्ष्य दायरे से नीचे बनी रही है।

आरबीआई ने बाहरी जोखिमों के प्रति आगाह किया

अप्रैल में हुई मॉनेटरी पॉलिसी समिति की बैठक में, भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा कि हालांकि भारत के व्यापक आर्थिक बुनियादी सिद्धांत मजबूत बने हुए हैं, लेकिन अगर वैश्विक तनाव बना रहता है या और बढ़ता है, तो बाहरी झटके और तेज हो सकते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ??ने कहा था कि भारतीय अर्थव्यवस्था के बुनियादी सिद्धांत अब पहले की तुलना में अधिक मजबूत स्थिति में हैं, जिससे इसमें झटकों को झेलने की क्षमता (लचीलापन) बढ़ गई है। अर्थव्यवस्था को आपूर्ति-पक्ष के झटके का सामना करना पड़ रहा है। बदलते हालात और विकास-महंगाई के उभरते परिदृश्य पर नजर रखना और इंतजार करना ही समझदारी होगी।

घर, 33 एकड़ जमीन और 85 हजार मासिक पेंशन, नहीं मिलेगी अनुकंपा नियुक्ति

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक से ज्यादा घर और कई एकड़ जमीन वाले एक युवक को पिता के बाद अनुकंपा नियुक्ति देने से इनकार कर दिया है। याचिकाकर्ता उसके पिता के निधन के बाद अनुकंपा नियुक्ति चाह रहा था। कोर्ट पहले भी यह कहता रहा है कि अनुकंपा नियुक्ति को अधिकार के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। साथ ही ऐसी नियुक्ति के लिए उम्मीदवारों का जरूरी मानदंडों को पूरा करना अनिवार्य है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता के पिता सेंट्रल एक्साइज में प्रधान आयुक्त थे। अगस्त 2015 में उनका निधन हो गया था। अब याचिकाकर्ता ने सीजीएसटी और सेंट्रल एक्साइज राजस्थान में मुख्य आयुक्त के कार्यालय में अनुकंपा नियुक्ति की मांग की है। जस्टिस उज्जल भुइयां और जस्टिस मनमोहन ने याचिका खारिज कर दी है। खास बात है कि याचिकाकर्ता के पिता दो घर, 33 एकड़ जमीन और 85 हजार रुपए परिवार को मासिक पेंशन छोड़ गए हैं। राजस्थान हाईकोर्ट और सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्युनल की तरफ से याचिकाकर्ता की अनुकंपा नियुक्ति की याचिका को खारिज कर दिया था। उन्होंने डिपार्टमेंट के इस दावे को बरकरार रखा कि परिवार के पास सुविधाओं के साथ रहने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं। रिपोर्ट के मुताबिक विभागीय समिति ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए 19 आवेदकों के नाम पर विचार किया था, जिनमें से सिर्फ तीन को पात्र माना गया। विभाग का कहना है कि अनुकंपा नियुक्ति को अधिकार के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। ऐसे रोजगार के दावों पर सिर्फ वहां विचार किया जाता है, जहां परिवार मुश्किलों का सामना कर रहा हो। समिति ने कहा कि दिवंगत सरकारी कर्मचारी के परिवार में पत्नी और उनके बेटा-बेटी हैं। बेटा और बेटी दोनों ही बेरोजगार हैं और शादी नहीं हुई है। परिवार के पास गांव में एक घर है, 33 एकड़ कृषि भूमि है, जयपुर में एचआईजी घर है। परिवार को 85 हजार रुपए मासिक पेंशन मिल रही है। परिवार की मासिक आय उनकी आजीविका के साथ सामाजिक दायित्वों के लिए पर्याप्त है।

एसआईआर में नाम कटने वालों को सुप्रीम कोर्ट ने अंतिरम अधिकार देने से किया इनकार

बंगाल में 34 लाख लोग नहीं डाल सकेंगे वोट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में उन लाखों लोगों को वोट डालने की अनुमति देने से इनकार कर दिया है, जिनका नाम स्पेशल इंटेंसिव रिव्यू के दौरान वोटर लिस्ट से कट गया था। अदालत को सूचित किया गया था कि 11 अप्रैल तक पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची से नामों को खारिज किए जाने या हटाए जाने के खिलाफ 34 लाख 35 हजार 174 अपीलें दायर की गई थीं। याचिकाकर्ताओं ने दलील दी कि मतदाताओं को बिना किसी उपाय के नहीं छोड़ा जाना चाहिए, खासकर तब जब 23 अप्रैल को मतदान होना निर्धारित है।

वोटर लिस्ट में संशोधन से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि हम ऐसी स्थिति पैदा नहीं कर सकते जिससे अपीलीय ट्रिब्यूनल के जजों पर काम का बोझ बढ़ जाए। हमारे पास एक और याचिका भी है, जो इन अपीलों पर रोक लगाने की मांग करती है। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से तृणमूल कांग्रेस के नेता और वकील कल्याण बनर्जी ने केस की पैरवी की। उन्होंने कहा कि कम से कम 16 लाख अपीलें दायर की गई हैं, और उन्हें इस महीने के आखिर में होने वाले दो चरणों वाले विधानसभा चुनाव में वोट डालने की इजाजत दी जानी चाहिए। इसके जवाब में भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि यह तो बिल्कुल भी मुमकिन नहीं है। अगर हम इसकी इजाजत देते हैं, तो इसमें शामिल लोगों के वोटिंग अधिकार रोकने पड़ेंगे।

कल्याण बनर्जी ने कहा कि बंगाल के लोग न्याय के लिए इस अदालत की ओर देख रहे हैं। लोग अपने वोट देने के अधिकार का इस्तेमाल करना चाहते हैं। 34 लाख लोग असली वोटर हैं, इसीलिए वे न्याय के लिए आपकी ओर देख रहे हैं। टीएमसी ने तर्क दिया कि उन सभी व्यक्तियों को मतदान करने की अनुमति दी जानी चाहिए जिनके नाम 22 अप्रैल तक अपीलीय ट्रिब्यूनल द्वारा स्वीकार किए जाते हैं।

हम आने वाले चुनाव की धूल और आक्रोश से अंधे नहीं हो सकते

-सुप्रीम कोर्ट बोला-लॉजिकल डिस्क्रपेंसी कैटेगरी सिर्फ बंगाल में मिली दूसरे राज्यों में नहीं

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल एसआईआर मामले में सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सख?त टिप?पणी की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि जिस देश में आप पैदा हुए, वहां वोट देना सिर्फ एक अधिकार नहीं, बल्कि एक भावनात्मक मुद्दा भी है। हमें एक मजबूत अपीलीय फोरम की ज़रूरत है। हम आने वाले चुनाव की धूल और आक्रोश से अंधे नहीं हो सकते। लॉजिकल डिस्क्रपेंसी कैटेगरी सिर्फ पश्चिम बंगाल में मिली, किसी और राज्य में नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप?पणी कुरैशा यास्मिन की याचिका पर सुनवाई करते हुए की, जिसका नाम एसआईआर के दौरान वोटर लिस्ट से काट दिया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने टिप?पणी यास्मिन की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि जिसका नाम एसआईआर के दौरान वोटर लिस्ट से बाहर है। सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने निर्वाचन आयोग से कहा कि जिस देश में आप पैदा हुए हैं, वहां वोट देने का अधिकार न केवल एक अधिकार है, बल्कि एक भावनात्मक मुद्दा भी है। इसीलिए अपीलेट ट्रिब्यूनल के सामने बड़ी संख्या में अपीलें आती हैं। बंगाल एसआईआर मुद्दे पर सुनवाई के दौरान जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने कुछ मुद्दों पर ध्यान दिलाया। उन?होंने कहा कि लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी कैटेगरी को केवल पश्चिम बंगाल में नोट किया, किसी अन्य राज्य में नहीं।

जस्टिस बागची ने चुनाव आयोग को बताया कि उनका पहले का स्टैंड यह था कि 2002 रोल में शामिल लोगों को कोई डॉक्यूमेंट जमा करने की ज़रूरत नहीं है, लेकिन चुनाव आयोग बिहार में लिए गए अपने स्टैंड से अलग हो गया है। चुनाव आयोग और राज्य के बीच भरोसे की कमी को देखते हुए हमने न्यायिक अधिकारियों से मदद मांगी थी। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता यास्मीन से कहा है कि वह इस मकसद के लिए बनाए गए अपीलीय ट्रिब्यूनल में जाएं। निर्वाचन आयोग ने पहले चरण में मतदान वाली विधानसभा सीट के लिए 9 अप्रैल को मतदाता सूचियों को उन्हें अंतिम रूप देने के साथ ही उन्हें 'फ्रीज कर दिया था। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को होना है और परिणाम 4 मई आएगा। मतदाता सूचियों को 'फ्रीज करने का मतलब है कि जिन लोगों का नाम मतदाता सूची से हटा दिया गया है, उन्हें इस विधानसभा चुनाव के लिए मतदाता सूची में शामिल नहीं किया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में एसआईआर कवायद में लगे सात न्यायिक अधिकारियों के घेराव से संबंधित स्वत: संज्ञान मामले की सुनवाई भी सोमवार को की।

बता दें पश्चिम बंगाल में एसआईआर के बाद मतदाता सूची से करीब 91 लाख मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं।

हाईकोर्ट के फैसले को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंची असम सरकार, पवन खेड़ा की बढ़ेंगी मुश्किलें

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की मुश्किलें फिर बढ़ती नजर आ रही हैं। असम सरकार ने तेलंगाना हाईकोर्ट के उस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है, जिसमें पवन खेड़ा को एक हफ्ते की ट्रांजिट अग्रिम जमानत दी गई थी। असम सरकार की इस याचिका ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। पूरा मामला तेलंगाना हाईकोर्ट के उस आदेश से जुड़ा है, जिसमें कोर्ट ने पवन खेड़ा को राहत देते हुए एक हफ्ते की ट्रांजिट अग्रिम जमानत मंजूर की थी। हाईकोर्ट का उद्देश्य खेड़ा को इतना समय देना था कि वह संबंधित निचली कोर्ट में जाकर अपनी नियमित जमानत याचिका दायर कर सकें।

परंपरा की अनूठी मिसाल : आदिवासी समाज में बैलगाड़ी से निकली बारात बनी आकर्षण का केंद्र

पद्मेश न्यूज। उकवा। आधुनिकता के इस दौर में जहाँ शादियाँ चमक-दमक, महंगे वाहनों और आधुनिक साधनों के साथ मनाई जा रही हैं, वहीं आदिवासी समाज ने अपनी समृद्ध परंपरा को जीवित रखते हुए एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। क्षेत्र के ग्राम पिंडकेपार (उकवा) में आयोजित एक विवाह समारोह ने सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया, जब बारात पारंपरिक बैलगाड़ियों के माध्यम से निकाली गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह विवाह वर नसीब पंन्द्रे, पिता मानिक राम पंन्द्रे, निवासी ग्राम पिंडकेपार (उकवा) एवं वधु उपासना उइके, पिता पतिराम उइके, निवासी ग्राम गुदमा के मध्य संपन्न हुआ। इस अवसर पर दूल्हा एवं बाराती सजी-

धजी बैलगाड़ियों में सवार होकर पारंपरिक वेशभूषा में नजर आए। ढोल-नगाड़ों और लोकगीतों की मधुर धुनों के बीच निकली यह बारात पूरे गांव एवं आसपास के क्षेत्रों में आकर्षण का केंद्र बनी रही। गौरतलब है कि पुराने समय में आदिवासी समाज में बैलगाड़ी प्रमुख आवागमन का साधन हुआ करती थी और विवाह जैसे शुभ अवसरों पर इसी माध्यम से बारात ले जाने की परंपरा प्रचलित थी। समय के साथ यह परंपरा धीरे-धीरे लुप्त होती जा रही थी, लेकिन इस आयोजन ने एक बार फिर इसे जीवंत कर दिया। इस अनोखी पहल को देखने के लिए ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ी और सभी ने इस पारंपरिक विवाह की भूरि-भूरि प्रशंसा की। लोगों का कहना है कि इस प्रकार के आयोजन नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और जड़ों से जोड़ने का कार्य करते हैं। इस अवसर पर सर्व धर्म सेवा समिति के अध्यक्ष जेम्स बारीक, उपाध्यक्ष संतोष सोनी, सचिव नितिन कुमार, समाजसेवी संदीप गजभिये,अखिल खर? दानेश परिहार, अभय यादव, पत्रकार अशोक राऊत एवं संजना बर्वे की विशेष उपस्थिति रही। साथ ही बाबूलाल धुर्वे, सुंदर लाल घडेर, युवराज रावनेर, नारायण वरकडे, जयदेव वरकडे, राजेन्द्र घडेर, महेश घडेर एवं समस्त ग्रामवासियों का विशेष सहयोग रहा। सभी ने इस पारंपरिक आयोजन की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। यह विवाह केवल एक सामाजिक आयोजन नहीं, बल्कि आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और गौरव का जीवंत प्रतीक बनकर सामने आया है। यह संदेश देता है कि आधुनिकता के बीच भी अपनी विरासत को सहेजकर रखना ही हमारी असली पहचान है।

नगर पालिका वारासिवनी द्वारा स्वच्छता जागरूकता रैली आयोजित

रैली के माध्यम से दिया स्वच्छता का संदेश, नागरिकों से सहयोग की अपील

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत नगर पालिका परिषद वारासिवनी द्वारा स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु भव्य स्वच्छता रैली का आयोजन किया गया। रैली का आयोजन मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री सूर्य प्रकाश ऊके के निर्देशन में किया गया।

यह स्वच्छता रैली नगर के प्रमुख मार्गों, बाजार क्षेत्र, व्यावसायिक एवं रहवासी क्षेत्रों से होकर गुजरते हुए स्थानीय गांधी चौक पर समाप्त हुई। रैली में सफाई मित्रों, नागरिकों एवं स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान 卐स्वच्छता अपनाएं ङ्क बीमारी भगाएं卐 एवं 卐स्वच्छ नगर ङ्क सुंदर नगर卐 जैसे नारों के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री ऊके ने बताया कि स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 हेतु शासन द्वारा टूलकिट जारी की जा चुकी है और नगर पालिका द्वारा उच्च रैंकिंग प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसके तहत नगर में नियमित सफाई, प्रात: एवं रात्रिकालीन झाड़ू व्यवस्था, घर-घर कचरा संग्रहण, सूखा-गीला कचरा पृथक्कीकरण, सिंगल यूज़ प्लास्टिक पर रोक एवं बैकलेन स्वच्छता जैसी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि जीवनशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा है। नगर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने तथा स्वच्छ सर्वेक्षण में उच्च अंक प्राप्त करने के लिए नागरिकों का सहयोग अत्यंत आवश्यक है।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई और नगर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर उपयंत्री श्रीमती अंशिका चौहान, समस्त सफाई मित्र, नागरिकगण, स्व-सहायता समूह की महिलाएं एवं नगर पालिका के कर्मचारी उपस्थित रहे।

पांढरवानी में मनाई जायेगी संत शिरोमणि सेन जी महाराज की जयंती आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी स्थित सेन मंदिर में सेन (नाई) समाज के द्वारा १४ अप्रैल को आराध्य देव संत शिरोमणि सेन जी महाराज की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई जायेगी। चर्चा में सेन (नाई) समाज ब्लाक अध्यक्ष दिलीप सेन ने बताया कि जयंती महोत्सव की तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं और १४ अप्रैल को प्रात: १० बजे ग्राम पांढरवानी स्थित सेन मंदिर में संत शिरोमणि सेन जी महाराज की प्रतिमा का विधि-विधान से जलाभिषेक कर विशेष पूजा-अर्चना की जायेगी। तत्पश्चात विश्व कल्याण की कामना के साथ हवन-पूजन का आयोजन किया गया है। आगे बताया कि मंदिर में पूजन अर्चना संपन्न होने के बाद मुख्य कार्यक्रम स्थानीय हनुमान मंदिर परिसर में आयोजित किया जायेगा। जहां समाज के वरिष्ठजनों की उपस्थिति में संत सेन जी महाराज के जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला जायेगा। श्री सेन ने बताया कि समाज के प्रति श्रध्दा और एकता प्रदर्शित करने के लिए इस वर्ष भी सेन समाज के सभी बंधुओं ने एक बड़ा निर्णय लिया है, जयंती के उपलक्ष्य में क्षेत्र के सभी सामाजिक बंधु अपने-अपने व्यावसायिक प्रतिष्ठान पूर्णत: बंद रखेंगे और प्रतिष्ठान बंद रखकर सभी सदस्य सामूहिक रूप से आयोजन में सम्मिलित होंगे और कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी अहम भूमिका निभायेगें। आगे बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी समाज अपने आराध्य की जयंती को उत्सव के रूप में मना रहा है। हमारा उद्देश्य नई पीढ़ी को संत सेन जी महाराज के आदर्शों से जोड़ना है। इस अवसर पर क्षेत्रभर के सेन समाज के स्वजातीय बंधु एवं पदाधिकारियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील सेन (नाई) समाज ब्लाक अध्यक्ष दिलीप सेन ने की है।

वारासिवनी महाविद्यालय में 'नारी शक्ति वंदन' पखवाड़ा के तहत व्याख्यान एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा के अंतर्गत शासकीय शंकर साव पटेल महाविद्यालय वारासिवनी में प्रथम चरण के रूप में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023' के प्रावधानों पर व्याख्यान माला एवं संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सरिता कोल्हेकर, मुख्य अतिथि श्रीमती सरिता दांदरे, विशिष्ट अतिथि श्रीमती रीता मिश्रा एवं डॉ. मिथिलेश्वरी घोरमारे उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की रूपरेखा कार्यक्रम संयोजक प्रो. सरिता नागवंशी, सह संयोजक प्रो. नरेन्द्र कुमार डोंगरे एवं कार्यक्रम प्रभारी डॉ. रक्षा निकोसे द्वारा संचालित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत में डॉ. रक्षा निकोसे ने 'नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा' के उद्देश्यों एवं महत्व पर विस्तृत जानकारी दी। मुख्य अतिथि श्रीमती सरिता दांदरे ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023' के क्रियान्वयन पर प्रकाश डालते हुए महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए शासन की विभिन्न नीतियों पर व्याख्यान दिया। इस दौरान डॉ. मिथिलेश्वरी घोरमारे ने बच्चों को संस्कारवान बनाने में मां की भूमिका को रेखांकित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं डॉ. सरिता कोल्हेकर ने अपने संबोधन में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023' की विस्तृत जानकारी देते हुए समाज के हर क्षेत्र में महिलाओं के महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रो. नरेन्द्र कुमार डोंगरे द्वारा किया गया, जबकि अंत में संयोजक प्रो. सरिता नागवंशी ने आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक श्री कृष्णा पराते, डॉ. टीना बिसेन, श्रीमती हर्षिता मेश्राम, श्रीमती मनीषा सहारे, श्रीमती रश्मिबाला पारधी, सुश्री शिखा देवगीरकर सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम महिलाओं के अधिकारों, उनकी भागीदारी और सशक्तिकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

बिना पद के शिक्षा विभाग ने बनाया संविदा शिक्षक, महज 5 हजार रूपए मिल रही तनखा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सोमवार को संविदा शिक्षक वर्ग-3 में कार्य कर रहे संविदा शिक्षक, शिक्षा विभाग कार्यालय पहुंचे। जहां उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी के नाम एक ज्ञापन सौंपा। जिसमें संविदा शिक्षकों ने, अध्यापक या शिक्षक संवर्ग में संविलियन की मांग की।संघ से जुड़े पदाधिकारियो ने बताया कि शिक्षा विभाग में ऐसे 70 संविदा शिक्षक है, जिन्होंने 17 सालो तक कोर्ट में लड़ाई लड़ी। जिसके बाद शिक्षा विभाग में संविदा शिक्षक वर्ग का कोई पद नहीं होने के बावजूद शिक्षा विभाग ने उन्हें संविदा शिक्षक वर्ग-3 के पद पर रखा और उन्हें केवल 5 हजार रूपए प्रतिमाह तनखा दी जा रही है। संविदा शिक्षकों ने बताया कि महंगाई के इस दौर में 5 हजार रूपए में परिवार को चलाने की आर्थिक मजबूरी से परेशान है।

प्राथमिक शिक्षक बनाकर दिया जाए पूरा वेतनमान-रहांगडाले

ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान संविदा शिक्षक कन्हैया राहंगडाले ने बताया कि 17 साल कोर्ट में लड़ी गई लड़ाई के बाद जिले के 70 लोगों को शिक्षा विभाग में संविदा शिक्षक वर्ग-3 में नियुक्ति मिली है। जिसके लिए हमें, पांच हजार रूपए वेतन दिया जा रहा है। हम एक साल से इसी वेतन पर काम कर रहे है। जबकि हमसे पूरा काम नियमित शिक्षक के रूप में लिया जा रहा है। जो साथी 80 से 100 किलोमीटर दूर जाकर ड्यूटी कर रहे है, उनका जीवन चलाना दुश्वार हो गया है। उन्होंने बताया कि शिक्षा विभाग में संविदा शाला शिक्षक की कोई पोस्ट नहीं है, लेकिन हमें उसी पोस्ट पर नियुक्ति दी गई हैं। जबकि कोर्ट का आदेश है कि हमें अध्यापक या शिक्षक में रूप में नियुक्त किया जाए और उनकी तरह पूरा वेतन प्रदान किया जाए। सुप्रीम कोर्ट में लड़ी गई लड़ाई को जीतने वाली हमारी साथी स्मिता श्रीवास्तव को शिक्षक संवर्ग में शामिल कर उसे प्राथमिक शिक्षक बना दिया गया है और उसी आदेश के तहत हमारी नियुक्ति हुई थी लेकिन हमें लाभ देने से वंचित किया जा रहा है, जिसके कारण हमें मानसिक और आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हमारी मांग है कि हमें भी अध्यापक या शिक्षक संवर्ग में शामिल कर हमें प्राथमिक शिक्षक बनाकर पूरा वेतनमान दिया जाए।

केकेआर के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी सीएसके

चेन्नई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम मंगलवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। सीएसके की टीम ने संजू सैमसन के शतक से पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स को हराया था जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। अब उसका लक्ष्य इस मैच में भी जीत के सिलसिले को बनाये रखना होगा। सीएसके की ओर से पिछले मैच में जेमी ओवरटन ने भी चार विकेट लेकर काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। जिसे वह इस मैच में भी बनाये रखना चाहेंगे। इसके अलावा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह ने भी पिछले मैच में अच्छी गेंदबाजी की थी। उन्होंने अपनी उछाल भरी गेंदों से विरोधी टीम के बल्लेबाजों को हैरान कर दिया था। वहीं स्पिनर अकील हुसैन ने भी पिछले मैच में अच्छी गेंदबाजी की थी।

बल्लेबाजी में सीएसके के पास सैमसन के अलावा कप्तान रुतुराज गायकवाड़ भी हैं।युवा डेवाल्ड ब्रेविस के फिट होकर वापसी करने का भी लाभ मिलेगा।

वहीं दूसरी ओर केकेआर इस सत्र में अब तक एक भी मैच नहीं जीती है और ऐसे में उसपर इस मैच में किसी प्रकार से जीत हासिल करने का दबाव रहेगा। पिछले मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ वह जीत के करीब पहुंचकर भी उसे हासिल नहीं कर पायी थी। ऐसे में अजिंक्य रहाणे इस मैच में किस रणनीति से उतरते हैं ये देखना होगा। केकेआर की बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो ही इस सत्र में अच्छी नहीं रही है।

कैमरन ग्रीन के गेंदबाजी शुरु करने से हालांकि उसकी उम्मीदें जगी हैं।

रिंकू सिंह भी अब तक उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं और उनका इरादा अब अपने को साबित करना रहेगा। रहाणे ने अब तक अच्छी बल्लेबाजी की है पर उन्हें अंत तक टिके रहना होगा। युवा अंगकृष रघुवंशी और रोवमैन पॉवेल भी फार्म में आ गये हैं जो टीम के लिए सकारात्मक संकेत हैं। .

केकेआर को अगर सीएसके को उसके घरेलू मैदान पर हराना है तो उसके गेंदबाजों को भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर मेजबान टीम के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना होगा।

आंकड़ों पर नजर डातें तो अबतक दोनो के बीच 32 मैच हुए हैं जिसमें सीएसके ने 20 मैच जीते हैं, जबकि केकेआर ने 11 मैचों में जीत हासिल की है जबकि एक मैच का परिणाम नहीं निकला है।

पिच की बात करें तो शुरुआत में बल्लेबाजों को लाभ होता है पर मैच आगे बढ़ने के साथ ही पिच धीमी हो जाती है जिससे स्पिन गेंदबाजों को सहायता मिलती है।

दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम ग्यारह

चेन्नई सुपर किंग्स

संजू सैमसन (विकेटकीपर), रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, आयुष म्हात्रे, सरफराज खान, शिवम दुबे, जेमी ओवरटन, अकील हुसैन, अंशुल कंबोज, खलील अहमद, गुरजनप्रीत सिंह

इम्पैक्ट प्लेयरः कार्तिक शर्मा/मैथ्यू शॉर्ट

कोलकाता नाइट राइडर्स

फिन एलन, अजिंक्य रहाणे (कप्तान), अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), कैमरन ग्रीन, रोवमैन पॉवेल, रिंकू सिंह, रमनदीप सिंह, अनुकूल रॉय, ब्लेसिंग मुजरबानी, वैभव अरोड़ा, वरुण चक्रवर्ती

इम्पैक्ट प्लेयर-ः नवदीप सैनी

रॉयल्स के मैनेजर रूमी ने मैडिकल इमरजेंसी के लिए रखा था मोबाइल

गुवाहाटी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ यहां हुए मैच के दौरान डगआउट में मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने के मामले में विवादों में आये राजस्थान रॉयल्स के मैनेजर रूमी भिंडर मामले में एक नया मोड़ आया है। अब पता चला है कि रोमी के दोनो फेफड़े खराब हैं और इसी कारण किसी भी आपात स्थिति में बचाव के लिए उन्होंने फोन अपने पास रखा था। एक रिपोर्ट के अनसार फेफड़े खराब होने के कारण उन्हें आईपीएल से पहले करीब एक सप्ताह तक वेंटिलेटर पर रहना पड़ा था।रूमी के हालातों की जानकारी के बाद अब ये मामला पलट गया है।

वहीं इससे पहले किसी को इस बातों की जानकारी नहीं थी। इसी कारण उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की जा रही थी। बीसीसीआई के नियमों के तहत मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्रयोग केवल कुछ अधिकारी ही कर सकते हैं पर केवल सिर्फ ड्रेसिंग रूम में। इसके अलावा, खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ को स्टेडियम पहुंचते ही अपने फोन, स्मार्टवॉच या अन्य कम्युनिकेशन डिवाइस बंद करके जमा कराने होते हैं।

रूमी को अस्थमा भी है, जिसकी वजह से उन्हें ज्यादा चलने या बार-बार सीढ़ियां चढ़ने से मना किया गया है। वह टीम के साथ हैं और फ्रेंचाइजी के लिए कई जिम्मेदारियां निभाते हैं। उन्हें नियमों की जानकारी है, लेकिन मेडिकल कारणों से ही उनके पास फोन था। वहीं प्रोटोकॉल के मुताबिक डगआउट में मोबाइल फोन और लैपटॉप रखना अनुमति है। उन्होंने न तो किसी को कॉल किया और न ही कोई कॉल रिसीव की। ऐसे में वह अपना जवाब जांच टीम को देंगे जिसके बाद तय है कि उनपर कोई कार्रवाई नहीं होगी।

आईपीएल अंकतालिका में तीसरे नंबर पर पहुंची आरसीबी, रॉयल्स शीर्ष पर बरकरार

मुम्बई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम मुम्बई इंडियंस के खिलाफ मुकाबले में जीत के साथ ही आईपीएल 2026 की अंक तालिका में तीसरे नंबर पर पहुंच गयी है। इस मैच के साथ ही इस सत्र में आरसीबी ने लगातार अपना तीसरा मैच जीता। अंकतालिका में अभी पहले स्थान पर राजस्थान रॉयल्स की टीम है। रॉयल्स ने अब तक अपने सभी चारों मैच जीतकर 8 अंक हासिल किए हैं। वहीं, पंजाब किंग्स ने 4 में से 3 मैच जीत कर 7 अंक के साथ ही दूसरा स्थान हासिल किया है जबकि आरसीबी 4 में तीन मैच जीतकर 6 अंक के साथ ही तीसरे स्थान पर है। इसके अलावा दिल्ली कैपिटल्स, गुजरात टाइटंस, लखनऊ सुपर जांयट्स 4-4 अंक लेकर आगे के स्थानों पर हैं। सनराइज हैदराबाद, मुंबई इंडियंस, चेन्नई सुपरकिंग्स ने अभी तक 4 मैच में से केवल 1-1 मैच ही जीता है। इन तीनों टीमों के अंक 2 हैं। अंतिम स्थान पर कोलकाता नाइट राइडर्स है (केकेआर) है। केकेआर ने अभी तक एक भी मैच नहीं जीता है।

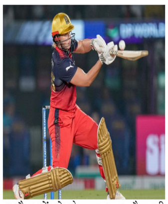

अंक तालिका में चौथे पायदान पर दिल्ली कैपिटल्स है। उसने चार मैचों में से दो मैच जीत चुकी है और उसके खाते में 4 अंक हैं। सूची में पांचवें पायदान पर गुजरात टाइटन्स है, जो चार में से दो मैच जीती और दो मैच हारी है। छठे पायदान पर बरकरार लखनऊ सुपर जायंट्स ने चार में से दो मैच जीते हैं। चौथे, पांचवें और छठे स्थान पर कायम टीमों ने कम से कम दो मैच जीते हैं और इतने ही मैच ये हारी हैं।सातवें से 10वें नंबर तक की टीमों ने एक से ज्यादा मुकाबला नहीं जीता है। सातवें नंबर पर सनराइजर्स हैदराबाद है। वह चार में से तीन मैच हारी है और एक मैच जीती है। आठवें स्थान पर मुंबई इंडियंस है। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके)की हालत भी यही है। वह भी तीन मैच हारने के बाद चौथा मैच जीती है। सीएसके नौवें नंबर पर है। सबसे अंतिम स्थान पर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) है जो एक भी मैच नहीं जीती है। तीन मैच हारे हैं और एक मैच बेनतीजा रहा है। इस तरह केकेआर को केवल एक ही अंक मिला है।

अंक तालिका

क्रम	टीम	मैच	जीत	हार	बेनतीजा	नेट रन रेट	अंक
1	राजस्थान रॉयल्स	4	4	0	0	2.055	8
2	पंजाब किंग्स	4	3	0	1	0.720	7
3	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	4	3	1	0	1.148	6
4	दिल्ली कैपिटल्स	4	2	2	0	0.322	4
5	गुजरात टाइटन्स	4	2	2	0	-0.029	4
6	लखनऊ सुपर जायंट्स	4	2	2	0	-0.427	4
7	सनराइजर्स हैदराबाद	4	1	3	0	-0.024	2
8	मुंबई इंडियंस	4	1	3	0	-0.772	2
9	चेन्नई सुपर किंग्स	4	1	3	0	-1.532	2
10	कोलकाता राइडर्स	4	0	3	1	-1.315	1

2027 एकदिवसीय विश्वकप में मिलर सहित कई अनुभवी खिलाड़ी नजर नहीं आयेंगे

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका की टीम 2027 एकदिवसीय विश्वकप में डेविड मिलर, रासी वैन डेर डुसेन सहित कई स्टार खिलाड़ियों के बिना ही खेलती दिखेगी। इसका कारण है कि क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने साल 2026-27 सत्र के लिए मिलर सहित कई खिलाड़ियों को शामिल नहीं किया है। वहीं युवा खिलाड़ियों को पहली बार शामिल किया गया है। मिलर को केन्द्रीय अनुबंध के अलावा हाइब्रिड करार भी नहीं दिया गया है। इससे उनके अंतराराष्ट्रीय करियर पर सवाल उठने लगे हैं। मिलर ने कुछ समय पहले कहा था कि वह 2027 विश्वकप खेलना चाहते हैं पर अब उनकी ये इच्छा अधूरी ही रह जाएगी।

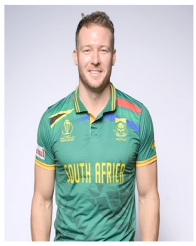

मिलर के अलावा रासी वैन डेर डुसेन को इाइब्रिड करार नहीं मिला। वहीं बल्लेबाज रीजा हैननिक और तेज गेंदबाज नांद्रे बरगर भी करार में जगह हासिल नहीं कर पाये हैं। इस बार दक्षिय अफ्रीका बोर्ड ने नये खिलाड़ियों को अधिक अवसर दिया है। इस बार सीएसके ने युवा खिलाड़ियों डेवाल्ड ब्रैविस, कोर्बिन बास , आंटेरिन बार्टमैच जैसे युवा खिलाड़ियों पर भरोसा जताते हुए अनुबंध यसूची में शामिल किया है। इसके अलावा ऑफ स्पिनर सिमोन हार्मर को भी पहली बार करार मिला है।

इस बार उन घरेलू खिलाड़ियों को भी अवसर दिया गया है। जो भविष्य में इंटरनेशनल क्रिकेट खेल सकते हैं। चयन संयोजक पैट्रिक मोरोनी ने कहा, आगे का सत्र काफी व्यस्त और अहम होने वाला है, इसलिए टीम में अनुभवी के साथ ही नए खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है। उन्होंने आगे कहा, 2027 एकदिवसीय विश्वप कप को ध्यान में रखते हुए हमने ऐसे खिलाड़ियों को चुना है, जिनमें बड़े टूर्नामेंट जीतने की क्षमता और सही मानसिकता है। उसकी अनुबंध सूची में टेम्बा बावुमा, एडेन मार्करम, कगिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी, केशव महाराज, ट्रिस्टन स्टब्स, रयान रिकेल्टन और काइल वेर्रेयन जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं।

इम्पैक्ट प्लेयर नियम को हटाया जाना चाहिये - पोलार्ड

मुम्बई। आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर नियम शुरुआत से ही विवादों में रहा है। साल 2023 से लागू होने के बाद से ही कई दिग्गज खिलाड़ियों ने इसका विरोध करते हुए कहा है कि इससे ऑलराउंडरों को ही नुकसान हो रहा है। ऐसे में इस नियम को हटा दिया जाना चाहिये। वहीं अब मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड ने भी कहा है कि इम्पैक्ट प्लेयर का विकल्प ऑलराउंडरों की भूमिका को सीमित कर रहा है। इससे अंतरराष्टीय क्रिकेट पर भी विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। पोलार्ड लंबे समय से आईपीएल का हिस्सा हैं। वह 2010 से अ ल ग - अ ल ग भूमिकाओं में आईपीएल से जुड़े रहे हैं और टीम में ऑलराउडर के तौर पर भी शामिल रहे हैं।

पोलार्ड ने कहा, मैं इस नियम को पसंद नहीं करता हूं पर इसे हटाना मेरे हाथ में नहीं है। इससे केवल ये हो रहा है कि इसने टी20 क्रिकेट में बड़े स्कोर बन रहे हैं। वहीं अंतरराष्टीय क्रिकेट में भी इसके पड़ने वाले असर पर अभी तक मैंने धयान नहीं दिया है। आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर होने से केवल तब ही लाभ हो रहा है जब कोई टीम लीग गेम में कुछ विकेट गंवा देती है तो भी उसके पास अधिक रन बनाने का अवसर रहता है। उन्होंने जो लोग इस प्रकार के नियम बना रहे हैं उन्हें यह देखना चाहिये कि क्या यह वास्तव में खेल के लिए अच्छा है, टेलीविज़न के लिए अच्छा है, या सिर्फ़ लोगों के लिए फ़ायदेमंद है। इम्पैक्ट प्लेयर नियम के साथ, कुछ ऐसे कौशल सेट होत हैं जिनका अंतरराष्टीय क्रिकेट में प्रयोग नहीं हो रहा है। ऐसें में मेरा मानना है कि उनको इसकी समीक्षा करनी चाहिये। अगर ऐसा नहीं होता हो ये इसी प्रकार जारी रहेगा।

गौरतलब है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली सहित कई खिलाड़ियों ने अलग-अलग मौकों पर इस नियम की आलोचना की है। अक्षर पटेल ने सीजन शुरू होने से पहले कहा, मुझे यह नियम पसंद नहीं है, क्योंकि मैं एक ऑल-राउंडर हूं। पहले, आप बैटिंग और बॉलिंग के लिए एक ऑलराउंडर चुनते थे। इस नियम की वजह से, टीम प्रबंधन किसी खास बल्लेबाज या गेंदबाज को रखती है, यह सोचकर कि हमें ऑलराउंडर की क्या जरूरत है?शुभमन गिल भी इसके विरोध में हैं। उनका कना है कि कोई इम्पैक्ट प्लेयर नहीं होना चाहिए। आम तौर पर क्रिकेट 11 खिलाड़ियों का गेम है। एक अतिरिक्त बल्लेबाज जोड़ने से, मुझे लगता है कि गेम से कौशल समाप्त हो जाता है। उस एक खिलाड़ी से गेम को और भी वन-डाइमेंशनल बना रहा है। गुजरात टाइटन्स के कप्तान ने हाल ही में कहा, 'मुश्किल विकेट पर 180 या 160 रन का पीछा करना मेरे लिए सपाट ट्रैक पर 220 रन का पीछा करने से ज़्यादा रोमांचक है।' इम्पैक्ट प्लेयर नियम 2023 से लागू है।

अब अभिनेत्री तानिया को फ्लर्ट कर रहे चहल !

नई दिल्ली । भारतीय टीम से लंबे समय से बाहर चल रहे स्पिनर युजवेंद्र चहल अपनी निजी जिंदगी के कारण फिर चर्चाओं में आये हैं। चहल का नाम अब टॉलीवुड की अभिनेत्री तानिया चटर्जी से जोड़ा जा रहा है। कहा जा रहा है कि वह तानिया को फ्लर्ट करने के प्रयास कर रहे हैं। चहल पर ये आरोप किसी और ने नहीं बल्कि तानिया ने स्वयं लगाये हैं। इस अभिनेत्री ने कहा कि क्रिकेटर ने उन्हें मेसेज भेजकर क्यूट कहा। इस अभिनेत्री ने चहल के मेसेज भी सोशल मीडिया में दिखाए जिसके बाद से ही चहल एक बार फिर छाये हुए हैं। सोशल मीडिया पर चर्चा तेज है। इस अभिनेत्री के अनुसार चहल ने उन्हें मेसेज किया कि वो क्यूट हैं। तानिया ने कहा कि उन्होंने चहल के मेसेज का जवाब नहीं दिया क्योंकि उन्होंने ये काफी देर से देखे थे।

बाउंसर पर बोले क्रुणाल, गेंदबाजी को बेहतर बनाने अलग-अलग तरीके अपना रहा

मुंबई । आरसीबी की मुम्बई इंडियंस के खिलाफ जीत के दौरान अपनी अच्छी गेंदबाजी से प्रभावित करने वाले ऑलराउंडर क्रुणाल पंड्या ने 26 रन देकर एक विकेट लिया। इस दौरान अपनी एक बाउंसर के लिए वह चर्चाओं में आये हैं। इसका कारण है कि ये बाउंसर उन्होंने अपने ही छोटे भाई और मुम्बई के कप्तान हार्दिक को की थी। इसी को लेकर क्रुणाल ने कहा कि उन्होंने उन्होंने हमेशा अपनी गेंदबाजी को बेहतर बनाने पर ध्यान दिया है। इसी कारण वह अलग-अलग और विविधतापूर्ण गेंदबाजी पर जोर दे रहे हैं क्योंकि इंम्पैक्ट प्लेयर नियम के लागू होने के बाद अब नंबर आठ पर भी आक्रामक बल्लेबाज उतरते हैं। आजकल उभरते हुए बल्लेबाज भी पहली ही गेंद से बड़ा शॉट लगाने का प्रयास करते हैं। ऐसे में एक गेंदबाज के तौर पर मेरा प्रयास रहता है कि उससे एक कदम आगे रहने के लिए कौशल बढ़ाने के साथ ही मानसिक तैयारी पर भी ध्यान देना होगा।

क्रुणाल ने कहा, 'मुझे खुशी है कि मैं अच्छी तरह से इसे अंजाम दे रहा हूं। मुझे उम्मीद है कि इस प्रारूप में उंगलियों के स्पिनरों का महत्व बना रहेगा और वे इससे कुछ सीख लेकर अच्छा प्रदर्शन कर पाएंगे क्योंकि सपाट पिचों और आठ बल्लेबाजों की मौजूदगी में उंगलियों स्पिनरों के लिए टीम में जगह बनाना बहुत मुश्किल हो गया है। क्रुणाल ने कहा कि वह अपनी शॉर्ट पिच गेंद को लेकर बहुत ज्यादा तैयारी नहीं करते हैं और इसके लिए खास योजना भी नहीं बनाते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं अपने मन की बात सुनता हूं। मैं पहले से यह योजना नहीं बनाता कि मुझे चौथी, पांचवीं या छठी गेंद बाउंसर करनी है।

विराट और रोहित चोटिल हुए, अगले मैच में खेलने को लेकर उठे सवाल

मुम्बई । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व कप्तान विराट कोहली को यहां मुम्बई इंडियंस के खिलाफ हुए मैच में टखने में चोट लग गयी है। जिससे कारण उनके आईपीएल के अगले मैच में खेलने को लेकर सवाल उठने लगे हैं। इससे आरसीबी को झटका लगा है। वहीं मुम्बई के भी पूर्व कप्तान मुम्बई रोहित शर्मा इसी मैच में चोटिल हो गये। इससे मुम्बई की भी मुश्किलें बढ़ गयी हैं। विराट की फिटनेस को लेकर आशंकाएं इसलिए भी बढ़ गयी हैं क्योंकि वह मुम्बई की बल्लेबाजी के दौरान मैदान पर नहीं उतरे। हालांकि इस मैच में आरसीबी की टीम जीत गयी। मैच के बाद आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार और ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या ने कहा कि कोहली के शीघ्र ठीक होने की उम्मीद है। पाटीदार ने कहा, मुझे अभी नहीं पता, लेकिन मुझे लगता है कि वह अभी ठीक हैं।

वहीं क्रुणाल ने कहा, मैंने अभी फिजियो से बात नहीं की है पर मुझे लगता है कि वह ठीक हो जाएंगे, चिंता की कोई बात नहीं है। इस मैच में विराट ने हालांकि बल्लेबाज के दौरान फिल सॉल्ट के साथ 120 रनों की शुरुआती साझेदारी की थी। विराट ने 38

गेंद में ही अर्धशतक लगा दिया था।

वहीं इस मैच में मुम्बई के सलामी बल्लेबाज रोहित भी चोटिल हो गये हैं। इसी कारण ही रोहित को पांचवें ओवर के बाद मेडिकल हेल्प लेनी पड़ी। हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण रोहित छठे ओवर की दूसरी गेंद के बाद मैदान से बाहर चले गए। उन्होंने 13 गेंद में 19 रन बनाए और वह वापस मैदान में उतर नहीं पाये। आरसीबी का अगला मैच 15 अप्रैल को जबकि मुंबई इंडियंस का 16 अप्रैल को होना है ऐसे में विराट और रोहित दोनों को अपनी-अपनी चोट से उबरने के लिए कुछ दिन का समय मिलेगा।

नेमार हर मैच के साथ ही बेहतर हो रहे - मैनेजर कुका

रियो डी जेनेरो । स्टार फुटबॉलर नेमार आगामी विश्वकप को देखते हुए ब्राजील की टीम में जगह पाने के प्रयासों में लगे हुए हैं। इसी कड़ी में नेमार सैंटोस और एटलेटिको मिनेरो के बीच हुए मैच के दौरान पूरे समय मैदान में बने रहे। इस मैच से वापसी करते हुए नेमार को पूरे समय खेलते देकर प्रशंसक भी उत्साहित दिखे। वहीं टीम के मैनेजर कुका ने भी नेमार के प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह इसी प्रकार खेलते रहे तो जून में होने वाले विश्वकप में ब्राजील की टीम में उनकी जगह पक्की हो सकती है। कुका ने कहा, नेमार हर मैच के साथ ही बेहतर हो रहा है, उसे टीम में वापसी के लिए मेहनत करते रहना होगा। उसका खेल लगातर निखर रहा है। । , कुका ने कहा कि वह मंगलवार को रेकोलेटा के साथ सैंटोस के खिलाफ होने वाले घरेलू कोपा अमेरिका मैच में भी खे सकता है। उन्होंने कहा, उसके लिए पूरे 90 मिनट खेलना जोखिम भरा है। हमें उसे खेल का आनंद लेते हुए लय हासिल करते देखना अच्छा लग रहा है। नेमार, जो 128 इंटरनेशनल मैचों में 79 गोल के साथ ब्राजील की ओर से सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ी पर अक्टूबर 2023 में उरुग्वे के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर में एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट टूटने के बाद से ही वह ब्राजील से नहीं खेल पाये हैं। इसके बाद से ही वह लगातार फिटसेस से जुड़ी परेशानियां झेल रहे हैं। पिछले साल जनवरी में अपने बचपन के क्लब में लौटने के बाद से वह सैंटोस के लिए 35 मेच से लगातार उतर रहे हैं। ब्राजील के मैनेजर कार्लो एंसेलोटी के विश्व कप के लिए टीम की घोषणा से पहले उनके पास सैंटोस के लिए अपनी फिटनेस साबित करने के लिए 10 और गेम हैं। ब्राजील की टीम विश्वप में अपना अभियान 13 जून को मोरक्को के खिलाफ शुरू करेगी।

रॉयल्स के मैनेजर रोमी पर कार्रवाई कर सकता है बीसीसीआई

मुम्बई । राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के टीम मैनेजर रोमी भिंडर की मुश्किलें बढ़ सकती है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ आईपीएल 2026 मैच के दौरान टीम के डगआउट में मोबाइल फोन का उपयोग करना उन्हें भारी पड़ सकता है। इसको लेकर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) भी उनपर कार्रवाई कर सकता है। गुवाहाटी में हुए इस मैच में रोमी टीम के उभरते बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के पास बैठकर मोबाइल चला रहे थे। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने भी माना है कि टीम मैनेजर ने नियमों का उल्लंघन किया है।

इस अधिकारी ने कहा, जी हां रोमी ने वास्तव में खिलाड़ियों एवं मैच अधिकारियों के लिए बने प्रोटोकॉल को तोड़ा है क्योंकि मैच के दौरान डगआउट में मोबाइल फोन के उपयोग पर रोक है। आईपीएल के अनुसार, टीम मैनेजर ड्रेसिंग रूम में फोन का उपयोग कर सकता है पर डगआउट में नहीं। रोमी फ्रेंचाइजी की शुरुआत से ही इससे जुड़े हुए हैं और जानकारों का मानना ??है कि उन्हें भ्रष्टाचार रोधी प्रोटोकॉल के बारे में अच्छी तरह से पता होना चाहिए। अब देखना होगा कि उनपर क्या कार्रवाई होती है। इस अधिकारी ने कहा, यह अनजाने में भी हो सकता है पर इस पर कार्रवाई होनी चाहिए क्योंकि यह नियमों का उल्लंघन है। चेतावनी दी जाएगी या प्रतिबंध लगाया जाएगा, इसका फैसला मैच रेफरी और भ्रष्टाचार निरोधक इकाई (एसीयू) की रिपोर्ट के आधार पर किया जाएगा। आईपीएल की संचालन परिषद इस आधार पर फैसला ले सकती है। रोमी को और भी गहन जांच का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि सूर्यवंशी ने मैच के बाद उन्हें अपना स्थानीय संरक्षक बताया था।

तेज गेंदबाज अशोक ने अपनी रफ्तार से प्रभावित किया

चंडीगढ़। आईपीएल के इस सत्र में गुजरात टाइटंस टीम से खेल रहे युवा तेज गेंदबाज अशोक शर्मा ने अपनी गेंदबाज से सभी को प्रभावित किया है। अशोक ने इस सत्र की शुरुआत पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच से की थी। अशोक ने अपने पहले ही मैच में 140-150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर सभी का ध्यान खींचा है। शोक ने इससे पहले सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। उसी के कारण उन्हें आईपीएल के लिए गुजरात ने शामिल किया है।

इस दाएं हाथ के तेज गेंदबाज का यहां तक का सफर आसान नहीं रहा। वह कए साधारण परिवार से आये हैं। उन्होंने नेट गेंदबाज के तौर पर राजस्थान रॉयल्स के लिए काम किया है। इसके बाद उन्हें आईपीएल 2022 में कोलकाता नाइट राइडर्स ने 55 लाख रुपए में खरीदा था पर उन्हें एक भी मैच खेलने का अवसर नहीं मिल सका। इसके बाद गुजरात टाइटंस ने उन्हें 90 लाख रुपए में शामिल किया। अशोक ने फर्स्ट क्लास करियर में 4 मैच खेले हैं, जिसमें 29.71 की औसत के साथ 14 विकेट हासिल किए। वहीं, 7 लिस्ट-ए मुकाबलों में उनके नाम 13 विकेट हैं। अशोक ने अपने टी20 करियर में 10 मैच खेले हैं, जिसमें 15.63 की औसत के साथ 22 विकेट लिए हैं।

भारत के संविधान निर्माता, भारत रत्न
डॉ. भीमराव अम्बेडकर
को कोटि-कोटि नमन
न्याय, समानता और समरसता के मूल्यों से सशक्त होता मध्यप्रदेश
136वीं जयंती समारोह
14 अप्रैल, 2026
डॉ. अम्बेडकर नगर (महू) जिला इंदौर
मुख्य अतिथि
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
"भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर के समाज कल्याण के लिए किए गए योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता बाबासाहेब की न्याय, समानता और समरसता की विरासत हमें हमेशा प्रेरित करती रहेगी।"
-डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
डॉ. भीमराव अम्बेडकर के सपनों को समर्पित विकास
आस्था से जुड़ाव
बाबासाहेब से जुड़े महू, दिल्ली, नागपुर, मुंबई और लंदन में स्थित 5 ऐतिहासिक स्थल मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना में शामिल
वैश्विक आस्था और अध्ययन का केंद्र महू
स्मारक, संग्रहालय, सभागार, स्वागत द्वार एवं अंतर्राष्ट्रीय रिसर्च सेंटर का विकास
सम्मान का प्रतीक नामकरण
महू रेलवे स्टेशन का नाम 'डॉ. अम्बेडकर नगर'
युवा स्व-रोज़गार उद्यम को नई उड़ान
डेयरी इकाई के लिए कामधेनु योजना में ₹42 लाख तक ऋण
आर्थिक कल्याण योजना में ₹1 लाख तक अनुदान
संत रविदास स्व-रोज़गार योजना में ₹1 लाख से ₹50 लाख तक सहायता
उद्योग उदय योजना के माध्यम से MSME को वित्तीय सहयोग
शिक्षा में उत्कृष्टता का सम्मान
डॉ. भीमराव अम्बेडकर मेधावी विद्यार्थी पुरस्कार योजना 10वीं-12वीं में प्रोत्साहन पुरस्कार
उच्च शिक्षा एवं अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन हेतु अम्बेडकर फैलोशिप
पर्यावरण और विरासत का संगम
सागर में 25वां डॉ. बी.आर. अम्बेडकर वन्यजीव अभयारण्य घोषित
D11005/26
मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी
आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2026
डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh @JansamparkMP
JansamparkMP

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

सीएमएचओ डॉ. उपलप ने किया आयुष्मान आरोग्य मंदिर कुम्हारी का निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। क्षेत्र के आयुष्मान आरोग्य मंदिर कुम्हारी में 13 अप्रैल को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, दवाओं की उपलब्धता एवं रिकॉर्ड संधारण की

स्थिति का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान टेबलेट Paracetamol 500 द्वद्द का भौतिक सत्यापन किया गया। साथ ही ओपीडी में उपलब्ध दवाओं के स्टॉक, वितरण एवं खर्च से संबंधित रजिस्टरों के संधारण की जांच की गई और आवश्यक सुधार हेतु निर्देश दिए गए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने NCD (गैर-संचारी रोग) मरीजों के ओपीडी रिकॉर्ड का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (CHO) को ओपीडी रजिस्टर का नियमित एवं विस्तृत रूप से संधारण करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने यह भी बताया कि सभी राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के आधार पर संस्थाओं की नियमित समीक्षा की जाती है, इसलिए रिकॉर्ड का सही एवं अद्यतन होना आवश्यक है। साथ ही CHO को संस्था में समय पर उपस्थित रहने और कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान विनोद कामड़े, सेक्टर सुपरवाइजर एवं CHO उपस्थित रहे। यह निरीक्षण स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने एवं मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

प्रभारी सीएमओ पर उठे सवाल, सत्ता के ही पार्षद ने लगाये आरोप

सुधीर चिले बोले जांच के दायरे में अधिकारी को प्रभार देना गलत, बजट बैठक टालने की मांग

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

नगर पालिका में सत्ता पक्ष के ही पार्षद और वरिष्ठ भाजपा नेता सुधीर चिले ने सूर्यप्रकाश उईके को प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी का प्रभार देने पर सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि आने वाले कुछ दिनों में परिषद की महत्वपूर्ण बैठक प्रस्तावित है, ऐसे समय में इस तरह उन्हें प्रभार देना सही नही है। उन्होंने आरोप लगाया कि

सूर्यप्रकाश उईके पर पहले से ही डीजल मामले की जांच सहित कुछ अन्य आरोप लंबित हैं, इसके बावजूद उन्हें प्रभारी सीएमओ बनाया जाना सही निर्णय नहीं है। सुधीर चिले का कहना है कि यदि परिषद की बैठक में किसी प्रकार की जानकारी मांगी जाती है, तो प्रभारी सूर्यप्रकाश प्रभार का हवाला देकर जवाब देने से बच सकते हैं। ऐसे में बैठक की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो सकते हैं।उन्होंने यह भी कहा कि इस बार बजट से जुड़ी महत्वपूर्ण बैठक प्रस्तावित है, ऐसे में इस परिस्थिति में बैठक का सफल संचालन होना मुश्किल हो सकता है।पार्षद चिले ने मांग की है कि जब तक मुख्य नगर पालिका अधिकारी बी.डी. कतरोलिया का अवकाश समाप्त नहीं हो जाता, तब तक परिषद की बैठक नहीं ली जानी चाहिए।

नगर पालिका बालाघाट में जहां एक ओर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच मतभेद लगातार सामने आते रहे हैं, वहीं अब सत्ता पक्ष के भीतर भी गुटबाजी खुलकर सामने लगातार आते ही जा रही है। पार्षदों के बीच आपसी असहमति और कार्यप्रणाली को लेकर उठ रहे सवाल अब सार्वजनिक होने लगे हैं। इसी क्रम में सत्ता पक्ष के ही वरिष्ठ पार्षद सुधीर चिले ने नगर पालिका प्रशासन और अपनी ही पार्टी के नेतृत्व पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पार्षद सुधीर चिले ने कहा कि नगर पालिका की परिषद बैठकों के दौरान अक्सर मुख्य नगर पालिका अधिकारी को अवकाश पर भेज दिया जाता है और उनके स्थान पर किसी अन्य अधिकारी को अस्थायी रूप से प्रभारी बनाकर बैठाया जाता है। इस व्यवस्था के कारण परिषद में उठाए जाने वाले महत्वपूर्ण प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर पार्षदों को नहीं मिल पाते। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मुख्य नगर पालिका अधिकारी बी.डी. कतरोलिया परिषद की बैठकों से बचते नजर आते हैं और महत्वपूर्ण समय पर अवकाश पर चले जाते हैं, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही पर सवाल खड़े होते हैं।

बजट बैठक को लेकर भी असंतोष

श्री चिले ने बताया कि नगर पालिका की बजट बैठक मार्च माह के अंतिम दिनों में आयोजित होनी थी, लेकिन इसे टाल दिया गया और अब नए वित्तीय सत्र के 13 दिन बीत जाने के बाद इसे आयोजित करने की तैयारी की जा रही है। ऐसे समय में भी मुख्य नगर पालिका अधिकारी के अवकाश पर होने से स्थिति और अधिक जटिल हो गई है। उनका कहना है कि परिषद में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा प्रस्तावित है, लेकिन प्रभारी अधिकारी उन सवालों का सही और पूर्ण जवाब देने में सक्षम नहीं होंगे, जिससे पार्षदों को आवश्यक जानकारी नहीं मिल पाएगी।

प्रभार पर आये प्रभारी पर भी सवाल

इस पूरे मामले में पार्षद सुधीर चिले ने प्रभार पर आये मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्य प्रकाश उइके पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि जिले में अन्य पूर्णकालिक अधिकारी मौजूद होने के बावजूद हर बार सूर्य प्रकाश उइके को ही यह जिम्मेदारी दी जाती है। उन्होंने सुझाव दिया कि मलाजखंड नगर पालिका के पूर्णकालिक सीएमओ दिनेश बागमारे सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी एसडीएम ,डिप्टी कलेक्टर को यह प्रभार सौंपा जा सकता था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। श्री चिले ने यह भी आरोप लगाया कि सूर्यप्रकाश को प्रभार दिया गया है, वे स्वयं कुछ मामलों में जांच के दायरे में हैं। ऐसे में उन्हें यह जिम्मेदारी देना जांच प्रक्रिया को प्रभावित कर सकता है और साक्ष्यों के साथ छेड़छाड़ की आशंका भी बनी रहती है।

बैठक स्थगित करने की मांग

इन सभी परिस्थितियों को देखते हुए पार्षद ने मांग की है कि जब तक मुख्य नगर पालिका अधिकारी बी.डी. कतरोलिया वापस नहीं लौटते, तब तक परिषद की बैठक को स्थगित किया जाए। उन्होंने बताया कि 15 या 16 अप्रैल को बजट सत्र की बैठक आयोजित होने की संभावना है, लेकिन वर्तमान हालात को देखते हुए इसे कुछ समय के लिए टालना आवश्यक है, ताकि परिषद की कार्यवाही पारदर्शी और प्रभावी ढंग से संचालित हो सके।

36 उर्वरक विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित

ई-टोकन प्रणाली का पालन न करने पर कार्रवाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में किसानों को सुगमता से उर्वरक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लागू की गई ई-टोकन प्रणाली का पालन न करने पर कृषि विभाग ने जिले में सख्त कार्रवाई करते हुए 36 उर्वरक विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित कर दिए हैं। उप संचालक कृषि श्री फूल सिंह मालवीय ने जानकारी देते हुए बताया कि ई-टोकन के माध्यम से उर्वरक वितरण अनिवार्य किए जाने के बावजूद संबंधित विक्रेताओं द्वारा नियमों का उल्लंघन किया जा रहा था। इस पर विभाग द्वारा जांच उपरांत कार्रवाई करते हुए 26 निजी उर्वरक विक्रेताओं एवं 10 सेवा सहकारी समितियों के लाइसेंस निलंबित किए गए हैं। निलंबित किए गए प्रमुख निजी उर्वरक विक्रेताओं में गायत्री ट्रेडर्स (आरम्भा), लिल्हारे ट्रेडर्स (सिवनी कला), साई कृषि सेवा केंद्र (लांजी), गहने कृषि केंद्र (बोनकट्टा, कटंगी), मां शारदा कृषि केंद्र (लांजी), नारायण कृषि केंद्र (बालाघाट), फार्मर फ्यूचर बायोटेक (गर्रा, वारासिवनी), लिल्हारे कृषि केंद्र (सिंगोला), सिहोरे कृषि केंद्र (मुरझड़), परमात्मा एक कृषि केंद्र (खैरलांजी), ओम साई कृषि केंद्र (लांजी), पांचे कृषि केंद्र (बालाघाट), साई कृषि केंद्र (किरनापुर), किसान कृषि केंद्र (मुरझड़), सत्यनाम कृषि केंद्र (किरनापुर), रानगिरे कृषि केंद्र (बालाघाट), महावीर कृषि केंद्र (बालाघाट), बहेटवार कृषि केंद्र (किरनापुर), न्यू लिल्हारे कृषि केंद्र (खैरलांजी), प्रतीक ट्रेडर्स (साडरा), मांदरे कृषि केंद्र (बालाघाट), जय श्री राम कृषि सेवा केंद्र (लालबर्रा), गोकुलपुरे कृषि केंद्र (खैरलांजी), खुमेंद्र कृषि केंद्र (बिटोड़ी) एवं चौरागढ़ कृषि केंद्र (वारासिवनी) शामिल हैं। इसके अतिरिक्त 10 सेवा सहकारी समितियां कंजई, लामता, चांगोटोला, कुम्हारीकला, गजपुर, पुलपुट्टा, टेकाड़ी-नंदोरा, गढ़ी-बैहर, हट्टा एवं बड़गांव पर भी कार्रवाई की गई है। उप संचालक कृषि श्री मालवीय ने बताया कि 01 अप्रैल से जिले में ई-विकास प्रणाली को शत-प्रतिशत लागू कर दिया गया है। इसके तहत किसानों को उर्वरक प्राप्त करने के लिए अब लंबी कतारों में खड़े रहने की आवश्यकता नहीं होगी, बल्कि उन्हें निर्धारित तिथि एवं समय के अनुसार ई-टोकन के माध्यम से उर्वरक उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने सभी उर्वरक विक्रेताओं को निर्देशित किया है कि वे शासन के निर्देशों का कड़ाई से पालन करें, अन्यथा आगे भी इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

फार्मर आईडी अनिवार्य- पंजीयन हेतु जिले भर में विशेष कैंप आयोजित होंगे

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, म.प्र. शासन भोपाल के निर्देशानुसार समर्थन मूल्य पर फसलों की खरीद व्यवस्था एवं ई-विकास प्रणाली के माध्यम से उर्वरक प्राप्त करने हेतु सभी किसानों के लिए फार्मर आईडी बनवाना अनिवार्य कर दिया गया है। शासन द्वारा माह अप्रैल 2026 तक जिले के समस्त किसानों की फार्मर आईडी तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में कार्य को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के लिए बालाघाट जिले की सभी तहसीलों की ग्राम पंचायतों में विशेष कैंप आयोजित किए जाएंगे। ये कैंप प्रत्येक सप्ताह बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार को आयोजित होंगे। कैंप का समय प्रात: 8ः00 बजे से दोपहर 2ः00 बजे तक एवं सायं 4ः00 बजे से 6ः00 बजे तक निर्धारित किया गया है। पटवारी द्वारा कैंप की जानकारी के लिए मुनादी एवं व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाएगा। प्रत्येक कैंप में पटवारी की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी। पंचायत स्तर पर आयोजित कैंप के फोटोग्राफ, फार्मर आईडी की संख्या एवं कैंप लोकेशन की जानकारी तहसील स्तर पर संधारित कर नियमित रूप से साझा की जाएगी। कैंप की सतत निगरानी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) द्वारा की जाएगी। साथ ही तहसीलवार प्रगति की जानकारी नियमित रूप से संकलित कर संबंधित अधिकारियों को अवगत कराना सुनिश्चित किया जाएगा। किसानों से अपील की गई है कि वे अपने नजदीकी ग्राम पंचायत में आयोजित विशेष कैंप में पहुंचकर शीघ्र अपनी फार्मर आईडी बनवाएं, ताकि उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ समय पर प्राप्त हो सके।

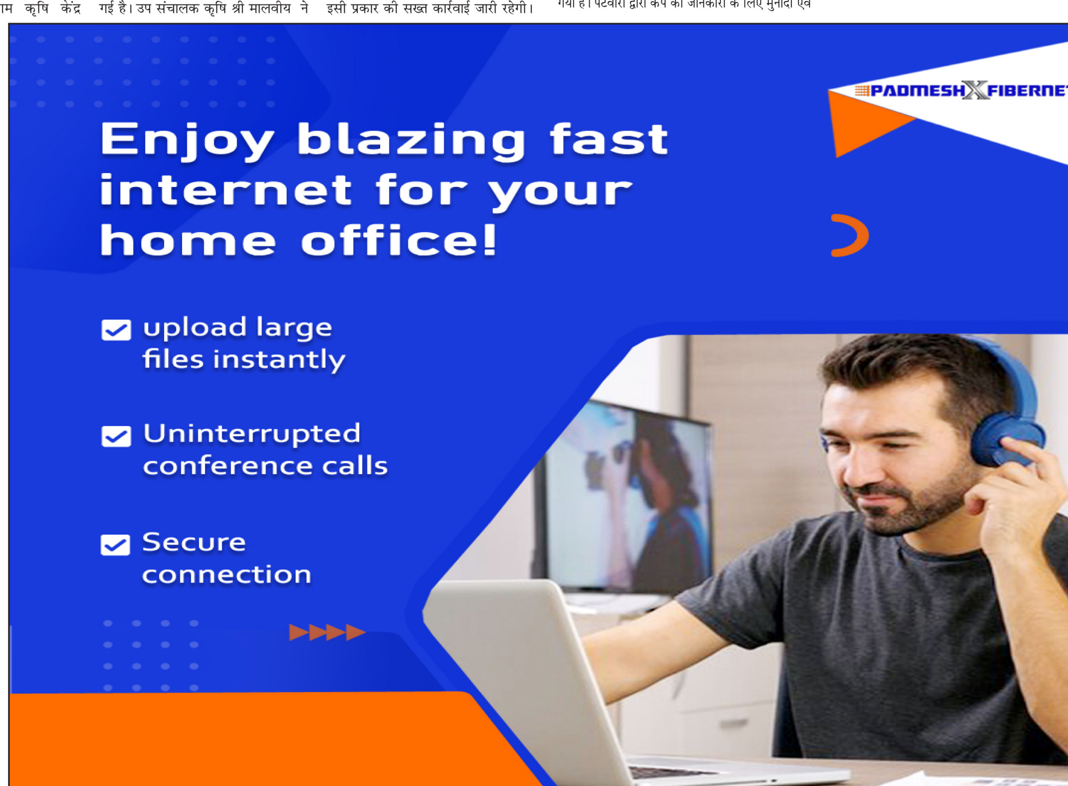

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :**9425138710**, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट